नई दिल्ली । बुधवार, 27 मई, 2026
ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष द्वादशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :141 / मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली संस्करण
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल आईसीसी विमेंस रैंकिंग : 38 पायदान की छलांग...
@ विचार महंगाई, ऊर्जा सुरक्षा और नीति-निर्माण की चुनौती...
@ व्यापार घरेलू निवेशक बन रहे शेयर बाजार की ताकत...

संक्षिप्त खबर

सर्राफा व्यापारी को बदमाशों ने गोली मारी

संवाददाता ■ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

पेंड्रा-गौरेला-मरवाही जिले के कोटमी साप्ताहिक बाजार में बदमाशों ने सर्राफा व्यापारी की गोली मारकर हत्या कर दी है। दुकान बंद करते समय बदमाश प्रदीप सोनी से सोना-चांदी लूटने लगे, उन्होंने विरोध किया तो सीने पर गोली मार दी। मार्केट में अफरा-तफरी मच गई। घटना पेंड्रा थाना क्षेत्र की है। बताया जा रहा है कि, व्यापारी का सोना-चांदी लूटकर बदमाश फरार हो गए हैं। हालांकि, कितने की लूट हुई है इसकी जानकारी अभी नहीं मिल पाई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस घेराबंदी कर रही है। हत्या के बाद स्थानीय लोगों में नाराजगी है। परिजन और स्थानीय व्यापारियों ने अस्पताल में पुलिस से शव छीन लिया और सड़क जाम कर दिया है। चश्मदीदों के अनुसार, मंगलवार रात करीब 7 बजे 3 आरोपी एक पल्सर पर सवार होकर आए थे। बदमाशों ने प्रदीप सोनी को बेहद करीब से गोली मारी है। सूचना मिलते ही कोटमी चौकी पुलिस मौके पर पहुंची।

'जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के हैं और रहेंगे'

चीन-पाकिस्तान को इंडिया का दो टूक जवाब

एजेंसी ■ नई दिल्ली

चीन और पाकिस्तान की तरफ से जम्मू-कश्मीर को लेकर दिए गए संयुक्त बयान को भारत के विदेश मंत्रालय ने बेबुनियाद बताते हुए साफ तौर पर खारिज कर दिया है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'जम्मू-कश्मीर और लद्दाख भारत के अभिन्न और अविभाज्य अंग रहे हैं और हमेशा रहेंगे। किसी भी दूसरे देश को इस मुद्दे पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं है।'

चीन-पाकिस्तान को भारत का दो टूक जवाब

रणधीर जायसवाल ने कहा, 'चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा परियोजनाओं के संबंध में, जो कि भारत के संप्रभु क्षेत्र में आ रहा है, हम दूसरे देशों द्वारा पाकिस्तान के इन क्षेत्रों पर अवैध और जबरदस्ती के कब्जे को मजबूत करने या उसे वैधता देने के किसी भी कदम का पूरी तरह विरोध और खंडन करते हैं।'

भारत की तरफ से साफ शब्दों में कहा गया, 'ऐसे कदम भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता पर

चोट करते हैं। यह बात पाकिस्तानी और चीनी अधिकारियों को कई बार साफ तौर पर बता दी गई है।

चीन-पाकिस्तान के बीच नहीं कोई बॉर्डर

रणधीर जायसवाल ने आगे कहा, 'हमने चीन और पाकिस्तान के बीच सीमा-पार जल संसाधन सहयोग के जिक्र को भी देखा है। चूंकि इन दोनों देशों के बीच कोई सीमा साझा नहीं होती, इसलिए सीमा-पार जल संसाधन सहयोग का सवाल ही नहीं उठता। भारत ने पाकिस्तान और चीन के बीच 1963 के सीमा समझौते को कभी मान्यता नहीं दी है।'

चीन-पाकिस्तान ने क्या कहा ?

भारत के विदेश मंत्रालय की तरफ से ये टिप्पणियां चीन और पाकिस्तान के एक संयुक्त बयान के बाद आई, जिसमें कश्मीर मुद्दे को इतिहास से विरासत में मिला मुद्दा बताया गया था और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के ढांचे के तहत शांतिपूर्ण तरीकों से इसके समाधान की मांग की गई थी।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ चीन की चार-दिवसीय यात्रा पर गए। 25 मई को चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की हाई-लेवल मीटिंग के बाद कई बातें भारत को लेकर कही गईं।

चीन ने अपनी पुरानी स्थिति को दोहराते हुए कहा कि इस विवाद को संयुक्त राष्ट्र चार्टर, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के संबंधित प्रस्तावों और द्विपक्षीय समझौतों के अनुसार, उचित और शांतिपूर्ण तरीके से हल किया जाना चाहिए।

दोनों पक्षों ने किसी भी एकतरफा कार्रवाई का विरोध दोहराया और दक्षिण एशिया में शांति और स्थिरता बनाए रखने, साथ ही बातचीत और कूटनीति के माध्यम से सभी लंबित विवादों को सुलझाने के महत्व की पुष्टि की।

चीनी पक्ष ने दोहराया कि जम्मू और कश्मीर विवाद इतिहास से चला आ रहा एक मुद्दा है और इसे संयुक्त राष्ट्र चार्टर, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रासंगिक प्रस्तावों तथा द्विपक्षीय समझौतों के अनुरूप, उचित और शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाया जाना चाहिए।

अमेरिका का होर्मुज के पास ईरानी बोट्स पर हमला

ईरान ने अमेरिका का एमक्यू-9 रीपर ड्रोन मार गिराया

एजेंसी ■ तेल अवीव

ईरान ने दावा किया है कि उसने अमेरिकी एमक्यू-9 बी ड्रोन को मार गिराया है और ईरानी हवाई क्षेत्र में घुसे एक लड़ाकू विमान पर भी फायरिंग की है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी ने कहा कि ईरानी फोर्स ने एक आर.क्यू.-4 ड्रोन और घुसपैठ करने वाले स्न-35 लड़ाकू विमान पर कार्रवाई की।

आईआरजीसी ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका युद्धविराम का उल्लंघन करता है तो ईरान को जवाबी कार्रवाई करने का हक है। इस बीच ईरान के सर्वोच्च नेता मुजतबा खामेनेई ने भी बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम एशिया की ताकतें अब अमेरिकी सैन्य ठिकानों के लिए ढाल नहीं बनेंगी और अमेरिका के पास इस क्षेत्र में अब कोई सुरक्षित ठिकाना नहीं रहेगा।

इससे पहले अमेरिका ने दक्षिणी ईरान में रातभर कई ठिकानों पर हमले किए। अमेरिकी सेना ने कहा कि उन्होंने उन नौकाओं को निशाना

बनाया गया जो समुद्र में बारूदी सुरंगें बिछाने की कोशिश कर रही थीं। इसके अलावा मिसाइल लॉन्च साइट्स पर भी हमला किया गया।

ईरान के साथ ओबामा जैसी डील नहीं: ट्रम्प ने कहा कि वे ईरान के साथ ओबामा जैसी डील नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि या तो अच्छा समझौता होगा या फिर कुछ भी नहीं होगा।

ईरान की दोहा वार्ता में होर्मुज और यूरेनियम मुद्दा सबसे अहम: ईरान के शीर्ष प्रतिनिधिमंडल की कतर यात्रा में होर्मुज स्ट्रेट और हाईली एनरिच्ड यूरेनियम सबसे अहम मुद्दे बने हुए हैं। साथ ही ईरान की फ्रीज संपत्तियों को जारी करने पर भी बातचीत हो रही है।

अमेरिका-ईरान में समझौते पर दस्तखत नहीं: अमेरिका और ईरान के बीच समझौते पर दस्तखत नहीं हो सके। इससे पहले कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि रविवार को ही दोनों देश सीजफायर बढ़ाने और होर्मुज खोलने को लेकर समझौता कर सकते हैं।

सुप्रीम लीडर की मंजूरी के बिना कोई फैसला नहीं: ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने कहा कि ईरान में कोई भी बड़ा फैसला सुप्रीम लीडर की मंजूरी के बिना नहीं लिया जाएगा।

ईरान का हिजबुल्लाह को फिर समर्थन: ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने लेबनान और हिजबुल्लाह के समर्थन में संदेश जारी किया है। उन्होंने कहा कि ईरान, इजराइल के खिलाफ लेबनान की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के साथ खड़ा है।

पन्ना में निर्माणाधीन कुआं धंसा, 5 की मौत

एजेंसी ■ पन्ना

मध्य प्रदेश के पन्ना जिले में मंगलवार को एक बड़ा हादसा हो गया। यहां एक कुएं का निर्माण चल रहा था। कई मजदूर काम में लगे थे। तभी अचानक निर्माणाधीन कुएं का हिस्सा धंस गया। इस हादसे में काम कर रहे मजदूर मिट्टी के मलबे के नीचे दब गए। जिसमें पांच मजदूरों की मौत हुई है। फिलहाल राहत और बचाव कार्य जारी है।

मिली जानकारी के अनुसार, पन्ना जिले के अजयगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बिहारपुरवा में एक कुएं के निर्माण का काम चल रहा था। अचानक यहां निर्माणाधीन कुएं का बड़ा हिस्सा धंसा गया। हादसे की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया गया। बताया जा रहा है कि सभी मजदूर एक ही यादव परिवार के सदस्य हैं और लंबे समय से कुआं खोदने का काम कर रहे थे। काम के दौरान अचानक कुएं की मिट्टी भरभराकर गिर गई, जिससे मजदूरों को बाहर निकलने का मौका तक नहीं मिला। रेस्क्यू टीम द्वारा अब तक दो मजदूरों के शव बाहर निकाल लिए गए हैं, जबकि अन्य मजदूरों को निकालने के लिए राहत कार्य लगातार जारी है। बताया गया है कि यह निजी कुआं है जिसका निर्माण कराया जा रहा था। इस काम में गाव के ही लोग लगे हुए थे। इसी दौरान अचानक मिट्टी का बड़ा हिस्सा भरभराकर नीचे गिर गया और कुएं के अंदर मौजूद लोग उसकी चपेट में आ गए।

डेमोग्राफिक चेंज पर सरकार ने बनाई हाई लेवल कमेटी

जनसांख्यिकीय परिवर्तन किसी भी राष्ट्र के वर्तमान और भविष्य के लिए बड़ी चुनौती

एजेंसी ■ नई दिल्ली

डेमोग्राफिक चेंज पर केंद्र सरकार ने हाई लेवल कमेटी का गठन किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को इसकी घोषणा की।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि घुसपैठ और अन्य कारणों से अस्वाभाविक जनसांख्यिकीय परिवर्तन (अननैचुरल डेमोग्राफिक चेंज) किसी भी राष्ट्र के वर्तमान व भविष्य के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है। इसी चुनौती से निपटने के लिए 15 अगस्त 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डेमोग्राफिक चेंज पर 'हाई लेवल कमेटी' बनाने की घोषणा की थी। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि सरकार ने इस कमेटी का गठन कर लिया है।

उन्होंने कहा कि जस्टिस प्रकाश प्रभाकर नावलेकर (सेवानिवृत्त) की अध्यक्षता में बनी इस कमेटी में जनगणना आयुक्त के साथ दुर्गा शंकर मिश्रा (रिटायर्ड आईएएस),

जनजातीय समाज के संरक्षण से जुड़ी एक गंभीर समस्या : अमित शाह

बालाजी श्रीवास्तव (रिटायर्ड आईपीएस) और डॉ. शमिका रवि समिति के सदस्य होंगे। संयुक्त सचिव (फॉरेनर्स-I), गृह मंत्रालय, इस समिति के सदस्य सचिव होंगे।

अमित शाह ने आगे कहा कि डेमोग्राफिक चेंज हमारी संप्रभुता के साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा, कानून व्यवस्था, सामाजिक संरचना में गंभीर बदलाव और जनजातीय समाज के संरक्षण से जुड़ी एक गंभीर समस्या है। यह कमेटी अवैध प्रवास और अन्य असामान्य कारणों से पूरे भारत में हो रहे डेमोग्राफिक चेंज का व्यापक मूल्यांकन करेगी और धार्मिक एवं सामाजिक समुदायों के स्तर पर असामान्य जनसंख्या परिवर्तनों के पैटर्न का विश्लेषण करेगी तथा इसका सुनियोजित और समयबद्ध समाधान प्रस्तुत करेगी।

बता दें कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में डेमोग्राफिक चेंज और घुसपैठ बड़ा मुद्दा था। इस मुद्दे को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तत्कालीन ममता बनर्जी सरकार का घेराव किया था। इसी आधार पर भाजपा ने विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को मात दी और पूर्व बहुमत से सत्ता हासिल की। ऐसे में अब केंद्र सरकार द्वारा डेमोग्राफिक चेंज पर हाई लेवल कमेटी गठित करना अहम माना जा रहा है।

सीबीएसई ने ओएसएम पोर्टल में हैकिंग के दावों को नकारा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सीबीएसई ने 19 वर्षीय साइबर सुरक्षा शोधकर्ता के उस दावे का जवाब दिया है, जिसमें उसने ऑन-स्क्रीन मार्किंग पोर्टल को फरवरी में ही हैक करने की बात कही थी। सीबीएसई ने ऑन-स्क्रीन मूल्यांकन प्रणाली में सुरक्षा खामियों के इन दावों को नकारा है और बताया कि 'वह केवल टेस्टिंग साइट थी'। सीबीएसई के अनुसार, परीक्षण वेबसाइट पर न तो वास्तविक मूल्यांकन डाटा और न ही छात्रों के अंक या अन्य संवेदनशील जानकारी मौजूद थी।

सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मूल्यांकन प्रणाली को लेकर चल रहे विवाद के बीच बोर्ड ने कथित हैकिंग और सुरक्षा चूक के दावों को खारिज कर दिया है। सीबीएसई ने कहा है कि सोशल मीडिया पर जिस यूआरएल को लेकर सुरक्षा खामी और सिस्टम में सेंध लगाने का दावा किया जा रहा है, वह वास्तविक मूल्यांकन पोर्टल नहीं बल्कि केवल

सीबीएसई का स्पष्टीकरण

- वह पोर्टल केवल टेस्टिंग वेबसाइट थी
- वास्तविक मूल्यांकन पोर्टल सुरक्षित
- छात्रों का असली डाटा या अंक लीक नहीं हुए

एक 'टेस्टिंग साइट' थी।

यह विवाद तब शुरू हुआ जब 19 वर्षीय साइबर सुरक्षा शोधकर्ता निसर्ग अधिकारी ने दावा किया कि उसने सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मूल्यांकन प्रणाली में कई गंभीर तकनीकी कमजोरियां खोजी हैं। उसने कहा था कि इन खामियों की मदद से परीक्षक खातों तक पहुंच बनाई जा सकती थी और छात्रों के अंकों में बदलाव भी संभव था।

एक 19 वर्षीय साइबर सुरक्षा शोधकर्ता निसर्ग अधिकारी के अनुसार उन्होंने सीबीएसई की ऑन-स्क्रीन मूल्यांकन प्रणाली में ऐसी तकनीकी कमजोरियां खोजी हैं, जिनकी मदद से परीक्षक खातों तक पहुंच और छात्रों के अंकों में बदलाव संभव था।

प. बंगाल में 5 रुपये में मछली-चावल और स्कूल-मंदिरों के पास शराबबंदी

सीएम शुभेंदु का बड़ा एलान

एजेंसी ■ कोलकाता

बंगाल में हुए बड़े राजनैतिक और प्रशासनिक बदलाव के बाद मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने नदिया जिले के कल्याणी में आयोजित एक उच्च स्तरीय प्रशासनिक बैठक के बाद पार्टी चुनावी घोषणा पत्र यानी संकल्प पत्र पर अमल और तेज कर दिया है और उन्होंने राज्य की सामाजिक और सुरक्षा व्यवस्था की रूपरेखा बदलने वाली कई बड़ी घोषणाएं की हैं।

पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार की लोकप्रिय सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को बंद करने की अटकलों पर पूरी तरह विराम लगाते हुए भाजपा सरकार ने न केवल इन्हें जारी रखने का फैसला किया है, बल्कि कई योजनाओं का बजट और दायरा सीधे दोगुना कर दिया है।

मुख्यमंत्री ने दो टूक शब्दों में स्पष्ट किया कि यह बदलाव 'डबल इंजन' सरकार के वास्तविक लाभ को जमीन पर उतारने के लिए है। इस प्रशासनिक बैठक में विपक्ष के कुछ सांसदों व विधायकों की मौजूदगी ने भी राज्य की

बदली हुई राजनैतिक कार्यसंस्कृति की ओर इशारा किया है।

इस महा-घोषणा के तहत महिलाओं को मिलने वाली 'लक्ष्मी भंडार' योजना (1500 रुपये) की राशि को दोगुना कर अब 'अन्नपूर्णा भंडार योजना' के रूप में 3,000 रुपये मासिक कर दिया गया है। इसकी आधिकारिक प्रक्रिया बुधवार को नवान्न से फार्म जारी होने के साथ शुरू हो जाएगी, जिसे ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों से भरा जा सकेगा।

मुख्यमंत्री ने जनता को आश्वस्त किया है कि जब तक अन्नपूर्णा योजना की बढ़ी हुई राशि लाभार्थियों के बैंक खातों में पहुंचनी शुरू नहीं होती, तब तक पुरानी व्यवस्था के तहत उन्हें निरंतर भुगतान मिलता रहेगा। इस योजना को जमीन पर उतारने के लिए सरकार बीडीओ और स्थानीय विधायकों के नेतृत्व में घर-घर जाकर फॉर्म भरने में सहयोग करेगी। हालांकि, मुख्यमंत्री ने नागरिकता के मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए साफ किया कि इन योजनाओं का लाभ केवल भारतीय नागरिकों को मिलेगा, बांग्लादेशी घुसपैठियों को नहीं।

इसके साथ ही, राज्य सरकार ने पूर्ववर्ती सरकार की 'मां कैंटीन' को अपग्रेड करते हुए अब उसमें महज पांच रुपये में हफ्ते में दो दिन विशेष रूप से 'मछली-भात' परोसने का निर्णय लिया है, जबकि बाकी के पांच दिन पांच में ही अंडा-सब्जी,दाल और भात की पूर्ववर्ती सेवा जारी रहेगी। राज्य के लगभग 400 कैंटीनों के माध्यम से गरीब और दैनिक वेतनभोगियों को यह भोजन दिया जाएगा।

प्रशासनिक मोर्चे पर भी बड़े फेरबदल की घोषणा की गई है, जिसके तहत तृणमूल काल के 'मुख्यमंत्री के बोलो' और 'दीदी के बोलो' कार्यक्रमों को पूरी तरह बंद कर नए स्वरूप में 'आपका सरकार से कहें' नाम से लोक शिकायत मंच शुरू किया जा रहा है। इसके लिए एक नया टोल-फ्री नंबर भी जारी किया जाएगा, जिसका नामकरण भाजपा प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने किया है।

सीएम बदलने की अटकलों को कांग्रेस ने किया खारिज

केसी वेणुगोपाल ने कहा कि यह केवल अटकलें हैं

एजेंसी ■ बेंगलुरू

कांग्रेस ने कर्नाटक में मुख्यमंत्री पद के बदलाव की सभी अटकलों को दृढ़ता से खारिज कर दिया है, महासचिव केसी वेणुगोपाल ने इन्हें निराधार बताया। पार्टी ने स्पष्ट किया कि दिल्ली में सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार के साथ हुई बैठक केवल आगामी राज्यसभा और विधान परिषद चुनावों के उम्मीदवारों पर केंद्रित थी। यह बयान कर्नाटक कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की चल रही चर्चाओं के बीच आया है।

कर्नाटक में सत्ता संघर्ष की नई खबरों के बीच, कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने राज्य के मुख्यमंत्री में बदलाव की किसी भी बात को खारिज कर दिया है। इंदिरा भवन के बाहर पत्रकारों से बात करते हुए पार्टी के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने मुख्यमंत्री परिवर्तन की अटकलों का खंडन किया। वेणुगोपाल ने कहा कि आप लोग जो भी अटकलें लगा रहे हैं, वे केवल अटकलें हैं। उनमें कोई सच्चाई नहीं है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि मंगलवार को उच्चायोग के साथ हुई बातचीत में कर्नाटक की राज्यसभा और विधानसभा सीटों के आगामी चुनावों पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि आज हमने कर्नाटक

की राज्यसभा और विधानसभा सीटों पर चर्चा की। छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और झारखंड जैसे अन्य राज्यों की सीटों के साथ ही कर्नाटक की राज्यसभा और विधानसभा सीटों के उम्मीदवारों की घोषणा की जाएगी। बस इतना ही। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उनके उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के कांग्रेस नेतृत्व से मिलने के लिए दिल्ली पहुंचने के बाद वहां नेतृत्व परिवर्तन की चर्चाएं फिर से तेज हो गईं।

सूत्रों के मुताबिक, मंगलवार को कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को राज्यसभा में जाने पर विचार करने का सुझाव दिया है। राज्य में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चल रही नई राजनीतिक हलचल के बीच यह सुझाव दिया गया है। हालांकि, खबरों के अनुसार, कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने राहुल गांधी को बताया कि उनकी राष्ट्रीय राजनीति में आने की कोई महत्वाकांक्षा नहीं है। सूत्रों ने बताया कि सिद्धारमैया ने इस प्रस्ताव पर विचार करने के लिए समय मांगा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी, महासचिव केसी वेणुगोपाल और कर्नाटक प्रभारी रणदीप सुरजेवाला समेत कई अन्य लोग बैठक में उपस्थित थे। राज्य में सत्ता परिवर्तन की अटकलों के बीच, कांग्रेस नेतृत्व ने इन अटकलों को तुरंत खारिज कर दिया।

सीएम विजय ने पीएम मोदी को लिखा पत्र, कर्नाटक के मेकेदातु प्रोजेक्ट को खारिज करने की मांग की

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर केंद्र सरकार से आग्रह किया कि वह कावेरी नदी पर कर्नाटक की प्रस्तावित मेकेदातु जलाशय परियोजना को अस्वीकार कर दे।

उन्होंने कहा कि इस परियोजना से सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन होगा और कावेरी के पानी पर निर्भर लाखों किसानों के हितों को खतरा पैदा हो जाएगा।

सीएम विजय ने पीएम मोदी को लिखे पत्र में कर्नाटक के उस कथित फैसले पर गहरी चिंता जताई, जिसमें मेकेदातु प्रोजेक्ट के लिए भूमि पूजन करने की बात कही है।

उन्होंने कहा कि इस प्रोजेक्ट को लेकर कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री के सार्वजनिक बयानों से तमिलनाडु के किसानों में बेचैनी फैल गई है, जिनकी रोजी-रोटी कावेरी नदी के पानी से सीधे तौर पर जुड़ी हुई है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि कावेरी जल विवाद को सुलझने में लगभग तीन दशक की कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ी थी, और अब सुप्रीम कोर्ट का 16 फरवरी, 2018 का फैसला लागू किया जा रहा है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मेकेदातु प्रोजेक्ट उन प्रोजेक्ट्स में शामिल नहीं था, जिन्हें कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण के अंतिम फैसले के तहत मंजूरी मिली थी। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने भी इस बात को सही ठहराया था।

विजय ने इस बात पर जोर दिया कि कावेरी बेसिन को पहले से ही पानी की कमी वाले बेसिन की श्रेणी में रखा गया है और उपलब्ध जल संसाधनों का बंटवारा बेसिन राज्यों के बीच 50 प्रतिशत निर्भरता के आधार पर पहले ही किया जा चुका है, इसलिए उन्होंने तर्क दिया कि नदी या उसकी सहायक नदियों पर कोई नया बड़ा जलाशय बनाने या कोई नया प्रोजेक्ट शुरू करने की कोई गुंजाइश नहीं है।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि तमिलनाडु की सीमा के पास 67.16 टीएमसी क्षमता वाला एक जलाशय बनाने का कर्नाटक का प्रस्ताव, उन अनियंत्रित जलग्रहण क्षेत्रों से आने वाले पानी के बहाव को बाधित कर सकता है जो तमिलनाडु को पानी के बंटवारे का एक अहम हिस्सा हैं। सीएम विजय ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि ऊपरी राज्यों को ऐसी कोई भी गतिविधि करने का अधिकार नहीं है, जिससे निचले राज्यों को मिलने वाले तयशुदा पानी के बंटवारे पर कोई असर पड़े। उन्होंने तर्क दिया कि कर्नाटक का प्रस्तावित जलाशय, इस सिद्धांत का सीधा-सीधा उल्लंघन होगा। उन्होंने पर्यावरण मंत्रालय की विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति का भी जिक्र किया, जिसने 2019 में राज्यों के बीच के अनसुलझे मुद्दों का हवाला देते हुए ।

काकोली दस्तीदार ने सीएम सुवेंदु अधिकारी की प्रशासनिक बैठक में हिस्सा लिया, अटकलों का दौर शुरू

कोलकाता । सांसद काकोली घोष दस्तीदार के तृणमूल के बारासात जिला अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने के कुछ दिनों बाद, मंगलवार को मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की प्रशासनिक बैठक में हिस्सा लिया, जिससे उनके अगले कदम को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं। इस प्रशासनिक बैठक में, जो नदिया जिले के कल्याणी में हुई, दस्तीदार के अलावा उत्तरी 24 परगना जिले के तृणमूल के तीन विधायक भी मौजूद थे।

काकोली ने एपीजे अब्दुल कलाम ऑडिटोरियम में उत्तर 24 परगना, नदिया और हुगली जिलों के प्रशासनिक अधिकारियों के साथ हुई बैठक में हिस्सा लिया।

इस बैठक में तृणमूल के नवनिर्वाचित विधायक देगंगा से अनीसुर रहमान बिदेश, स्वरूपनगर से बीना मंडल और हारोआ से अब्दुल मतीन भी मौजूद थे।

इस घटनाक्रम के बाद, काकोली के तृणमूल कांग्रेस छोड़ने की अटकलें तेज हो गई हैं।

हालांकि, सरकार बनाने के बाद मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने घोषणा की थी कि विपक्षी दलों के प्रतिनिधियों को भी प्रशासनिक बैठकों में आमंत्रित किया जाएगा।

भाजपा सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री के आदेश पर काकोली सहित तृणमूल के प्रतिनिधियों को बुलाया गया था।

पार्टी के अनुसार, इसमें कोई राजनीति नहीं है। तृणमूल विधायक भी यही बात कह रहे हैं।

बीना मंडल ने कहा कि मैं अपने विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए इस प्रशासनिक बैठक में आई हूं।

दूसरी ओर, अब्दुल मतीन ने कहा कि राज्य सरकार ने मुझे बुलाया था। इसलिए मैं आया हूं। पहले क्या हुआ, इस बारे में मैं कुछ नहीं कह सकता। मैं एक विधायक के तौर पर आया हूं।

देगंगा के विधायक अनीसुर रहमान ने कहा कि मेरी विधानसभा क्षेत्र का ज्यादातर हिस्सा पिछड़ा हुआ है।

सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस की संख्या बढ़ाकर 5 हजार किए जाने की योजना पर तेज गति से करें कार्य : हेमंत सोरेन

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में मंगलवार को झारखंड मंत्रालय में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की अद्यतन कार्य प्रगति की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को विभाग द्वारा संचालित योजनाओं, विद्यालयों में शैक्षणिक व्यवस्थाएं, आधारभूत संरचनाओं तथा विद्यार्थियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की विस्तृत समीक्षा की।

सीएम हेमंत सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि राज्य सरकार द्वारा विद्यालयों से जुड़ी योजनाओं एवं कार्यक्रमों को प्रभावी तरीके से पारदर्शिता के साथ अध्यनरत छात्र-छात्राओं तक ससमय पहुंचाना सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि राज्य सरकार झारखंड के बच्चों को बेहतर एवं क्वालिटी एजुकेशन प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है। सभी सरकारी विद्यालयों में आधारभूत संरचना और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ पठन-पाठन की नवीनतम एवं आधुनिक तकनीक से संबंधित संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं के परीक्षा परिणाम में निरंतर सुधार हो रहा है, बच्चों का रिजल्ट और ज्यादा अच्छा हो, इस निमित्त शिक्षकों के प्रशिक्षण कार्य सहित सभी पहलुओं पर विशेष ध्यान केंद्रित करें। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि शिक्षक नियुक्ति प्रक्रिया को गति दें। शिक्षकों के शत प्रतिशत पदों को राज्य सरकार की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों में हजारों की संख्या में शिक्षकों की बहाली हुई है, नियुक्ति प्रक्रिया निरंतर जारी रखते हुए रिक्त पदों को भरा जाए।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अधिकारियों से कहा कि शिक्षा किसी भी राज्य की आधारशिला होती है।

राज्य सरकार का उद्देश्य है कि ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित हो तथा प्रत्येक बच्चे को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जाए। बैठक में अधिकारियों ने सीएम को अवगत कराया कि प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षा में ड्रॉप आउट बच्चों की संख्या में कमी आई है। ड्रॉप आउट के मामले में झारखंड राष्ट्रीय औसत से अच्छा है।

राजस्थान हाईकोर्ट ने पॉक्सो मामले में आरोपी को दी जमानत, एक साल के लिए सोशल मीडिया इस्तेमाल पर लगाई रोक

जोधपुर । नाबालिग लड़की के यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी व्यक्ति को राजस्थान हाईकोर्ट ने सशर्त जमानत दे दी। कोर्ट ने आरोपी पर इंस्टाग्राम, फेसबुक और स्नैपचैट जैसे सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल पर एक साल का बैन लगाया है।

जस्टिस अशोक कुमार जैन की एकल-न्यायाधीश वाली जोधपुर बेंच ने यह आदेश बीकानेर के मुक्ता प्रसाद नगर पुलिस स्टेशन में दर्ज एक मामले में आरोपी की जमानत याचिका स्वीकार करते हुए पारित किया।

यह मामला भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 78(2) और 79, तथा यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धारा 11 और 12 के तहत दर्ज किया गया था।

राजस्थान हाईकोर्ट ने निर्देश दिया कि आरोपी को एक वर्ष की अवधि के लिए इंस्टाग्राम, फेसबुक और स्नैपचैट जैसे सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करने से प्रतिबंधित किया जाता है।

कोर्ट ने चेतावनी दी कि यदि आरोपी को इस एक वर्ष की अवधि के दौरान किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हुए पाया गया। चाहे वह अपने नाम से हो, या किसी काल्पनिक नाम से, अपने मोबाइल/ई-मेल आईडी का उपयोग करके या किसी काल्पनिक ई-मेल आईडी का उपयोग करके तो जमानत का आदेश रद्द कर दिया जाएगा।

इस आदेश में आरोपी को पीड़िता या उसके परिवार के सदस्यों से किसी भी माध्यम से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संपर्क करने से भी प्रतिबंधित किया गया है।

अभियोजन पक्ष के अनुसार, एफआईआर 22 फरवरी को नाबालिग पीड़िता के पिता द्वारा दर्ज कराई गई थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि आरोपी ने 1 फरवरी से 20 फरवरी के बीच यौन उत्पीड़न, पीछा करने और साइबर-संबंधित अपराध किए थे।

याचिकाकर्ता को 24 फरवरी को गिरफ्तार किया गया था और तब से बीएनएस तथा पॉक्सो अधिनियम के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत आरोप पत्र दाखिल किया जा चुका है।

सुनवाई के दौरान आरोपी के वकील ने यह दलील दी कि मौखिक आरोपों के अलावा शिकायतकर्ता द्वारा एफआईआर में लगाए गए आरोपों को साबित करने के लिए कोई भी ठोस सामग्री प्रस्तुत नहीं की गई है।

यह तर्क भी दिया गया कि जांच पूरी हो चुकी है, आरोपी को अब हिरासत में लेकर पूछताछ करने की आवश्यकता नहीं है और उसके फरार होने की कोई संभावना नहीं है।

इसके अतिरिक्त यह भी प्रस्तुत किया गया कि आरोपी काफी समय से हिरासत में है और इस मामले में मुकदमा चलने में अभी समय लग सकता है।

सीएम मोहन यादव ने उज्जैन में 40 महिला कर्मयोगी को ई-साइकिल वितरित की

उज्जैन । मध्य प्रदेश सरकार पेट्रोल-डीजल की खपत को कम करने के लगातार प्रयास कर रही है। उसी क्रम में उज्जैन में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने 40 महिला कर्मयोगी बहनों को नि:शुल्क ई-साइकिलें वितरित कीं।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उज्जैन में 40 महिला कर्मयोगी बहनों को नि:शुल्क वितरित करने के बाद कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति कर रहा है। मध्य प्रदेश सरकार महिला सशक्तिकरण को गति देने के लिए संकल्पित है। प्रदेश की सभी माताएं-बहनें अपने जीवन में सुख-समृद्धि, आनंद और वैभव प्राप्त करें। दुनिया में पेट्रोल-डीजल से दाम बढ़ रहे हैं। वैश्विक ऊर्जा संकट के दौर में इलेक्ट्रिक व्हीकल सबसे अच्छा विकल्प हैं। यह ई साइकिलें उज्जैन जिला प्रशासन ने सीएसआर फंड के माध्यम से उपलब्ध कराई हैं।

सीएम मोहन यादव ने ई-साइकिलें उपलब्ध कराने वाली कंपनी के प्रयास को सराहा और लाभ प्राप्त करने वाली बहनों के बधाई दी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जल संवर्धन की दिशा में लगातार तीसरे वर्ष विकास कार्यों को गति दे रही है। प्रदेश में जल गंगा संरक्षण महाभियान के जरिए गुड़ी पड़वा से लेकर 30 जून तक लगभग 10 हजार करोड़ से अधिक लागत के कार्य शामिल हैं। इनमें नदी, तालाब, पोखर, कुएं, बावड़ियों के जीर्णोद्धार के कार्य किए जा रहे हैं। प्रमुख नदियों के उद्गम स्थलों पर जल संरक्षण के लिए विशेष गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। जल संरक्षण के कार्यों के लिए मध्य प्रदेश को देश में प्रथम स्थान मिला है। यह प्रदेशवासियों के परिश्रम का फल है। उन्होंने कहा कि धार स्थित भोजशाला में गंगा दशहरा उत्सव धूमधाम से मनाया गया है। भोजशाला के संबंध में आए उच्च न्यायालय के फैसले का हिंदू-मुस्लिम सहित सभी वर्ग के लोगों ने सम्मान किया है। पहले अयोध्या में प्रभु श्रीराम के मंदिर निर्माण और वर्तमान में धार की भोजशाला को लेकर हमारे मतों में भिन्नता हो सकती है।

विद्यालयों में पठन संस्कृति मजबूत करने में जुटी योगी सरकार

लखनऊ। योगी सरकार अब परिषदीय और माध्यमिक विद्यालयों में पठन संस्कृति को मजबूत कर बच्चों में पढ़ने की आदत, भाषा दक्षता और रचनात्मक सोच विकसित करने पर विशेष जोर दे रही है।

शैक्षिक सत्र 2026-27 के शुभारंभ के अवसर पर 'पठन संस्कृति' और 'समाचार-पत्र पठन' से संबंधित पूर्व में जारी निर्देशों के प्रभावी अनुपालन को लेकर फिर से व्यापक स्तर पर दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं, ताकि विद्यालयों में पढ़ने का सकारात्मक वातावरण विकसित किया जा सके। अपर मुख्य सचिव बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा पार्थ सारथी सेन शर्मा की ओर से पहले ही विद्यालयों में पठन संस्कृति, समाचार-पत्र पठन और रीडिंग गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए व्यापक निर्देश जारी किए जा चुके हैं। अब उन्हीं निर्देशों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए समस्त प्राचार्य डायट, एडी बेसिक, बीएसए, बीईओ आदि को विशेष रूप से निर्देशित किया गया है कि विद्यालयों में पठन गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु व्यक्तिगत एवं समर्पित प्रयास सुनिश्चित किए जाएं। योगी सरकार का फोकस अब परिषदीय एवं माध्यमिक विद्यालयों में पढ़ाई को केवल पाठ्यक्रम आधारित न रखते हुए विद्यार्थियों में पढ़ने की आदत विकसित कर भाषा दक्षता, संवाद क्षमता, तार्किक सोच और रचनात्मक अभिव्यक्ति को मजबूत करने पर भी है। इनमें विद्यालयों में नियमित रीडिंग ऑवर, समाचार-पत्र उपलब्ध कराना, सुबह की सभा में समाचार वाचन और बच्चों को पुस्तक पठन के लिए प्रेरित करना शामिल है। यही कारण है कि 'समाचार-पत्र पठन', 'रीडिंग ऑवर' और 'स्क्रीन टाइम कम करने' जैसी गतिविधियों को अब और अधिक गंभीरता के साथ लागू कराने पर जोर दिया जा रहा है। इन गतिविधियों को नियमित और प्रभावी तरीके से संचालित कर प्रत्येक विद्यालय में पढ़ने का सकारात्मक वातावरण तैयार किया जाएगा। विद्यालयों में 'डियर' (ड्रॉप एवरीथिंग एंड रीड) कैंपेन को भी प्रभावी ढंग से संचालित करने पर जोर दिया गया है। इसके अन्तर्गत सप्ताह में एक निर्धारित समय पर छात्र-छात्राएं, शिक्षक और प्रधानाध्यापक अपनी पसंद की पुस्तकें पढ़ेंगे। इसके अलावा प्राथमिक स्तर पर 'सुपर-20' और उच्च प्राथमिक स्तर पर 'सुपर-30' रीडिंग चैलेंज जैसी गतिविधियों को भी नियमित रूप से संचालित किया जाएगा।

गुजरातः उमरेठ उपचुनाव जीतने के बाद हर्षद परमार ने विधायक पद की शपथ ली

गांधीनगर । उमरेठ उपचुनाव में जीत हासिल करने के बाद भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक हर्षद परमार ने मंगलवार को गुजरात विधानसभा के सदस्य के तौर पर शपथ ली। गांधीनगर स्थित विधानसभा परिसर में स्पीकर शंकर चौधरी ने उन्हें पद की शपथ दिलाई।

शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल, विधानसभा के मुख्य सचेतक बालकृष्ण शुक्ला, विधायी और संसदीय कार्य मंत्री ऋषिकेश पटेल, राज्य मंत्रिमंडल के अन्य सदस्य और विधायक शामिल हुए।

हर्षद परमार इस महीने की शुरुआत में विधानसभा के लिए चुने गए थे। उन्होंने उमरेठ सीट पर भाजपा का कब्जा बरकरार रखा। यह उपचुनाव मार्च में मौजूदा विधायक गोविंद परमार के बीमारी के कारण निधन के बाद जरूरी हो गया था।

भाजपा ने दिवंगत विधायक के बेटे हर्षद परमार को मैदान में उतारा था। यह उनका पहला बड़ा चुनावी मुकाबला था।

चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार भृगुराजसिंह चौहान को 30,000 से ज्यादा वोटों के अंतर से हराया। हर्षद परमार को 85,500 वोट मिले, जबकि चौहान को 54,757 वोट मिले।

परमार ने अपनी जीत अपने दिवंगत पिता को समर्पित की और निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं का आभार व्यक्त किया, जो भीषण गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में वोट डालने आए।

उपचुनाव के इस नतीजे को ऐतिहासिक बताते हुए परमार ने कहा था कि यह समर्थन मेरे पिता द्वारा वर्षों से निर्वाचन क्षेत्र में किए गए कार्यों से अर्जित सद्भावना को दर्शाता है। लोगों ने शुरू से ही मेरा साथ दिया और उनके आशीर्वाद और समर्थन से मैंने बड़े अंतर से जीत हासिल की।

उमरेठ विधानसभा क्षेत्र के लिए उपचुनाव 23 अप्रैल को हुआ था और वोटों की गिनती 4 मई को हुई थी।

सुशासन के 12 साल : 'पीएम मोदी के नेतृत्व में बदली काशी की तस्वीर', श्रद्धालुओं ने गिनाईं उपलब्धियां

वाराणसी । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2014 में पद की शपथ लेने के 12 वर्ष पूरे होने के अवसर पर उनके संसदीय क्षेत्र वाराणसी में श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों के बीच उत्साह देखने को मिला।

काशी पहुंचे श्रद्धालुओं ने प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में देश की पहचान वैश्विक स्तर पर मजबूत हुई है और धार्मिक स्थलों के विकास को नई दिशा मिली है।

लोगों का कहना है कि पिछले कुछ वर्षों में वाराणसी का स्वरूप पूरी तरह बदल गया है और काशी आज दुनिया भर के श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बन चुकी है।

श्रद्धालु पूजा पांडेय ने आईएएनएस से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के 12 साल के कार्यकाल में देश ने अभूतपूर्व विकास देखा है। पहले के समय में भारत को इतना वैश्विक सम्मान नहीं मिला था, जितना आज मिल रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। रोजगार के अवसर बढ़े हैं, महिलाओं की सुरक्षा को लेकर ठोस कदम उठाए गए हैं और धार्मिक स्थलों का पुनर्जीवन किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रधानमंत्री शायद ही देश को पहले मिला हो और वह चाहती हैं कि आने वाले समय में भी नरेंद्र मोदी ही देश का नेतृत्व करें।

श्रद्धालु राघवेंद्र सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में चलाए गए स्वच्छता अभियान की सराहना करते हुए कहा कि पहले शहर में जगह-जगह गंदगी दिखाई देती थी, लेकिन अब हर गली और घाट का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि नमो घाट से लेकर अस्सी घाट तक व्यापक सफाई और विकास कार्य हुए हैं। पहले जहां सड़कें जर्जर थीं और चलना मुश्किल था, वहीं आज बेहतर सड़कें और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध हैं, जिससे लोगों को काफी राहत मिली है।

गाजीपुर से वाराणसी पहुंचे श्रद्धालु दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का कार्यकाल लगातार बढ़ना चाहिए क्योंकि पिछले कई दशकों में जो काम नहीं हो सके, वे अब तेजी से पूरे किए जा रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

तेज रफ्तार पानी के टैंकर ने पैदल जा रहे 15 साल के मासूम को रौंदा, मौत

रायपुर। राजधानी रायपुर में रफ्तार का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। विधानसभा थाना क्षेत्र के सड्डू स्कूल के पास तेज रफ्तार पानी के टैंकर ने पैदल जा रहे 15 वर्षीय बालक को कुचल दिया। हादसे में मासूम की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। आरोपी टैंकर चालक टैंकर समेत मौके से फरार हो गया। पुलिस फिलहाल मामले की जांच में जुटी हुई है। इस हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। हादसे से पहले एक अज्ञात बाइक सवार दिखा है, जिसकी आशंका जताई जा रही है कि उसने नाबालिग को टैंकर के नीचे धक्का दिया। घटना के तुरंत बाद यह बाइक सवार सबसे पहले मृतक बालक के शव के पास पहुंचा। मृतक बालक ख्नुल सेक्टर-01, सड्डू का निवासी था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और अज्ञात पानी के टैंकर की तलाश में छापेमारी कर रही है।

सीसीटीव्ही फुटेज आया सामने

घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में साफ दिख रहा है कि तेज रफ्तार टैंकर बालक को रौंदते हुए भाग निकला। हादसे से पहले बाइक सवार की संदिग्ध हरकतें भी कैमरे में कैद हुई हैं। पुलिस ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए तलाशी अभियान तेज कर दिया गया है। आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

ब्लैकलिस्टेड-अपात्र कंपनी को पीडब्ल्यूडी विद्युत शाखा ने दिया 13 करोड़ का ठेका

Bilaspur Smart City Limited (BSCL)

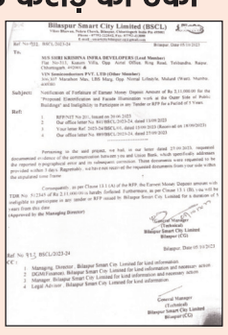

To,
M/S SHRI KRISHNA INFRA DEVELOPERS (Lead Member)
VIN Semiconductors PVT. LTD (Other Member)

रायपुर। लोक निर्माण विभाग की विद्युत एवं यांत्रिकी शाखा में गंभीर अनियमितता का खुलासा हुआ है। बिलासपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड द्वारा पांच वर्षों के लिए अपात्र-ब्लैकलिस्ट की जा चुकी मेसर्स श्री कृष्णा इंफ्रा डेवलपर कंपनी को विभाग ने करीब 13 करोड़ रुपये के ठेके आवंटित कर दिए गए। कंपनी ने टेंडर हासिल करने के लिए झूठा शपथपत्र दाखिल किया, जिसे विभागीय अधिकारी मान्य भी करते रहे। दस्तावेजों से पता चला है कि कंपनी के संचालक ने शपथपत्र में दावा किया कि उनकी फर्म किसी भी सरकारी विभाग में ब्लैकलिस्ट या प्रतिबंधित नहीं है, जबकि बिलासपुर स्मार्ट सिटी ने वर्ष 2023 में कंपनी की निविदा सुरक्षा राशि जब्त कर उसे ब्लैकलिस्ट कर दिया था और निविदा प्रक्रिया से बाहर कर दिया था।

टावर पर महिला ने लगाई फांसी

बेटी का आधार-कार्ड बनवाने भटक रही थी

रायपुर/जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर में एक महिला ने मोबाइल टावर पर चढ़कर सुसाइड कर लिया। मंगलवार सुबह 5 बजे महिला कुनकुरी थाने में लगे टावर के पास पहुंची। दुपट्टा लेकर 100 फीट ऊंचाई पर चढ़ी और फंदा बनाकर लटक गई। महिला अपनी बच्ची का आधार कार्ड और बर्थ सर्टिफिकेट बनवाने के लिए भटक रही थी। महिला ने सुसाइड से पहले डायल 112 पर कॉल किया था, पुलिस से उसने अपनी समस्या बताई थी, जिसके बाद उसे समझाइश दी गई थी। मामला कुनकुरी थाना क्षेत्र का है।

यह भी बताया जा रहा है कि निलिमा लकड़ा (22) की दिमागी हालत ठीक नहीं थी, वह फोन पर अक्सर सुसाइड के वीडियो देखा करती थी। दरअसल, निलिमा लकड़ा (22) ग्राम धुमाडांड की रहने वाली थी। वह लंबे समय से मानसिक तनाव से जूझ रही थी। एक दिन पहले निलिमा सोमवार (25 मई) को अपनी 4 साल की बेटी का आधार कार्ड बनवाने इधर ऊधर भटक रही थी। बच्ची का बर्थ सर्टिफिकेट बनवाने अपनी मां के साथ हॉस्पिटल भी गई थी, इसी दौरान अचानक वह लापता हो गई। रिश्तेदार उसकी तलाश कर रहे थे। मंगलवार तड़के सुबह उसने डायल 112 नंबर पर कॉल कर पुलिस को अपनी जानकारी दी। इसके कुछ ही समय बाद वह थाना परिसर के सामने स्थित वायरलेस टावर पर चढ़ गई।

छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मण्डल को सामान्य प्रशासन विभाग के अधीन लाने के प्रस्ताव को मिली मंजूरी

छत्तीसगढ़ सरकार की कैबिनेट की बैठक में लिया गया फैसला

रायपुर। महानदी भवन में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में कैबिनेट की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में मंत्रिपरिषद ने मंत्रिपरिषद् की बैठक में छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मण्डल को सामान्य प्रशासन विभाग के अधीन लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। वहीं राज्य के विभिन्न विभागों, सार्वजनिक उपक्रमों, निगमों, मंडलों और स्थानीय निकायों में जमा स्क्रैप और अनुपयोगी सामग्रियों के पारदर्शी एवं व्यवस्थित निस्तारण के लिए भारत सरकार के उपक्रम मेटल स्क्रैप ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन लिमिटेड के साथ सेलिंग एजेंसी अनुबंध की अवधि को आगामी तीन वर्षों के लिए बढ़ाने का निर्णय लिया है।

यह अनुबंध नवंबर 2019 से प्रभावी है तथा 31 मई 2026 को समाप्त हो रहा था। MSTC के अत्याधुनिक ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के माध्यम से देशभर के खरीदार प्रतिस्पर्धी बोली लगाकर स्क्रैप सामग्री खरीद सकते हैं, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होती है और राज्य को बेहतर मूल्य प्राप्त होता है।

इस व्यवस्था से राज्य में स्क्रैप निस्तारण की प्रक्रिया अधिक सुव्यवस्थित, तकनीक आधारित और राजस्वोन्मुख हुई है। इस निर्णय से विभागों को अलग-अलग निविदा और विज्ञापन प्रक्रिया की आवश्यकता नहीं होगी, प्रशासनिक समय और संसाधनों की बचत होगी, साथ ही कार्यालय परिसरों में स्वच्छता और स्थान प्रबंधन भी बेहतर होगा।

मंत्रिपरिषद् की बैठक में छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मण्डल को सामान्य प्रशासन विभाग के अधीन लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इसके लिए 'छत्तीसगढ़ शासन कार्य (आवंटन) नियम' में संशोधन किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि 'छत्तीसगढ़ कर्मचारी चयन मण्डल अधिनियम, 2026' लागू होने के बाद पूर्व के छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मण्डल का विलय नए कर्मचारी चयन मण्डल में हो चुका है। साथ ही उसकी सभी परिसंपत्तियां एवं देनदारियां भी नए मण्डल में शामिल हो गई हैं।

राज्य मंत्रिपरिषद ने सड़क निर्माण कार्यों में 01 अप्रैल 2026 के पश्चात बिटुमिन (डामर) की कीमतों में हुई असाधारण और अप्रत्याशित वृद्धि को देखते हुए, राज्य के हित और निर्माण कार्यों में निरंतरता बनाए रखने के उद्देश्य से 01 अप्रैल 2026 से 30 जून 2026 की अवधि के लिए अनुबंधित ठेकेदारों को सीमित एवं आंशिक मूल्य राहत (क्षतिपूर्ति) प्रदान करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है।

यह राहत केवल बिटुमिन मूल्य में हुई असाधारण वृद्धि के प्रभाव को कम करने हेतु निर्धारित फार्मूले के आधार पर दी जाएगी तथा अन्य निर्माण घटकों पर अनुबंध में पूर्व से प्रावधानित एस्केलेशन नियम यथावत लागू रहेंगे। वैश्विक परिस्थितियों और पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में वृद्धि के कारण डामरीकरण कार्य प्रभावित होने लगे थे, जिससे सड़क निर्माण और संधारण कार्यों की गति बाधित होने की आशंका थी।

भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा भी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं हेतु इसी प्रकार की राहत के निर्देश

काम में बेवजह देरी करने वाली एजेंसियों पर होगी सख्त कार्रवाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्य सचिव विकासशील ने मंत्रालय (महानदी भवन) में ई-प्रगति पोर्टल में दर्ज राज्य की अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजनाओं की प्रगति की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को कड़े निर्देश दिए हैं कि सभी परियोजनाओं के कार्यों में तेजी लाई जाए और आ रही बाधाओं को तत्काल दूर कर नियमित रूप से प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। मुख्य सचिव ने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों में बेवजह की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी और लापरवाही बरतने वाली निर्माण एजेंसियों पर नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

ई-प्रगति पोर्टल की 5 प्रमुख परियोजनाएं

समीक्षा बैठक में विशेष रूप से पोर्टल पर दर्ज राज्य की 5 अति-महत्वपूर्ण परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति पर चर्चा की गई। वर्किंग वुमेन हॉस्टल, उसलापुर (बिलासपुर), वर्किंग वुमेन हॉस्टल, कोनी (बिलासपुर), 4G स्टेशन डीव्हीएन मोबाइल टॉवर स्थापना (बिलासपुर), मोबाइल टॉवर हेतु विद्युत अधोसंरचना परियोजना (बिलासपुर) और सिकारसर कोडार रिसीवर लिंक कैनाल (गरियाबंद जिला)।

साप्ताहिक मॉनिटरिंग और कड़े प्रशासनिक निर्देश

मुख्य सचिव ने सभी संबंधित विभागों को निर्देशित किया है कि वे प्रत्येक परियोजना की साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट ई-पोर्टल पर फोटो जियोटैग के साथ अनिवार्य रूप से अपलोड करें, ताकि कार्यों की वास्तविक स्थिति की पारदर्शी मॉनिटरिंग हो सके। उन्होंने जिलों में मोबाइल टॉवर स्थापना के मार्ग में आ रही भूमि आवंटन या अन्य तकनीकी दिक्कतों को संबंधित कलेक्टरों से समन्वय कर शीघ्र दूर करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने संबंधित जिलों के कलेक्टरों को व्यक्तिगत रूप से रुचि लेकर ई-प्रगति पोर्टल की परियोजनाओं की दैनिक समीक्षा करने और उनमें तेजी लाने को कहा है। इस समीक्षा बैठक में मंत्रालय से सूचना प्रौद्योगिकी विभाग, जल संसाधन विभाग तथा उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन और जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण : मुख्यमंत्री साय ने दी बधाई

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'प्रधान सेवक' के रूप में राष्ट्रसेवा, सुशासन और जनकल्याण को समर्पित सफल 12 वर्ष पूर्ण होने पर हार्दिक बधाई एवं अभिनंदन व्यक्त किया है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी, निर्णायक और जनकेंद्रित नेतृत्व में भारत ने सेवा, सुरक्षा, आत्मविश्वास और विकास के नए युग में प्रवेश किया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि बीते 12 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शासन की सोच और कार्यशैली को बदलते हुए सेवा, सुशासन और अंत्योदय की भावना को केंद्र में रखा तथा यह सुनिश्चित किया कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि गरीब, किसान, महिला, युवा, वंचित और जनजातीय समाज के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का जो संकल्प प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिया, वह आज देश के कोने-कोने में दिखाई देता है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आज भारत आत्मविश्वास, सुरक्षा और वैश्विक प्रतिष्ठा के नए आयाम स्थापित कर रहा है। मजबूत अर्थव्यवस्था, आधुनिक अधोसंरचना, डिजिटल क्रांति, आत्मनिर्भरता, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक समावेशन की दिशा में देश ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। विकसित भारत @2047 का संकल्प आज जनभागीदारी और विश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के संदर्भ में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नेतृत्व विशेष रूप से प्रेरणादायी रहा है। दशकों तक नक्सल हिंसा से प्रभावित रहे बस्तर और वनांचल क्षेत्रों में आज विकास, विश्वास और जनकल्याण की नई धारा दिखाई दे रही है।

भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा से 10 हजार की धोखाधड़ी

रायपुर। रायपुर का पॉश भव्य खम्हारडीह इस वक्त चर्चा में है। यहां के बीजेपी नेता पुरंदर मिश्रा खुद का शिकार हो गए हैं। बीजेपी के ही एक बहुत बड़े नेता के पीए के समर्थकों ने को फोन किया। उन्होंने कहा कि ऐसा उलझाया गया कि विधायक झांसे में आ गए।

इसके बाद विधायक ने अपने पास से पैसे लेकर उसकी जगह जगन्नाथ मंदिर के सेवक से पैसे जमा करवा दिए। अब पुलिस उस अनाम नंबर और बैंक खाते की कुंडली जारी कर रही है।

डीजल के नाम पर फंसाया जाल

यह गेम पूरा फोन कॉल से शुरू हुआ। सूत्रों के मुताबिक, ठग ने खुद को बीजेपी के एक दिग्गज नेता का निज सहायक बताया। उन्होंने कहा कि उनकी गाड़ी में डीजल डिलवाना है और इस वक्त तुरंत की जरूरत है। कार्यकर्ता पुरंदर मिश्रा को सच में संगठन के किसी बड़े नेता के स्टाफ की चिंता लगी। ठग ने एक बार नहीं, बल्कि दो बार में पैसे ट्रांसफर करने को कहा।

विधायक ने खुद को सीधे पैसे नहीं भेजे। उन्होंने जगन्नाथ मंदिर के सेवक नारायण मिश्रा को बोलकर बाजार के खाते में कुल 10 हजार रुपये डाले। पैसेजर घटना ही ठग ने फोन बंद कर दिया।

जब कुछ देर बाद नेता ने उस बड़े नेता के बारे में यहां तस्दीक की, तब पता चला कि वहां से ऐसा कोई फोन ही नहीं आया था। अवशेषों का होना ही भारी पड़ गया। इसके बाद सेवक नारायण मिश्रा ने खम्हार धार थाने में ग्राहक शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात धोखाधड़ी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

सात दिन पहले हुआ था बड़ा कांड

रायपुर में जनसंपर्क क्षेत्र का यह पहला मामला नहीं है। अभी ठीक एक सप्ताह पहले विधान नगर क्षेत्र में पूर्व विधानसभा अध्यक्ष धरमलाल कौशिक के साथ भी बड़ी घटना हुई थी।

वह सुबह-सुबह सैर पर निकले थे। उनमें से एक बाइक सवार बदमाश का कीमती सामान चीनकर भाग गया था।

आईएएस, आईपीएस और आईएफएस अफसरों का बढ़ा महंगाई भत्ता, 58 से बढ़कर हुआ 60 प्रतिशत

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने राज्य में कार्यरत अखिल भारतीय सेवाओं के सदस्यों के लिए एक बड़ा आदेश जारी किया है। सरकार ने इन अधिकारियों के महंगाई भत्ते में संसोधन करते हुए इसे 58 फीसदी से बढ़ाकर 60 फीसदी करने की आधिकारिक स्वीकृति दे दी है। यह आदेश 1 जनवरी 2026 से प्रभावी माना जाएगा।

महानदी भवन (मंत्रालय) से 25 मई 2026 को जारी आधिकारिक पत्र (क्रमांक: GENCOR/3064/2025-GAD-2) के अनुसार, यह फैसला भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (व्यय विभाग) द्वारा 22 अप्रैल 2026 को जारी अधिसूचना के आधार पर लिया गया है। अखिल भारतीय सेवाएं (महंगाई भत्ता) नियम, 1972 के तहत इसे तत्काल प्रभाव से प्रदेश में लागू कर दिया गया है।

डीएसी अकादमी, सैनिक स्कूल, गोस्वामी क्लासेस का भव्य आयोजन

रायपुर। डीएसी अकादमी, सैनिक स्कूल, गोस्वामी क्लासेस समारोह अत्यंत गरिमामय, भव्य एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस विशेष आयोजन में लगभग 1000 चयनित विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया, जिन्होंने सैनिक स्कूल, नवोदय विद्यालय, मिलिट्री स्कूल एवं विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर संस्था, अपने परिवार एवं प्रदेश का नाम गौरवान्वित किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ शासन के शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव रहे, जबकि कार्यक्रम के विशेष अतिथि के रूप में परमवीर चक्र से सम्मानित वीर सैनिक कैप्टन योगेन्द्र सिंह यादव की विशेष उपस्थिति ने पूरे आयोजन को प्रेरणा एवं देशभक्ति से ओत-प्रोत कर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मा. अमित साहू द्वारा की गई।

समारोह में शिक्षा, समाजसेवा एवं प्रशासनिक क्षेत्रों से जुड़े अनेक विशिष्ट अतिथियों ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। अतिथियों ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में विद्यार्थियों को अनुशासन, कठिन परिश्रम, लक्ष्य के प्रति समर्पण एवं राष्ट्रसेवा की भावना के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। अपने उद्बोधन में कैप्टन योगेन्द्र सिंह यादव ने कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए आत्मविश्वास, समर्पण और निरंतर मेहनत सबसे आवश्यक है। कठिन परिस्थितियों में भी जो विद्यार्थी अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहते हैं, वही जीवन में बड़ी उपलब्धियाँ हासिल करते हैं।'

वहीं गजेन्द्र यादव ने संस्था के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि डीएसी अकादमी लगातार ग्रामीण एवं मध्यमवर्गीय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन प्रदान कर उनके सपनों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव 29 मई से

आम की 250 से अधिक किस्मों का प्रदर्शन किया जाएगा

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर तथा संचालनालय उद्यानिकी एवं प्रक्षेत्र वानिकी, छत्तीसगढ़ शासन तथा प्रकृति की ओर सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 29, 30 एवं 31 मई, 2026 को कृषि महाविद्यालय परिसर रायपुर में तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। तीन दिवसीय राष्ट्रीय आम महोत्सव का शुभारंभ 29 मई, 2026 को किया जाएगा। राष्ट्रीय आम महोत्सव में आम की 250 से अधिक किस्मों का प्रदर्शन किया जायेगा। इस कार्यक्रम में आम की विभिन्न किस्मों की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है जिसमें छत्तीसगढ़ एवं देश के विभिन्न राज्यों के आम उत्पादक शामिल होंगे। इस अवसर पर आम से बने विभिन्न व्यंजनों की प्रतियोगिताएं भी आयोजित हैं। आम की सजावट प्रतियोगिता भी आयोजित की जा रही है जिसमें विद्यालयीन एवं महाविद्यालयीन विद्यार्थी, महिलाएं तथा अन्य सामान्यजन भी पंजीयन कर भागीदारी कर सकते है।

इस महोत्सव में पंजीयन एवं प्रवेश पूर्णतया निःशुल्क है। राष्ट्रीय आम महोत्सव में संस्थागत एवं व्यक्तिगत प्रतियोगी भी सहभागी हो सकते हैं। आम महोत्सव के दौरान आम पर केंद्रित मैंगो क्विज़ मैंगो, फैंसी ड्रेस आदि प्रतियोगिताएं भी अयोजित की जाएगी। इसके अलावा प्रतिदिन सांस्कृतिक संध्या का भी आयोजन किया जाएगा। राष्ट्रीय आम महोत्सव में 29 से 31 मई, 2026 तक विभिन्न श्रेणियों में प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा जिसमें किसानों द्वारा उत्पादित आम की व्यावसायिक किस्मों के अंतर्गत दशहरी, लंगडा, बाम्बे ग्रीन, चैसा, मालदा, हिमसागर, सुन्दरजा, केसर, अलफान्सो, तोतापरी, नीलम, बैगनफल्ली, पैरी, सिन्दूरी, फज़ली आदि किस्मों की प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। संकर किस्मों की प्रतियोगिता के अंतर्गत मल्लिका, आम्रपाली, पूसा अरूणिमा, अम्बिका, रत्ना, सिंधु, अर्का पुनीत किस्मों को शामिल किया गया है। विशिष्ट किस्मों की प्रतियोगिता के अंतर्गत हाथीझुल, नूरजहां, लड्डु, गुलाब खास किस्मों के उत्पादक भाग ले सकते हैं। एक्जोटिक (आयातित किस्म) की प्रतियोगिता में मियाजाकी, टॉमी एटकिन्स एवं गोल्डन नगेट्स किस्मों को शमिल किया गया है। इस अवसर पर आम से निर्मित उत्पादों की प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें प्रतिभागी आम से निर्मित उत्पाद - नेक्टर/आर.टी.एस., शर्बत, पना, आम के अचार, आम की चटनी, आम पापड़, आमरस, जैम एवं मिठ्ाई आदि व्यंजनों के साथ प्रतियोगिता में भाग ले सकते हैं।

महंगाई-खाद किल्लत पर गरमाई सियासत, पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता तेल और खाद के दामों से त्रस्त

रायपुर। छत्तीसगढ़ समेत देशभर में महज 12 दिनों के भीतर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 8 रुपये प्रति लीटर की रिकॉर्ड बढ़ोतरी और सोसायटियों से खाद गायब होने पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधा है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केंद्र और राज्य की भाजपा सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि राहुल गांधी ने चुनाव से पहले ही देश को आगाह किया था कि मतदान खत्म होते ही देश में 'आर्थिक तूफान' आएगा। उस वक्त प्रधानमंत्री और उनके मंत्रियों ने इसे 'विपक्ष का भ्रम' कहकर खारिज कर दिया था, लेकिन आज वही सच साबित हो रहा है। बघेल ने तीखा सवाल दागते हुए पूछा कि जब जनता तेल और खाद के दामों से त्रस्त है, तो सत्ताधारी नेता मौन क्यों हैं? क्या यही इनके 'अच्छे दिन' हैं?

उन्होंने कहा कि, बात सिर्फ पेट्रोल-डीजल की नहीं है, प्रदेश के अन्नदाताओं के सामने इस वक्त खाद का सबसे बड़ा संकट खड़ा है। सरकारी दावों के विपरीत छत्तीसगढ़ की सहकारी समितियों (सोसायटियों) में सन्नाटा पसरा हुआ है, जिससे किसान एक-एक बोरी के लिए दर-दर भटक रहे हैं। इस किल्लत का फायदा उठाकर खुले बाजार में खाद की अवैध कालाबाजारी चरम पर पहुंच चुकी है।

अभी 12 दिन हुए हैं चुनाव समाप्त हुए और पेट्रोल-डीजल 8 रुपया बढ़ गया है।

ये राहुल जी पहले ही कह रहे थे कि आर्थिक तूफ़ान आने वाला है। तब प्रधानमंत्री सहित उनके सारे मंत्रिमंडल के लोगों ने कहा कि विपक्ष भ्रम फैला रहा है। लेकिन अब वो मंत्री मौन है।

संपादकीय

जनजातीय धर्मभक्ति की ज्वाला से बढ़ा दिल्ली का तापमान

तरुण विजय

प्रसिद्द जनजातीय नेता, विचारक एंड राजनीति के धुरंधर गनेश राम भगत ने तो पूरे समागम को एक प्रकार से मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे रक्त में भगवान राम का रक्त है, हम भगवान राम के वंशज हैं। भगवान राम के लिए हमने रावण का हनन किया था और उस को परास्त किया था। लाल किले के प्राचीर से भारत वर्ष के कोने कोने से आये लाखों जनजातीय समाज के लोगों ने अपने धर्म, संस्कृति की रक्षा, हेतु जो हुंकार भरी उसकी अनुगूंज वर्षों वर्षों तक कायम रहेगी। सर्वाधिक मंत्रमुग्ध करने वाला प्रभावशाली विचारोत्तेजक सम्बोधन था भारत के गृहमंत्री अमित शाह का जिन्होंने निर्भीक स्पष्टता से भारतीय जनजातीय समाज की धर्मरक्षा, संस्कृतिरक्षा की बात की। वह अभूतपूर्व और असाधारण बात थी और उन्होंने लाखों जनजातीय बंधुओं-बहनों को एक प्रकार से रोमांचित कर दिया। उनके यह शब्द वर्षों तक याद किए जाएंगे कि भगवान बिरसा मुंडा को तो मैंने नहीं देखा लेकिन आज जो यहाँ जनजातीय समाज का सागर उमड़ पड़ा है मैं उन में बिरसा मुंडा के दर्शन कर रहा हूँ और यह जनजातीय सांस्कृतिक समागम बिरसा मुंडा के उलगुलान (परिवर्तन हेतु जन क्रांति) के बाद का पहला समागम है। भारत के इतिहास में ऐसा पहले कभी भी कोई धर्मरक्षा संस्कृतिरक्षा का समागम नहीं हुआ। इन शब्दों ने जो साहस दिया, जनजातियों का जो मनोबल बढ़ाया उसकी कोई तुलना

नहीं है। यह समागम एक प्रकार से जनजातीय वहाँ महा कुंभ था जिसमें सात सौ से अधिक जनजातियों के लोग आए जो जैसलमेर से लेकर लद्दाख, तवांग अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, असम, त्रिपुरा से लेकर अंडमान निकोबार, बंगाल, गुजरात, राजस्थान, महाराष्ट्र, तेलंगाना, केरल झारखंड से, छत्तीसगढ़- सब जगह से।

ऐसा देश ने कभी देखा नहीं और दिल्ली के सद्भावी नागरिकों ने अपने घर के दरवाजे खोल दिए और हर घर में इन जनजातीय भाई-बहनों को रुकवाया गया। उनकी सेवा की, उनको भोजन, पानी दिया उनको स्टेशन से लाए और छोड़ने गए। ऐसा दिल्ली ने कभी दृश्य देखा नहीं। दिल्ली का हृदय कितना बड़ा है वह इस समागम के आतिथ्य से पता चला। दिल्ली के राष्ट्रवादी कार्यकर्ताओं ने इस जनजातीय बंधू बहनों का इतना सुंदर सत्कार किया कि उसको व्यक्त करना संभव नहीं है।

जो भी जनजातीय समाज छोड़कर ईसाई बनता है, कन्वर्टेड होता है उसको जनजातीय समाज की सूची यानी शेड्यूल ट्राइब सूची से बहार निकल कर मूल जनजातियों को बचाइए क्योंकि धर्मान्तरण करने वाला जनजातीय रह ही नहीं जाता है। जनजाति समाज के वरिष्ठ इंजीनीयर, पद्मश्री से अलंकृत अरुणाचल के प्रसिद्द वैचारिक अग्रणी तिची गुबिन ने कहा कि वहाँ अरुणाचल क्रिस्चियन फोरम है। उसके नेताओं ने खुले आम सोशल मीडिया पर धमकी दी है कि वे पूरे अरुणाचल को ईसाई लैंड बनाएंगे, क्रिस्चियन लैंड बनाएंगे। गुबिन ने मांग की है कि हमारे धर्म की रक्षा की जाए और जो भी हमारे समाज को छोड़कर ईसाई होता है उसको शिड्यूल ट्राइब की लिस्ट से डीलिस्ट किया जाए।

प्रसिद्द जनजातीय नेता, विचारक एंड राजनीति के धुरंधर गनेश राम भगत ने तो पूरे समागम को एक प्रकार से मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने कहा कि हमारे रक्त में भगवान राम का रक्त है, हम भगवान राम के वंशज हैं। भगवान राम के लिए हमने रावण का हनन किया था और उस को परास्त किया था। हम इस कनवर्जन के राक्षस से भी लड़ सकते हैं और इस राक्षस को हम समाप्त करेंगे। अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के सहयोग से जनजाति सुरक्षा मंच के तत्वावधान में इस समागम का आयोजन हुआ। यह संगठन विश्व का सबसे बड़ा गैर ईसाई जनजातीय संगठन है। देश भर में वनवासी कल्याण आश्रम के सत्रह हज़ार से अधिक प्रकल्प चलते हैं, जिनमें छात्रावास, आरोग्य केंद्र, विद्यालय, धर्मजागरण मंच, खेलकूद केंद्र, शामिल हैं। इसके कार्यकर्ताओं में आईआईटी के स्नातक, डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर, जे एनयू, दिल्ली विश्विद्यालय के प्राध्यापक, महिला अधिकार रक्षा संगठनों के प्रमुख, सॉफ्टवेयर इंजीनियर, अनेक मंत्री, सांसद आदि सब सक्रिय भूमिका निभाते हैं। इसके अध्यक्ष राजस्थान के भील जनजाति से सतेंद्र सिंह हैं, जिनका धाराप्रवाह सम्बोधन मुर्दों में भी जान फूंक देता है। इसी प्रकार संगठन के प्रमुख कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों में अतुल जोग, भगवान सहाय, प्रमोद पेठकर, हर्ष चौहान, तेचि गुबिन जैसे अत्यंत श्रेष्ठ विद्वान हैं परन्तु वे कभी भी सामने आते नहीं, शांत निर्विकार भाव से अचीन्हे अनजान रहकर जनजाति रक्षा और विकास के कार्य में लगे रहते हैं।

पेट्रोल के बढ़ते भाव → महंगाई, ऊर्जा सुरक्षा और नीति-निर्माण की चुनौती

डॉ. प्रियंका सौरभ

पिछले कुछ समय से देश के शहरों और गांवों में एक चिंता लगातार सुनाई दे रही है—पेट्रोल और डीज़ल की बढ़ती कीमतें। यह चिंता केवल वाहन चलाने वालों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव हर उस नागरिक पर पड़ता है जो रोजमर्रा की वस्तुओं और सेवाओं का उपभोग करता है। जब पेट्रोल महंगा होता है तो उसका असर केवल पेट्रोल पंप तक नहीं रहता; वह परिवहन, खाद्य पदार्थों, निर्माण सामग्री, कृषि लागत और घरेलू बजट तक पहुंच जाता है। इसलिए पेट्रोल की कीमतों में वृद्धि को केवल एक आर्थिक घटना मानना पर्याप्त नहीं है। यह एक सामाजिक, राजनीतिक और नीतिगत प्रश्न भी है, जो सरकार, बाजार और नागरिक—तीनों से जुड़ा हुआ है।

भारत जैसे विकासशील देश में ऊर्जा केवल आर्थिक गतिविधियों का आधार नहीं है, बल्कि सामाजिक गतिशीलता और विकास की भी महत्वपूर्ण शक्ति है। देश का विशाल परिवहन तंत्र, कृषि क्षेत्र, औद्योगिक उत्पादन और सेवा क्षेत्र बड़ी मात्रा में पेट्रोलियम उत्पादों पर निर्भर हैं। ऐसे में जब पेट्रोल की कीमतें बढ़ती हैं, तो उसका प्रभाव अर्थव्यवस्था के लगभग हर क्षेत्र में दिखाई देता है। यही कारण है कि पेट्रोल के बढ़ते भाव हमेशा जनचर्चा और राजनीतिक बहस का विषय बन जाते हैं।

पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों को समझने के लिए सबसे पहले यह जानना आवश्यक है कि भारत अपनी तेल आवश्यकताओं का अधिकांश हिस्सा आयात करता है। देश अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का 80 प्रतिशत से अधिक विदेशों से खरीदता है। इसका अर्थ यह है कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में होने वाले उतार-चढ़ाव का सीधा प्रभाव भारतीय उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ता है। यदि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत बढ़ती है तो भारत को अधिक भुगतान करना पड़ता है, और उसका असर अंततः खुदरा कीमतों में दिखाई देता है।

वैश्विक तेल बाजार केवल आर्थिक कारकों से प्रभावित नहीं होता। इसके पीछे भू-राजनीतिक परिस्थितियां भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। पश्चिम एशिया में तनाव, समुद्री मार्गों की सुरक्षा, प्रमुख तेल उत्पादक देशों की उत्पादन नीतियां, रूस-यूक्रेन संघर्ष जैसे कारक तेल की कीमतों को प्रभावित करते हैं। किसी भी क्षेत्रीय संघर्ष या आपूर्ति संकट का असर कुछ ही दिनों में अंतरराष्ट्रीय बाजार पर दिखाई देने लगता है। भारत जैसे आयात-निर्भर देश के लिए यह एक बड़ी चुनौती है क्योंकि घरेलू बाजार को इन परिस्थितियों से पूरी तरह अलग नहीं रखा जा सकता।

हालांकि अंतरराष्ट्रीय बाजार एक महत्वपूर्ण कारण है, लेकिन पेट्रोल की कीमतों का पूरा सच केवल वहीं तक सीमित नहीं है। भारत में पेट्रोल और डीज़ल की खुदरा कीमतों में करों की भी बड़ी भूमिका होती है। पेट्रोल की अंतिम कीमत में कच्चे तेल की लागत के अलावा केंद्र सरकार का उत्पाद शुल्क, राज्य सरकारों का मूल्य वर्धित कर (वैट), परिवहन लागत और डीलर कमीशन भी शामिल होता है। यही कारण है कि अलग-अलग राज्यों में पेट्रोल की कीमतें अलग-अलग होती हैं।

तेल पर लगने वाले कर सरकारों के लिए राजस्व का एक महत्वपूर्ण स्रोत हैं। इन करों से प्राप्त आय का उपयोग सड़क निर्माण, बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और विभिन्न सामाजिक कल्याण योजनाओं के वित्तपोषण में किया जाता है। लेकिन दूसरी ओर यही कर आम नागरिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी डालते हैं। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा होता है और कर संरचना में कोई राहत नहीं मिलती, तब उपभोक्ताओं को दोहरी मार झेलनी पड़ती है। यही स्थिति अक्सर राजनीतिक बहस का कारण बनती है।

पेट्रोल की कीमतों में वृद्धि का सबसे प्रत्यक्ष प्रभाव परिवहन क्षेत्र पर दिखाई देता है। टैक्सी चालक, ऑटो चालक, ट्रक मालिक, बस संचालक और डिलीवरी सेवाओं से जुड़े लाखों लोग बढ़ती लागत का सामना करते हैं। उनके सामने सामान्यतः दो विकल्प होते हैं—या तो बढ़ी हुई लागत को स्वयं वहन करें अथवा किराए और सेवा शुल्क बढ़ाकर उसका भार उपभोक्ताओं पर डाल दें। अधिकांश मामलों में दूसरा विकल्प अपनाया जाता है, जिसके परिणामस्वरूप वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें बढ़ने लगती हैं।

यहीं से महंगाई का व्यापक प्रभाव शुरू होता है। जब माल ढुलाई महंगी होती है तो सब्जियां, फल, दूध, अनाज, दवाइयां, निर्माण सामग्री और अन्य उपभोक्ता वस्तुएं भी महंगी हो जाती हैं। इस प्रक्रिया को अर्थशास्त्र में लागत-प्रेरित महंगाई कहा जाता है। इसका असर विशेष रूप से मध्यम वर्ग और निम्न आय वर्ग पर पड़ता है, क्योंकि उनकी आय सीमित होती है जबकि खर्च लगातार बढ़ते जाते हैं।

ग्रामीण भारत में पेट्रोल और डीज़ल की कीमतों का प्रभाव और भी गहरा होता है। खेती-किसानी आज भी बड़ी मात्रा में डीज़ल आधारित मशीनों और उपकरणों पर निर्भर है। ट्रैक्टर, सिंचाई पंप, कटाई मशीनें और कृषि उत्पादों का परिवहन—सभी में ईंधन की आवश्यकता होती है। जब डीज़ल महंगा होता है तो कृषि लागत बढ़ जाती है। छोटे और सीमांत किसान, जिनकी आय पहले से ही सीमित होती है, इस बढ़ती लागत का सबसे अधिक बोझ उठाते हैं।

इसके अतिरिक्त कृषि उत्पादों को बाजार तक पहुंचाने की लागत भी बढ़ जाती है। अक्सर किसान अपने उत्पादों का मूल्य स्वयं निर्धारित नहीं कर पाते और उन्हें बिचौलियों या थोक व्यापारियों पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे में परिवहन लागत बढ़ने का दबाव किसानों की आय को और कम कर सकता है। परिणामस्वरूप ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर दोहरा प्रभाव पड़ता है—उत्पादन लागत बढ़ती है और लाभ घटता है।

शहरी मध्यम वर्ग भी इस महंगाई से अछूता नहीं रहता। आज का शहरी जीवन डिजिटल सेवाओं, ऑनलाइन खरीदारी, भोजन वितरण और निजी परिवहन पर काफी हद तक निर्भर हो चुका है। लेकिन इन सभी सेवाओं के पीछे परिवहन लागत एक महत्वपूर्ण तत्व है। चाहे कोई ऑनलाइन भोजन मंगाए या ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म से सामान खरीदे, अंततः उसे पहुंचाने वाला वाहन ईंधन पर ही निर्भर होता है। इसलिए पेट्रोल की कीमतों में वृद्धि धीरे-धीरे उपभोक्ता के दैनिक खर्च को बढ़ाती जाती है।

पेट्रोल की बढ़ती कीमतों पर चर्चा करते समय एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह भी उठता है कि भारत ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में कितना आत्मनिर्भर है। पिछले वर्षों में सरकार ने रणनीतिक तेल भंडार विकसित करने और ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने के प्रयास किए हैं। इससे आपूर्ति संकट की स्थिति में कुछ राहत मिल सकती है, लेकिन यह दीर्घकालिक समाधान नहीं है। जब तक देश आयातित तेल पर अत्यधिक निर्भर रहेगा, तब तक वैश्विक बाजार की अस्थिरता का प्रभाव घरेलू अर्थव्यवस्था पर पड़ता रहेगा।

इबोला के खतरे के बीच सतर्क हुआ भारत

महेन्द्र तिवारी

अफ्रीका के कुछ देशों में इबोला विषाणु के नए और बेहद खतरनाक प्रकोप ने पूरी दुनिया को एक बार फिर से चिंता और सतर्कता की स्थिति में ला खड़ा किया है। युगांडा और कांगो जैसे देशों में तेजी से फैल रहे इस घातक संक्रमण को देखते हुए भारत ने भी अपनी अंतरराष्ट्रीय सीमाओं और विशेषकर हवाई अड्डों पर निगरानी को अत्यधिक कड़ा कर दिया है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने नई और सख्त मानक संचालन प्रक्रिया लागू करते हुए विमानन कंपनियों और हवाई अड्डा प्रशासन को विशेष निर्देश जारी किए हैं। इन निर्देशों का मुख्य उद्देश्य किसी भी संभावित संक्रमित व्यक्ति की समय रहते पहचान करना और इस बीमारी को देश के भीतर फैलने से रोकना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 17 मई 2026 को इस प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति घोषित कर दिया। संगठन के अनुसार कांगो और युगांडा में तेजी से फैल रहे संक्रमण ने वैश्विक चिंता को बढ़ा दिया है। शुरुआती आंकड़ों के अनुसार 246 संदिग्ध मामले और 80 मौतें दर्ज की गई थीं, लेकिन बाद में यह संख्या लगातार बढ़ती चली गई। कई रिपोर्टों में 600 से अधिक संदिग्ध मामलों और 139 से अधिक मौतों का उल्लेख किया गया है। कुछ ताजा रिपोर्टों में 900 से अधिक संदिग्ध मामलों और 220 संभावित मौतों की भी आशंका जताई गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह संक्रमण बंडिबुग्यो प्रकार के इबोला विषाणु से जुड़ा हुआ है। इस प्रकार को बेहद खतरनाक इसलिए माना जा रहा है क्योंकि इसके लिए अब तक कोई स्वीकृत और पूरी तरह प्रभावी टीका उपलब्ध नहीं है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भी स्वीकार किया है कि इस प्रकार के संक्रमण के लिए अभी केवल सहायक उपचार ही संभव है। यही कारण है कि संक्रमित व्यक्ति की जल्दी पहचान और उसे तुरंत अलग करना सबसे प्रभावी उपाय माना जा रहा है। भारत सरकार ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सभी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों पर विशेष निगरानी शुरू कर दी है। दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई जैसे बड़े हवाई अड्डों पर अतिरिक्त स्वास्थ्य दल तैनात किए गए हैं। अफ्रीकी देशों से आने वाले यात्रियों की उष्मीय जांच की जा रही है ताकि बुखार या संक्रमण के शुरुआती संकेत तुरंत पकड़े जा सकें। यात्रियों से स्वास्थ्य घोषणा पत्र भी भरवाए जा रहे हैं जिनमें उनकी पिछली यात्राओं और स्वास्थ्य स्थिति से संबंधित जानकारी ली जा रही है।

इबोला का सबसे खतरनाक पहलू इसका लंबा उद्भवन काल माना जाता है। संक्रमण के बाद लक्षण सामने आने में 2 से 21 दिन तक का समय लग सकता है। इस दौरान संक्रमित व्यक्ति सामान्य दिखाई दे सकता है लेकिन वह दूसरों को संक्रमित करने की क्षमता रखता है। इसी कारण भारत में आने वाले यात्रियों की पिछले 1 महीने की यात्रा जानकारी को बारीकी से जांचा जा रहा है। यदि कोई यात्री हाल में प्रभावित देशों में गया हो या वहां से होकर आया हो तो उस पर अतिरिक्त निगरानी रखी जा रही है।

हवाई अड्डों पर विशेष पृथक कक्ष बनाए गए हैं ताकि किसी यात्री में लक्षण मिलने पर उसे तुरंत सामान्य लोगों से अलग किया जा सके। ऐसे यात्रियों के रक्त और अन्य नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशालाओं में भेजा जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने अस्पतालों को भी तैयार रहने के निर्देश दिए हैं। डॉक्टरों और नर्सों को विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि वे संक्रमण से सुरक्षित रहते हुए मरीजों का इलाज कर सकें। सुरक्षात्मक कपड़े, दस्ताने और उच्च गुणवत्ता वाले मास्क के उपयोग को अनिवार्य किया गया है।

नागरिक उड्डयन महानिदेशालय ने विमानन कंपनियों को भी सख्त निर्देश दिए हैं। यदि उड़ान के दौरान कोई यात्री अचानक तेज बुखार, उल्टी, कमजोरी या रक्तस्राव जैसे लक्षण दिखाता है तो चालक दल को तुरंत वायु यातायात नियंत्रण और स्वास्थ्य अधिकारियों को सूचना देनी होगी। कुछ मामलों में संदिग्ध यात्रियों को विमान में अलग सीटों पर बैठाने और उनके संपर्क में आए यात्रियों की जानकारी सुरक्षित रखने के निर्देश भी दिए गए हैं ।

बोध कथा

सत्यता की राहों से न भटकने वाला ही महावीर

बहुत समय पहले तिब्बत की राजधानी ल्हासा में बौद्ध भिक्षुओं केदो आश्रम थे। बड़ा आश्रम ल्हासा में था। उसकी एक छोटी गांव में थी। इसके लामा वृद्ध हो गए थे। उन्होंने सोचा कोई उत्तराधिकारी बनाया जाए। तो वो अपने एक शिष्य को उस बड़े आश्रम में भेजते हैं। इस पर कहीं दूर के आश्रम से वहां के गुरु उस शिष्य के साथ दस शिष्यों को भेजते हैं। परंतु शिष्य कहता है कि दस शिष्य नहीं, सिर्फ एक ही। परंतु वो कहते हैं चिंता न करो पहुंचेगा एक ही।

तो दूसरे दिन वो दस शिष्य भिक्षु और यह भिक्षु निकल पड़ते हैं। यात्रा बहुत लंबी थी। चलते-2 एक शिष्य सोचता है किकैसा मेरा जीवन रहा? आश्रम में सुबह-सुबह उठकर ध्यान के लिए बैठो, प्रवचन सुनो, दिन भर सेवाएं फिर शाम को वापिस ध्यान में बैठो। शास्त्र पढ़ो और फिर वही-2 बातें। ऐसा मेरा कठोर जीवन है। जिस रास्ते से जाते हैं, उस रास्ते में अपना गांव देखकर उसे घर याद आ जाता है। वो साथियों से कहता है कि आगे चलो मैं थोड़ी देर में आता हूं। काफिला आगे बढ़ता है, थोड़े समय बाद दूसरा शिष्य भी सोचता है कि ये कैसा जीवन है? आश्रम में कितने सालों से सेवाएं, साधनाएं, तपस्या कर रहा हूं, परंतु कोई उन्नति का लक्षण दिखाई नहीं देता। तो वो भी कहता है कि थोड़ी दूर ही मेरे गांव में मेरी बूढ़ी मां बीमार है। मैं चाहता हूं कि कुछ दिन वहां बिताऊं फिर वो भी रूक जाता है। बाकी सभी आगे बढ़ते हैं।

व्यंग्य केसरी

विपक्ष और 'दूरबीन' से तलाशती सत्ता

बेबाक बनारसी

लोकतंत्र की सबसे खूबसूरत बात यह है कि इसमें कोई हमेशा के लिए नहीं हारता, सिवाय उस विपक्ष के जिसने 'ईवीएम हैकिंग' को अपना एकमात्र जीवन-दर्शन मान लिया हो। आजकल विपक्षी दलों के दफ्तरों में सन्नाटे का ऐसा आलम है कि अगर कोई नेता जोर से खांस भी दे, तो बगल वाली कुर्सी से आवाज आती है—'लगता है सत्तापक्ष की कोई नई चाल है!' ?हताश और निराश विपक्ष की यही महादशा है.

चुनाव के नतीजे आते ही हर बार विपक्ष 'गहन आत्ममंथन' के दौर में चला जाता है। इस मंथन का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना नहीं होता कि जनता से संपर्क कहाँ टूटा, बल्कि यह खोजना होता है कि इस बार कौन से बहाने सबसे ज्यादा चलेंगे। जनता को कोसना कि वो समझ ही नहीं पा रही है कि हम उनके लिए कितने महान हैं. फिर मीडिया पर गुस्सा निकालता है कि वह एक तरफा रहा. फिर सोचता है कि अगली बार गठबंधन का नाम ऐसा रखा जाए कि फुल-फॉर्म याद करने में ही जनता का कार्यकाल बीत जाए।

विपक्ष की एकता उस चीनी मिट्टी के कप की तरह है, जिसे गोंद से जोड़कर रखने की कोशिश की जा रही है। जब भी सत्तापक्ष कोई नया बिल लाता है, पूरा विपक्ष एक सुर में चिल्लाता है— 'हम साथ हैं!' लेकिन जैसे ही प्रेस कॉन्फ्रेंस खत्म होती है, एक नेता दूसरे का पैर खींच रहा होता है और तीसरा पीछे खड़े होकर प्रधानमंत्री पद की अपनी दावेदारी के लिए कुर्ता सिलवाने का आर्डर दे रहा होता है। इनकी एकता केवल इस बात पर टिकी है कि 'दुश्मन का दुश्मन दोस्त होता है', भले ही वह दोस्त रात में आपकी ही सीट काटने की योजना बना रहा हो। असल में विपक्ष के लिए गठबंधन का मतलब है— 'हम सब एक हैं, बशर्ते नेता सिर्फ मैं हूँ।'

देश में बेरोजगारी पर भाषण देने वाला विपक्ष खुद इस वक्त सबसे बड़े 'रोजगार संकट' से जूझ रहा है। जब आपके पास संसद में हंगामा करने और ट्विटर पर ट्रेंड चलाने के अलावा कोई ठोस काम न बचा हो, तो निराशा आना स्वाभाविक है। हालत यह है कि अब तो सत्तापक्ष भी कभी-कभी बोर हो जाता है। वे भी सोचते होंगे—कोई तो ढंग का मुद्दा उठाकर घेर लो, ताकि हमें भी थोड़ा काम करने का अहसास हो!

?विपक्षी नेताओं को लगता है कि जनता उनके दर्द को नहीं समझ रही। सच तो यह है कि जनता सब समझ रही है। जनता जब विपक्ष की तरफ देखती है, तो उसे एक ऐसा कैप्टन दिखता है जो जहाज डूबते वक्त लाइफ-जैकेट पहनकर सबसे पहले भागने की सोच रहा है। विपक्ष आज भी उस 'एंटी-इंकंबेंसी' (यानी सत्ता विरोधी लहर) के इंतजार में बैठा है, जैसे कोई चिलचिलाती धूप में बर्फबारी की उम्मीद कर रहा हो। वे दूरबीन लगाकर बैठे हैं कि कब सत्तापक्ष कोई बड़ी गलती करे और कब उनकी लॉटरी लगे। खुद मेहनत करके लकीर बड़ी करने का इरादा तो जैसे ठंडे बस्ते में जा चुका है।

?हताश विपक्ष को अब ट्विटर के 'स्पेस' और बंद कमरों के 'प्रेस क्लब' से बाहर निकलकर थोड़ी धूप सेकनी चाहिए। लोकतंत्र में जनता जनार्दन होती है, और जनार्दन को रिझाने के लिए सिर्फ एसी कमरों में बैठकर 'लोकतंत्र खतरे में है' का रोना रोने से काम नहीं चलता। जब तक विपक्ष अपनी हताशा की चादर फेंककर ज़मीन पर पसीना नहीं बहाएगा, तब तक सत्तापक्ष इसी तरह 'अजेय' होने का दावा करता रहेगा और विपक्ष सिर्फ 'ईवीएम' की सेटिंग बदलने के सपने देखता रहेगा।

इतिहास

26 मई के दिन भारत और विश्व में कई महत्वपूर्ण घटनाएं घटी हैं, जिनमें वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी का भारत के 15वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेना और 1920 में स्वतंत्रता सेनानी और लेखक वीर सावरकर को अंडमान निकोबार से रिहा कर यरवदा जेल भेजा जाना शामिल है आज के दिन से जुड़ी कुछ प्रमुख घटनाएं:1920: स्वतंत्रता सेनानी विनायक दामोदर सावरकर (वीर सावरकर) को अंडमान की सेलुलर जेल से रिहा कर पुणे की यरवदा जेल स्थानांतरित किया गया था 1950: भारत का सर्वोच्च न्यायालय आधिकारिक रूप से अस्तित्व में आया था 2014: नरेंद्र मोदी ने भारत के 15वें प्रधानमंत्री के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ ली थी ?2021: वर्ष का पहला पूर्ण चंद्र ग्रहण और 'सुपर मून' की खगोलीय घटना एक साथ देखी गई थी।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व उपमुख्यमंत्री ने शुरू की भूख हड़ताल

अम्बिकापुर/सूरजपुर। विश्रामपुर थाना के सामने चल रहे विरोध प्रदर्शन ने एक नया मोड़ ले लिया है। पूर्व उपमुख्यमंत्री टी एस सिंह देव ने कहा कि जिस तरह का अड़ियल रवैया सूरजपुर पुलिस प्रशासन का दिख रहा है, शाम 6 बजे तक मांगों पर कोई कार्यवाही नहीं हुई तो भूख हड़ताल करूंगा। वहीं पूर्व उपमुख्यमंत्री टी एस सिंह देव ने कहा कि मंगलवार को वैसे भी सूर्यास्त तक मेरा उपवास रहता है, यदि सूर्योस्त तक कोई कार्यवाही नहीं हुई तो भूख हड़ताल शुरू करने का ऐलान किया था, जिसे शुरू कर दिया है। ज्ञात हो कि सूरजपुर जिला उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन से शिवनन्दनपुर नगर पंचायत चुनाव के दौरान हुए एक विवाद के बाद आर्म्स एक्ट के तहत हुई कार्यवाही को निरस्त कराने की मांग को लेकर 25 मई को प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज सहित सूरजपुर जिला कांग्रेस के पदाधिकारी विश्रामपुर थाने पहुंचे थे जहां पर जब विश्रामपुर पुलिस ने कांग्रेस की मांग को अनसुना किया तो थाने के सामने ही अनिश्चिकालीन धरने पर प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज के साथ सभी कांग्रेसी बैठ गए। जबकि नरेंद्र जैन के घर पर जाकर विवाद करने वाले भाजपा कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों के विरुद्ध बार-बार मांग के बाद भी पुलिस द्वारा एफआईआर नहीं कि जा रही है। रात 2:30 बजे तक स्वयं टीएस सिंह देव प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज के साथ धरना स्थल पर डटे रहे। और सुबह 11 बजे से ही विश्रामपुर थाने के सामने धरना स्थल पर बैठे हुए हैं। प्रशासन का यदि अड़ियल रवैया जारी रहा तो आज शाम 6:00 बजे से पूर्व उपमुख्यमंत्री टी एस सिंह देव सहित प्रदेशाध्यक्ष दीपक बैज भूख हड़ताल पर बैठेंगे।

पेसा कानून पर सिंहदेव का वार: 'सरकार गंभीर नहीं

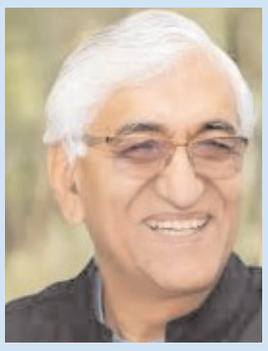

कोरबा। हसदेव की धरती से पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने राज्य सरकार पर बड़ा हमला बोला है। बुका में मुख्तार अब्बास नकवी ने संघर्ष समिति के महासम्मेलन में कहा कि स्थायी सरकार द्वारा पेसा कानून लागू करना बिल्कुल भी गंभीर नहीं है। सिंहदेव बोले- कांग्रेस फिर सत्ता में आई तो पवित्र को अपना पूरा अधिकार देगी।

सिंहदेव ने कहा कि कांग्रेस सरकार समय रहते आदिवासियों पर अधिकार आधारित शासन के लिए पेसा कानून लागू करने जा रही थी। ग्राम सभाओं में महिला-पुरुष प्रधानों की चक्रीय व्यवस्था, गांवों के तालाबों और फार्मों पर पहले हक के लिए ग्रामवासियों का, मछली पालन और बांधों से मछली पकड़ने का अधिकार स्थानीय लोगों को देने जैसे प्रस्ताव दिए गए थे।

जल-जंगल-जमीन पर जवान का हक

पूर्व विधायक ने कहा कि जल, जंगल और जमीन पर पहला अधिकार है। विकास के नाम पर जमीन ली जाती है तो वन निर्माण पर गरीब लोगों को रोजगार और वैकल्पिक रोजगार देना सरकार की जिम्मेदारी है। उनका मानना है कि कांग्रेस हमेशा सिद्धांतों की लड़ाई लड़ती रहेगी और आगे भी अपने हक के लिए संघर्ष जारी रखेगी।

ईद 27 मई को नहीं होगी छग में 28 को

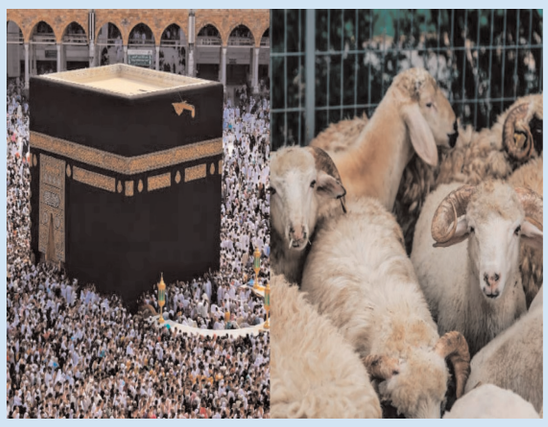

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने बकरीद की छुट्टियों की तारीख में बदलाव किया है। पहले 27 मई को घोषित अवकाश अब 28 मई को रहेगा। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से इस संबंध में आदेश जारी किया गया है। बता दें कि स्टाफ कर्मियों ने छुट्टियों में बदलाव की मांग रखी थी, जिस पर विचार करते हुए सरकार ने 27 मई को छुट्टी घोषित करने का फैसला 28 मई को लिया है। 28 मई को अब सार्वजनिक अवकाश के साथ सामान्य अवकाश भी रहेगा।

चोर पकड़ने दुर्ग पुलिस ने बकरा बेचा

4 राज्यों में करोड़ों की चोरी का मास्टरमाइंड

दुर्ग-भिलाई। छत्तीसगढ़ की दुर्ग पुलिस ने इंटर-स्टेट चोर गैंग को पकड़ने के लिए अलग-अलग तरीके अपनाए। दिल्ली जाकर कभी बकरी बेचने वाले बने, तो कभी जनगणना अधिकारी के रूप में जानकारी जुटाई। इस दौरान पुलिस ने करीब 12 बकरियों को भी बेचा।

आखिरकार पता लगने पर 300 किलोमीटर तक पीछा कर पुलिस मास्टरमाइंड तक पहुंची। 24 मई को पुलिस ने उत्तरप्रदेश के ईटावा से आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी नासिर उर्फ आनस खान 4 राज्यों में करोड़ों की चोरी को अंजाम दे चुका है।

दरअसल, दुर्ग पुलिस को मई के पहले सप्ताह में नेहरू नगर, सुपेला, पद्मनाभपुर और दुर्ग शहर में लगातार चोरी की शिकायतें मिल रही थीं। जांच के दौरान पुलिस ने पहले मेरठ निवासी हाशिम खान को गिरफ्तार किया। उसके पास से चोरी का सोना खरीदने वाले ज्वेलरी कारोबारी सलीम खान को भी पकड़ा गया। पुलिस ने दोनों आरोपियों से करीब 60 लाख रुपए का सोना बरामद किया था। पूछताछ में मास्टरमाइंड नासिर हुसैन का नाम सामने आया। इसके बाद पुलिस उसकी तलाश में जुट गई।

15 दिन पहले टीम दिल्ली के शाहीन बाग, मदनपुर खादर और नोएडा इलाके में पहुंची, लेकिन आरोपी लगातार ठिकाने बदल रहा था। इलाके की संकरी गलियों और बड़ी संख्या में ऊंची बिल्डिंग होने के कारण पुलिस के लिए सीधे कार्रवाई करना आसान नहीं था।

चोरों की रेकी के लिए पुलिस ने बेचे 12 बकरे

टीम के कुछ पुलिसकर्मी स्थानीय लोगों के बीच घुलने-मिलने के लिए बकरा बेचने वाले बन गए। पुलिसकर्मी कई दिनों तक बकरा बेचने वालों के साथ इलाके में घूमते रहे और संदिग्ध लोगों पर नजर रखते रहे। इस दौरान पुलिस टीम ने 12 बकरे भी बेचे। पुलिस के मुताबिक, दिल्ली में एक बकरे की कीमत 30 से 35 हजार रुपए तक थी। हालांकि इतनी मशक्कत के बाद भी आरोपी का कोई ठोस सुराग नहीं मिल सका।

छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा का निधन

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा का कार्डियक अरेस्ट से निधन हो गया है। उन्हें साय सरकार में कैबिनेट मंत्री का दर्जा प्राप्त था। उनके निधन की खबर से भाजपा और राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर है। वे तिफरा में भाजपा के 2 दिवसीय प्रशिक्षण महाअभियान कार्यक्रम में शामिल हुए थे।

इस प्रशिक्षण अभियान के प्रभारी की जिम्मेदारी भी उनके पास थी। कार्यक्रम के दौरान ही उनकी तबीयत बिगड़ी, जिसके बाद उन्हें इलाज के लिए बिलासपुर सिम्स ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रूपनारायण सिन्हा लंबे समय से भाजपा संगठन से जुड़े हुए थे। सामाजिक और योग गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभा रहे थे।

मुख्यमंत्री ने जताया गहरा शोक

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने संघ के वरिष्ठ स्वयंसेवक, भारतीय जनता पार्टी के पूर्व संगठन मंत्री एवं वर्तमान में छत्तीसगढ़ योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा के आकस्मिक निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने उनके निधन को भाजपा परिवार, संगठन और प्रदेश के लिए अपूरणीय क्षति बताया है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि रूपनारायण सिन्हा ने संगठन निर्माण, जनसेवा तथा भारतीय संस्कृति एवं योग के प्रसार में उल्लेखनीय योगदान दिया। उनका समर्पित, अनुशासित और सेवाभावी व्यक्तित्व सदैव प्रेरणास्रोत एवं स्मरणीय रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशिक्षण महाअभियान जैसे महत्वपूर्ण संगठनात्मक कार्यक्रम में अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए उनका इस प्रकार अचानक हमें छोड़कर चले जाना अत्यंत पीड़ादायक है।

सुशासन शिविर झापरा में हितग्राहियों को मिला योजनाओं का लाभ'

सुकमा। ग्राम पंचायत झापरा में आयोजित सुशासन तिहार और 'बस्तर मुन्ने' अभियान के विशेष शिविर में शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ बड़ी संख्या में ग्रामीणों को मिला। शिविर में प्रशासन की संवेदनशील कार्यशैली और जनहितैषी पहल का प्रभावी स्वरूप देखने को मिला।

कलेक्टर ने किया शिविर का निरीक्षण

शिविर में कलेक्टर श्री अमित कुमार और जिला पंचायत सीईओ पहुंचे। उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया और अधिकारियों को आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

ग्रामीणों को मिली विभिन्न योजनाओं की जानकारी और लाभ

शिविर के दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। इस अवसर पर हितग्राहियों को किसान किताब, बी-1 खसरा, श्रम कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र और राशन कार्ड सहित कई जरूरी दस्तावेज उपलब्ध कराए गए।

पीएम आवास योजना के हितग्राहियों को सौंपी गई चाबी

शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों को उनके नए आवास की चाबी सौंपी गई। इससे कई परिवारों के अपने घर का सपना पूरा हुआ। हितग्राहियों ने इस पहल पर खुशी जताते हुए शासन और प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

बीएमडब्ल्यू कार में युवती ने किया डांस, वीडियो वायरल हुआ तो पुलिस ने जब्त की कार

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में यातायात नियमों का खुलेआम उल्लंघन करते हुए चलती बीएमडब्ल्यू कार के सनरूफ पर युवती का डांस करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए वाहन को जब्त कर लिया है।

मामला चकरभाठा थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार, बिलासपुर-रायपुर हाईवे पर एक तेज रफ्तार बीएमडब्ल्यू कार (सीजी10 सीए 3999) में यह घटना हुई।

वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कार तेज गति से हाईवे पर दौड़ रही है जबकि कार में मौजूद एक युवती सनरूफ से बाहर निकलकर डांस कर रही है। इस लापरवाही भरी हरकत से न केवल युवती की जान को खतरा था बल्कि अन्य वाहनों की सुरक्षा भी प्रभावित हो रही थी।

चकरभाठा पुलिस के अनुसार, कार चालक प्रतीक लूथर (36) बिलासपुर का निवासी है। वह अपनी महिला मित्र के साथ रायपुर-बिलासपुर हाईवे पर लापरवाहीपूर्वक तेज रफ्तार में कार चला रहा था। इसी दौरान युवती सनरूफ पर बैठकर डांस करती नजर आई। वीडियो इंस्टाग्राम पर वायरल होने के बाद स्थानीय पुलिस को सूचना मिली।

वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर चकरभाठा पुलिस टीम ने तुरंत कार्रवाई की और आरोपी चालक की बीएमडब्ल्यू को जब्त कर लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि चालक के खिलाफ यातायात नियमों का उल्लंघन, लापरवाही से वाहन चलाने और सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डालने के आरोप में मामला दर्ज किया जा रहा है। आगे की जांच चल रही है।

यह घटना एक बार फिर सड़क सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े करती है। विशेषज्ञों का कहना है कि तेज रफ्तार वाली लग्जरी गाड़ियों में ऐसे स्टंट न सिर्फ कानूनी कार्रवाई का कारण बनते हैं बल्कि दुर्घटना की आशंका को कई गुना बढ़ा देते हैं। सनरूफ से बाहर निकलना, गाड़ी चलाते समय मोबाइल से वीडियो बनाना या डांस करना पूरी तरह अवैध है और मोटर वाहन अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत दंडनीय अपराध है।

बताते चलें कि सोशल मीडिया पर वायरल होने के लिए युवा कई बार खतरनाक स्टंट करने से भी गुरेज नहीं करते हैं। कई बार देखा जाता है कि लापरवाही के चलते बड़ा हादसा भी हो जाता है। इसके बावजूद युवाओं में वायरल होने की होड़ मची हुई है।

बीजापुर ईई और जगदलपुर एसई को हटाने की मांग

बीजापुर। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत चल रहे सड़क निर्माण कार्यों में कथित अवैध वसूली के आरोपों को लेकर बीजापुर में विवाद गहरा गया है। छत्तीसगढ़ कान्ट्रेक्टर्स एसोशिएशन ने इस मामले में छत्तीसगढ़ ग्रामीण सड़क विकास अभिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर बीजापुर के कार्यपालन अभियंता (ईई) और जगदलपुर के अधीक्षण अभियंता (एसई) को हटाने की मांग की है।

एसोसिएशन ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत गांवों को मुख्य सड़कों से जोड़ने के लिए जारी निर्माण कार्यों में अधिकारियों द्वारा ठेकेदारों पर अवैध वसूली का दबाव बनाया जा रहा है। ज्ञापन में कहा गया है कि विभाग में पदस्थ अधिकारी विकास कार्यों को सुचारू रूप से आगे बढ़ाने के बजाय बाधित करने का काम कर रहे हैं।

ठेकेदारों का आरोप है कि बीजापुर के ईई नवीन तोड़ें द्वारा निर्माण कार्य निर्धारित इस्टीमेट और स्वीकृत मात्रा से अधिक करवाया जा रहा है। साथ ही भुगतान जारी करने के एवज में 5 प्रतिशत 'एडवांस कमीशन' मांगे जाने का भी आरोप लगाया गया है। एसोसिएशन ने इसे पूरी तरह अन्यायपूर्ण बताते हुए मामले की निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि बस्तर क्षेत्र में पहले नक्सल गतिविधियों के बीच सुरक्षा बलों के सहयोग से सड़क निर्माण कार्य पूरे किए गए थे। ऐसे संवेदनशील इलाकों में अब गुणवत्तापूर्ण निर्माण और समय पर भुगतान सुनिश्चित करना जरूरी है, ताकि विकास कार्य प्रभावित न हों। छत्तीसगढ़ कॉन्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष बीरेश शुक्ला ने कहा कि राज्य सरकार की विकास योजनाओं को सफल बनाने के लिए पारदर्शिता बेहद जरूरी है।

भावना बोहरा ने सेंदुरखार में डेढ़ करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण व भूमिपूजन

कवर्धा। पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने वनांचल ग्राम सेंदुरखार में 1 करोड़ 57 लाख 15 हजार रुपए की लागत से विभिन्न विकास व अधोसंरचना निर्माण एवं नया तालाब निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। यह विकास कार्य पंडरिया विधानसभा के ग्रामीण व वनांचल क्षेत्र के विकास को नई गति देगा।

भावना बोहरा ने मध्यक्षेत्र विकास प्राधिकरण अंतर्गत ग्राम अंजवाईनबाह, मराडबरा, बोहिल, सारपानी, धुरसी, पुटपुटा,बिरैनबाह, बिरहुलडीह, रोखनी में सीसी रोड एवं ग्राम नेऊर में सीसी रोड निर्माण एवं सांस्कृतिक मंच तथा ग्राम कुशियारी और सेंदुरखार में सामुदायिक भवन निर्माण कार्यों का लोकार्पण व भूमिपूजन किया गया। इसके साथ ही मनरेगा अंतर्गत ग्राम पिपरहा, छिंदीडीह, कड़मा, भेलकी एवं नेउर में नया तालाब निर्माण कार्यों का भूमिपूजन कर क्षेत्रवासियों को बधाई दी।

इस अवसर पर भावना बोहरा ने कहा कि, हमारा संकल्प वनांचल क्षेत्र के समग्र विकास का है। वनांचल क्षेत्रों में मूलभूत सुविधाओं का विस्तार होने से ग्रामीण जीवन सुगम बन रहा है और स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिल रही है। सड़क निर्माण से आवागमन बेहतर होगा, सामुदायिक भवन एवं सांस्कृतिक मंच सामाजिक गतिविधियों को मजबूत करेंगे, वहीं तालाब निर्माण से जल संरक्षण और कृषि को लाभ मिलेगा। भाजपा सरकार अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के लक्ष्य के साथ निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जनमन योजना अंतर्गत 171 किलोमीटर से अधिक के पक्के सड़क व 4 उच्चस्तरीय एवं 10 पुलिया निर्माण की स्वीकृति, 3500 नए पीएम आवास, जल संसाधन विभाग अंतर्गत महीडबरा जलाशय योजना, पुटपुटा व्यपवर्तन योजना, कौआनार व्यपवर्तन योजना, एनिकट कम काजवे तथा नल जल प्रदाय हेतु ग्राम मुनमुना में सिंगल विलेज नल जल प्रदाय योजना की सौगात मिली है।

अबूझमाड़ का धोबे गांव- जहां कभी बंदूकें गूंजती थीं, वहां अब नलों से बह रही विकास की धारा

नारायणपुर। अबूझमाड़ का धोबे गांव- जहां कभी बंदूकें गूंजती थीं, वहां अब नलों से बह रही विकास की धारा'विकास की असली परीक्षा तब होती है जब वह समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक पहुँचे। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिला मुख्यालय से करीब 94 किलोमीटर दूर, घने जंगलों और दुर्गम पहाडियों के बीच बसा अबूझमाड़ का धोबे गांव आज इसी बदलते भारत और बदलते छत्तीसगढ़ की एक जीती-जाती मिसाल बन चुका है। जो इलाका कभी सिर्फ नक्सली हलचलों और विकास से दूरी के लिए जाना जाता था, आज वहां जल जीवन मिशन ने उम्मीदों का एक नया सवेरा ला दिया है। अबूझमाड़ के इस सुदूर अंचल में पहली बार घर-घर शुद्ध पेयजल की सुविधा पहुंची है, जिसने ग्रामीणों की जिंदगी की पूरी तस्वीर ही बदल कर रख दी है।

वर्षों तक धोबे गांव के ग्रामीणों के लिए सुबह की शुरुआत पानी के बड़े संघर्ष के साथ होती थी। अत्यंत दुर्गम क्षेत्र होने के कारण यहाँ शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचा तो दूर, पीने का साफ पानी मिलना भी एक बड़ी चुनौती थी। गांव के लोग पीने के पानी के लिए पूरी तरह से स्थानीय नदी, नालों और झरनों पर निर्भर थे। पहाड़ों से बहकर आने वाला यह पानी न सिर्फ दूषित होता था, बल्कि इसके उपयोग से ग्रामीण लगातार जलजनित बीमारियों की चपेट में रहते थे। विशेषकर महिलाओं और बच्चों का एक बड़ा समय सिर्फ पीने का पानी ढोने में ही बीत जाता था।

ग्रामीणों की इस दशकों पुरानी और बेहद संवेदनशील समस्या को देखते हुए जिला प्रशासन और जल जीवन मिशन की टीम ने इस चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में कदम रखा। विपरीत भौगोलिक परिस्थितियों और सुरक्षा की चुनौतियों को पार करते हुए गांव में योजनाबद्ध तरीके से काम शुरू किया गया। बिजली की अनिश्चितता से निपटने के लिए गांव में 10-10 हजार लीटर क्षमता वाले दो सोलर आधारित जल टैंक स्थापित किए गए। ऊबड़-खाबड़ रास्तों और घने जंगलों के बीच लगभग 1375 मीटर लंबी पाइपलाइन बिछाई गई। गांव के सभी 40 परिवारों को श्हर घर जलश् योजना के तहत नल कनेक्शन से जोड़ा गया।

नारायणपुर की कलेक्टर ने इस सफलता पर कहा कि शासन की प्राथमिकता दूरस्थ और पूर्व नक्सल प्रभावित क्षेत्रों तक हर हाल में मूलभूत सुविधाएं पहुंचाना है। जल जीवन मिशन के माध्यम से अबूझमाड़ जैसे दुर्गम क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना ग्रामीणों के जीवन स्तर में सुधार की दिशा में एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण कदम है। जिला प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि हर योजना का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पूरी पारदर्शिता से पहुँचे।

खेत में मिली महिला की सड़ी-गली लाश, जांच में जुटी पुलिस

धमतरी। जिले के कुरूद थाना क्षेत्र के मारौद गांव से सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां खेत में एक महिला का सड़ा-गला शव मिला। घटना की खबर फैलते ही पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना कुरूद थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की।

मृतका की पहचान भैंसबोड़ निवासी पर्वत बाई साहू के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि महिला पिछले चार दिनों से लापता थी। परिजन उसकी लगातार तलाश कर रहे थे, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल पा रहा था। इसी बीच मंगलवार को मारौद गांव के खेत में शव मिलने की सूचना सामने आई। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो शव काफी हद तक सड़ चुका था। शव की स्थिति को देखते हुए मौत के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मृतका मानसिक रूप से विक्षिप्त बताई जा रही है। हालांकि महिला की मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह अब तक स्पष्ट नहीं हो पाया है। पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

घरेलू निवेशक बन रहे शेयर बाजार की ताकत, एफआईआई की बिकवाली के बीच मार्केट को रखा स्थिर : रिपोर्ट

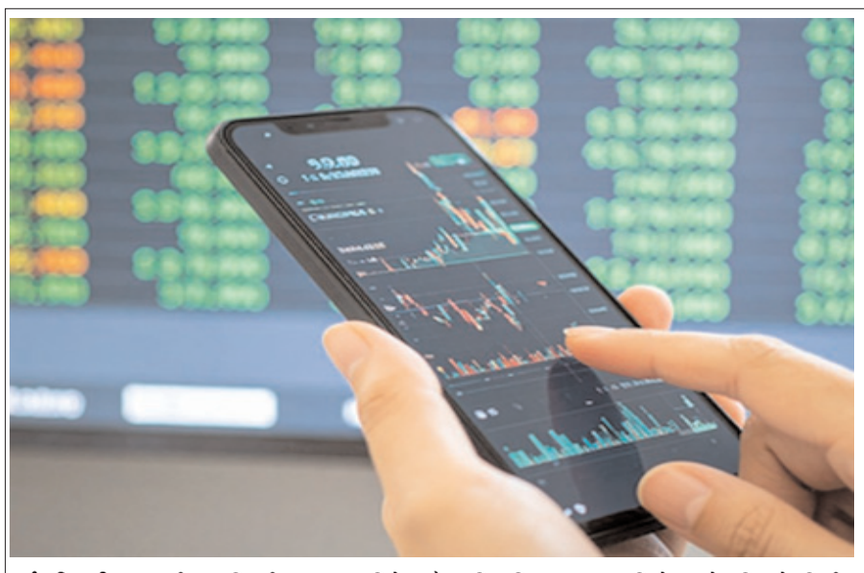

नई दिल्ली। भारतीय इक्विटी मार्केट में वित्त वर्ष 26 की पहली तिमाही में विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की बड़ी बिकवाली देखी गई है और इस दौरान घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने बाजार को लगातार निवेश के जरिए स्थिरता प्रदान की है। यह जानकारी मंगलवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

वेंचुरा की रिपोर्ट में कहा गया है कि जनवरी-मार्च 2026 में एफआईआई आक्रामक रूप से शुद्ध विक्रेता रहे, जिससे वित्तीय वर्ष में 1,31,122 करोड़ रुपए का उच्चतम तिमाही आउटफ्लो दर्ज किया गया, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 2,44,052 करोड़ रुपए के शुद्ध इनफ्लो के साथ सबसे मजबूत तिमाही समर्थन प्रदान किया।

रिपोर्ट में कहा गया कि भारतीय शेयर बाजार में एफआईआई की बिकवाली वित्त वर्ष 26 में सालाना आधार पर 34 प्रतिशत कम होकर 2,64,819 करोड़ रुपए हो गई है, जो कि वित्त वर्ष 25 में 4,03,581 करोड़ रुपए थी। इस दौरान डीआईआई का निवेश बढ़कर 8,43,206 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि पहले 5,71,959 करोड़ रुपए था।

रिपोर्ट में कहा गया है कि जनवरी-मार्च 2026 की तिमाही में भारतीय बाजारों में घरेलू स्तर पर मजबूत स्थिरता देखने को मिली, क्योंकि वैश्विक अनिश्चितता और जोखिम से बचने वाले विदेशी निवेशकों की भारी मात्रा में बिकवाली की भरपाई घरेलू निवेशकों की मदद से हो गई।

मई में अब तक एफआईआई द्वारा 30,374 करोड़ रुपए की बिकवाली दर्ज की गई, जिससे 2026 में अब तक कुल एफआईआई बिकवाली 2,22,343 करोड़ रुपए हो गई है, जो 2025 की कुल बिकवाली 1,66,283 करोड़ रुपए से कहीं अधिक है।

एनालिस्ट ने कहा कि रुपए में स्थिरता आने और आय में सुधार होने से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की भारतीय बाजार में फिर से वापसी हो सकती है।

उन्होंने आगे कहा कि भारत में लगातार बिकवाली की वजह आय ग्रोथ कमजोर होना और अन्य मार्केट में आय बेहतर होना, साथ ही अमेरिका में बॉन्ड यील्ड का बेहतर होना है।

इससे पहले जेफरीज की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि रुपए में हाल में आई गिरावट चालू खाते घाटे और कच्चे तेल में कमजोरी से कहीं अधिक घरेलू निवेशकों द्वारा लगातार मजबूत एसआईपी निवेश से हैं, जिससे विदेशी निवेशकों को भारतीय बाजार से निकलने का रास्ता मिला है।

पीएम मोदी के नेतृत्व में समुद्री क्षेत्र ने पकड़ी विकास की रफ्तार: सर्बानंद सोनोवाल

नई दिल्ली। केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत का समुद्री क्षेत्र 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' पर आगे बढ़ रहा है और हर सुधार का फायदा सीधे लोगों तक पहुंचना चाहिए। सोनोवाल ने घोषणा की कि मंत्रालय समुद्री क्षेत्र में सुधार और विकास के 12 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में देशभर में 'मैरीटाइम रिफॉर्म उत्सव' मनाएगा।

इस पहल के जरिए बंदरगाह, जहाजरानी, अंतर्देशीय जलमार्ग, तटीय बुनियादी ढांचे, ग्रीन शिपिंग, डिजिटलीकरण और समुद्री कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में भारत की बड़ी उपलब्धियों को प्रदर्शित किया जाएगा। इससे दुनिया में भारत के एक प्रमुख समुद्री राष्ट्र के रूप में उभरने की तस्वीर सामने आएगी।

सोनोवाल ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता भी की। बैठक में भारत के समुद्री क्षेत्र में तेजी से बदलाव लाने के लिए सुधार आधारित रोडमैप पर चर्चा हुई। बैठक में सुशासन को मजबूत करने, कारोबार करने में आसानी बढ़ाने, डिजिटल इंटीग्रेशन को बेहतर बनाने, शिकायत निवारण प्रणाली को प्रभावी बनाने और प्रमुख समुद्री परियोजनाओं को तय समय में पूरा करने पर जोर दिया गया। इसके लिए जवाबदेह और व्यवस्थित संस्थागत व्यवस्था तैयार करने पर भी चर्चा हुई।

मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के गतिशील नेतृत्व में भारत के समुद्री क्षेत्र में 'रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म और इन्फॉर्म' के मंत्र के जरिए अभूतपूर्व बदलाव आया है।

उन्होंने कहा, ''मैरीटाइम रिफॉर्म उत्सव भारत के आधुनिक, प्रभावी और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी समुद्री शक्ति बनने की यात्रा का जश्न होगा। डिजिटल गवर्नेंस और कारोबार में आसानी को बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय ने महानिदेशालय जहाजरानी (डीजी शिपिंग) के तहत एक एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म और मोबाइल ऐप विकसित करने का भी फैसला लिया है। प्रस्तावित प्लेटफॉर्म के जरिए स्टेकहोल्डर्स को बेहतर सुविधाएं, रियल टाइम सेवाएं, डिजिटल डॉक्यूमेंटेशन, शिकायत निवारण और एकीकृत समुद्री सेवाएं एक ही डिजिटल सिस्टम के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएंगी।

अदाणी ग्रीन एनर्जी ने दुनिया का सबसे बड़ा सिंगल-लोकेशन बैटरी स्टोरेज सिस्टम शुरू किया

अहमदाबाद। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) ने मंगलवार को कहा कि उसने संचयी 3.37 गीगावाट-घंटे (जीडब्ल्यूएच) का बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (बीईएसएस) शुरू किया है, जो चीन के बाहर दुनिया का सबसे बड़ा सिंगल-लोकेशन बैटरी स्टोरेज सिस्टम है और इसे विश्व स्तर पर सबसे तेजी से पूरा किया गया है।

अदाणी ग्रुप की कंपनी ने बयान में कहा कि बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम में 1.37 गीगावाट-घंटे की क्षमता मार्च 2026 में जोड़ी गई है और इससे एजीईएल की गुजरात के खावड़ा में ऑपरेशनल बीईएसएस क्षमता 3.37 गीगावाट हो गई है।

एजीईएल के कार्यकारी निदेशक सागर अदाणी ने कहा, 'बड़े पैमाने पर ऊर्जा भंडारण भारत के स्वच्छ ऊर्जा ट्रांजिशन के अगले चरण में एक निर्णायक भूमिका निभाएगा। जैसे-जैसे नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता तेजी से बढ़ रही है, विश्वसनीय, चौबीसों घंटे स्वच्छ बिजली देने के लिए भंडारण बुनियादी ढांचा महत्वपूर्ण हो जाता है।

खावड़ा में 3.37 गीगावाट घंटा बीईएसएस क्षमता के चालू होने के साथ, एजीईएल लचीली, प्रेषण योग्य और लचीली ऊर्जा प्रणालियों की नींव को मजबूत कर रहा है।

सागर अदाणी ने कहा, 'बैटरी स्टोरेज में हमारा निवेश वैश्विक स्तर पर भविष्य के लिए तैयार स्वच्छ ऊर्जा बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है।'

3.37 गीगावाट घंटा बीईएसएस क्षमता इंदौर, चंडीगढ़ या पूरे गोवा राज्य जैसे शहरों की उच्चतम बिजली मांग को पूरा करते हुए, पूरे दिन के लिए लगभग दस लाख घरों को बिजली देने के लिए पर्याप्त स्वच्छ ऊर्जा संग्रहीत कर सकता है। यह 12 मिलियन से अधिक एलईडी बल्बों को लगातार 10 घंटे तक बिजली दे सकता है।

यह एक गेम चेंजर होगा क्योंकि बैटरी स्टोरेज नवीकरणीय भारी ग्रिड को स्थिर रखने और चौबीसों घंटे हरित ऊर्जा प्रदान करने में मदद करेगा। कंपनी के अनुसार, इस परियोजना को ऑन-साइट निर्माण शुरू होने के केवल 10 महीनों के भीतर वितरित किया गया था, जो विश्व स्तर पर सबसे तेज उपयोगिता-पैमाने वाली बैटरी भंडारण तैनाती में से एक है।

दिल्ली : पेट्रोल-डीजल के बाद अब सीएनजी के दाम 2 रुपए प्रति किलो बढ़े

नई दिल्ली। मध्य-पूर्व में जारी संकट के बीच, महंगाई थमने का नाम नहीं ले रही है। पेट्रोल-डीजल के बाद अब सीएनजी (कंप्रेस्ड नेचुरल गैस) के दाम भी बढ़ गए हैं। दिल्ली में मंगलवार से सीएनजी 2 रुपए प्रति किलो महंगी हो गई है। अब राजधानी में सीएनजी 81.09 रुपए की बजाय 83.09 रुपए प्रति किलो मिलेगी।

पिछले 11 दिनों में सीएनजी के दाम में कुल 6 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। 15 मई को 2 रुपए, 18 मई को 1 रुपए, 23 मई को 1 रुपए और आज यानी 26 मई को 2 रुपए प्रति किलो सीएनजी के दाम बढ़ाए गए हैं।

इससे पहले सोमवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई थी। पेट्रोल की कीमत में 2.61 रुपए प्रति लीटर और डीजल में 2.71 रुपए प्रति

लीटर की बढ़ोतरी हुई है। पिछले 10 दिनों में यह चौथी बार है, जब पेट्रोल-डीजल की कीमतों में इजाफा हुआ है। कीमतों में बढ़ोतरी से पहले दिल्ली में पेट्रोल 99.51 रुपए प्रति लीटर और डीजल 92.49 रुपए प्रति लीटर बिक रहा था। लेकिन अब राजधानी में पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर पहुंच गया है। ईंधन की कीमतों में इस बढ़ोतरी का असर केवल दिल्ली तक सीमित नहीं है, बल्कि अन्य शहरों में भी देखा जा रहा है। पिछले कुछ दिनों में हुए लगातार संशोधनों के बाद नोएडा, ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद में सीएनजी के दाम बढ़कर 88.70 रुपए प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच चुके हैं। मुंबई में भी सीएनजी की कीमत बढ़कर 84 रुपए प्रति किलोग्राम हो चुकी है।पेट्रोल-डीजल से लेकर सीएनजी तक, युद्ध की वजह से कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात करता है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के लगभग बंद होने की वजह से भारत की आपूर्ति पर असर पड़ा है। कच्चे तेल की कीमतें भी सातवें आसमान पर हैं। क्रूड ऑयल का दाम 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया है, जो युद्ध से पहले करीब 70 डॉलर प्रति बैरल था।

भारतीय शेयर बाजार लाल निशान में बंद; निफ्टी 24,000 के नीचे फिसला

मुंबई । भारतीय शेयर बाजार मंगलवार के कारोबारी सत्र में लाल निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 479.26 अंक या 0.63 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 76,009.70 और निफ्टी 118.00 अंक या 0.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,913.70 पर था।

सेंसेक्स पैक में टेक महिंद्रा, इटरनल, मारुति सुजुकी, अदाणी पोर्ट्स, एचयूएल, एनटीपीसी और एलएंडटी गेनर्स थे। ट्रेंट, भारती एयरटेल, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, टाइटन, एक्सिस बैंक, एमएंडएम, आईसीआईसीआई बैंक, पावर ग्रिड, एचडीएफसी बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, एचसीएल टेक और एशियन पेंट्स लूजर्स थे।

लार्जकैप की अपेक्षा व्यापक बाजार में तेजी देखी गई। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 332.30 अंक या 0.54 प्रतिशत की तेजी के साथ 62,298.90 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 64.50 अंक या 0.35 प्रतिशत की मजबूती के साथ 18,267.20 पर था।

सूचकांकों में मिलाजुला कारोबार देखने को मिला। निफ्टी मेटल (1.10 प्रतिशत), निफ्टी एनर्जी (0.58 प्रतिशत), निफ्टी कमोडिटीज (0.48 प्रतिशत),निफ्टी इंडिया डिफेंस (0.27 प्रतिशत), निफ्टी एफएमसीजी (0.14 प्रतिशत) और निफ्टी ऑटो (0.07 प्रतिशत) की तेजी के साथ बंद हुआ। दूसरी तरफ निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (1.05 प्रतिशत), निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज (0.65 प्रतिशत), निफ्टी प्राइवेट बैंक (0.62 प्रतिशत), निफ्टी सर्विसेज (0.60 प्रतिशत), निफ्टी रियल्टी (0.52 प्रतिशत), निफ्टी पीएसई (0.50 प्रतिशत) की कमजोरी के साथ बंद हुए।

बाजार के जानकारों ने कहा कि अमेरिका-ईरान के बीच ताजा हमले, कच्चे तेल में तेजी और डॉलर के मुकाबले रुपए के कमजोर होने से लार्जकैप में हल्की कमजोरी देखने को मिली है। हालांकि, मिडकैप शेयरों में मजबूती बनी हुई है और इस कारण इंडेक्स ने सत्र के दौरान नया ऑल-टाइम हाई बनाया।

उन्होंने आगे कहा कि यह मजबूती घरेलू आय में संरचनात्मक विश्वास को दर्शाती है, जिसे विदेशी निवेशकों का समर्थन बना हुआ है, जिसने बाजार की भावना पर दबाव डाला है। हालांकि, साप्ताहिक आधार पर कच्चे तेल की कीमतें अभी भी कम होने के कारण, बाजार पश्चिम एशिया में तनाव कम होने की एक महत्वपूर्ण संभावना पर निवेशक नजर बनाए हुए हैं।

भारत-कनाडा रिश्तों में सुधार, बेहद दोस्ताना दौर में पहुंचे संबंध: पीयूष गोयल

वाशिंगटन। भारत और कनाडा के रिश्ते अब तनावपूर्ण दौर से निकलकर बेहद दोस्ताना चरण में पहुंच गए हैं। अब दोनों देशों की सुरक्षा एजेंसियां, राजनीतिक नेतृत्व और कारोबारी समुदाय आपस में मिलकर काम कर रहे हैं। यह बात कनाडा में भारत के उच्चायुक्त दिनेश के. पटनायक ने आईएएनएस को दिए एक विशेष साक्षात्कार में कही।

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल के दौरे से पहले एक इंटरव्यू में पटनायक ने आईएएनएस को बताया, 'पिछले कुछ महीनों में संबंध सच में दुश्मनी से बहुत दोस्ताना हो गए हैं। अभी सब कुछ ठीक चल रहा है।' उन्होंने इसे आपसी संबंधों में एक नए दौर की शुरुआत बताया।

कनाडा में भारत के उच्चायुक्त ने यह बात केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की कनाडा यात्रा से पहले कही। उन्होंने इस यात्रा को द्विपक्षीय संबंधों में एक नए दौर की शुरुआत बताया।

पटनायक ने कहा कि यह अब तक का सबसे बड़ा प्रतिनिधिमंडल होगा, जिसमें 100 से अधिक भारतीय कारोबारी कनाडा पहुंचेंगे। वे कनाडाई उद्योग संगठनों, पेंशन फंड, बैंकों, लॉजिस्टिक्स कंपनियों और भारतीय मूल के समुदाय के नेताओं से मुलाकात करेंगे। एक साल पहले तक कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था कि कोई भारतीय मंत्री 100 से ज्यादा प्रतिनिधियों के साथ कनाडा आएगा।

उच्चायुक्त के मुताबिक, पीयूष गोयल की यात्रा का मुख्य उद्देश्य आर्थिक सहयोग को तेज करना और प्रस्तावित व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते पर बातचीत को आगे बढ़ाना है।

यात्रा का मकसद यह संदेश देना है कि अब हम अपने आर्थिक और व्यापारिक रिश्तों को बहुत ऊंचाई तक ले जाने जा रहे हैं।

एआई से नौकरियां जाने का मेरा अनुमान गलत, मशीन नहीं ले सकती इंसान की जगह : ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन

नई दिल्ली। ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने मंगलवार को कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से नौकरियां बिल्कुल खत्म होने का कोई खतरा नहीं है। साथ ही कहा कि बड़ी संख्या में एआई के चलते व्हाइट कॉलर नौकरियां जाने का जो अनुमान पहले लगाया गया था, उसे बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया गया था।

सिडनी में कॉमनवेल्थ बैंक ऑफ ऑस्ट्रेलिया द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में बोलते हुए, ऑल्टमैन ने कहा कि उन्हें शुरू में उम्मीद की थी कि 2022 में चैटजीपीटी के लॉन्च के बाद एआई द्वारा प्रवेश स्तर की व्हाइट-कॉलर नौकरियों की एक बहुत बड़ी संख्या समाप्त हो जाएगी। लेकिन, इसका रोजगार पर प्रभाव अब तक अनुमान से कम गंभीर रहा है।

सीबीए के चीफ एग्जीक्यूटिव मैट कॉमिन के साथ बातचीत के दौरान ऑल्टमैन ने कहा, 'मुझे यह जानकर खुशी हुई कि मेरा अनुमान गलत था।'

उन्होंने आगे कहा, 'मुझे लगा था कि प्रवेश स्तर की व्हाइट-कॉलर नौकरियों के खत्म होने का असर अब तक जितना हुआ है, उससे कहीं ज्यादा होगा।'

ऑल्टमैन ने कहा कि ओपनएआई ने एआई में तकनीकी प्रगति की गति के बारे में 'लगभग सही' अनुमान लगाया था, लेकिन सामाजिक और आर्थिक परिणामों के बारे में 'काफी गलत' साबित हुआ। उनके अनुसार, नौकरियों के खत्म होने को लेकर शुरुआती आशंकाएं उस समय के वास्तविक खतरे के कारण थीं।

उनकी ये टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब एचएसबीसी, अमेजन, स्टैंडर्ड चार्टर्ड और कॉमनवेल्थ बैंक ऑफ ऑस्ट्रेलिया सहित कई वैश्विक कंपनियों ने स्वीकार किया है कि उनके संगठनों के कुछ पदों को एआई-आधारित उपकरणों और स्वचालन द्वारा प्रतिस्थापित या नया रूप दिया जा रहा है। हालांकि, ऑल्टमैन ने कहा कि उन्हें यह एहसास होता जा रहा है कि मानवीय संपर्क कई नौकरियों का एक अनिवार्य हिस्सा बना हुआ है ।

क्या सिरदर्द की दवा पेट दर्द में भी काम कर सकती है? डॉक्टर ने बताई चौंकाने वाली बात, तुरंत जान लीजिए

कई लोग सिरदर्द की दवा हमेशा अपने पास रखते हैं. आमतौर पर सिरदर्द से राहत पाने के लिए पैरासिटामोल या आईबूप्रोफेन टेबलेट लेते हैं. कई बार पेट में दर्द होने पर भी लोग यह दवा खा लेते हैं. लोगों को लगता है कि दर्द की दवा पेट दर्द से भी राहत दिला सकता है. हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो ऐसा बिल्कुल नहीं करना चाहिए. कुछ पेनकिलर्स पेट की जलन, गैस और अल्सर जैसी समस्याएं बढ़ा सकती हैं. इसलिए पेट दर्द की सही दवा लेना जरूरी है।

अधिकतर लोग सिरदर्द होने पर पैरासिटामोल या आईबूप्रोफेन दवा लेते हैं, जिसे सामान्य पेनकिलर माना जाता है. इससे सिरदर्द ही नहीं, बल्कि बुखार और बदन दर्द से भी राहत मिलती है. कई लोग पेट दर्द होने पर भी सिरदर्द की दवा ले लेते हैं. अक्सर लोग यह सोचते हैं कि दर्द तो दर्द है, दवा असर कर ही देगी. हालांकि डॉक्टर्स का साफ कहना है कि पेट दर्द होने पर सिरदर्द की दवा नहीं लेनी चाहिए. दर्द की कुछ दवाएं पेट दर्द से राहत दिलाएं या न दिलाएं, लेकिन आपकी समस्या जरूर बढ़ा सकती हैं. ऐसे में डॉक्टर की सलाह पर पेट दर्द की दवा ही लेनी चाहिए, ताकि परेशानी खत्म हो जाए।

दिल्ली के अपोलो हॉस्पिटल के सीनियर फिजीशियन डॉ. राकेश गुप्ता ने मीडिया को बताया सिरदर्द की कई सामान्य दवाएं जैसे पैरासिटामोल या कुछ एंटी-इंफ्लेमेटरी पेनकिलर्स शरीर में दर्द और सूजन कम करने का काम करती हैं. अगर पेट दर्द हल्की मांसपेशियों की ऐंठन, बुखार या बॉडी पेन से जुड़ा हो, तो कुछ दवाएं थोड़ी राहत दे सकती हैं. हालांकि पेट दर्द के पीछे कारण अलग-अलग हो सकते हैं, जैसे गैस, एसिडिटी, फूड पॉइजनिंग, इंफेक्शन, अल्सर या अपेंडिक्स की समस्या. ऐसे में बिना कारण समझे कोई भी दर्द की दवा लेना नुकसानदायक हो सकता है।

डॉक्टर के अनुसार कई दर्द निवारक दवाएं पेट की अंदरूनी परत पर असर डालती हैं. ये दवाएं खाली पेट लेने पर गैस, एसिडिटी, जलन या अल्सर की समस्या बढ़ सकती है. यही वजह है कि डॉक्टर बिना सलाह बार-बार पेनकिलर लेने से मना करते हैं. अगर किसी व्यक्ति को पहले से गैस्ट्रिक समस्या, अल्सर या लिवर संबंधी बीमारी है, तो गलत दवा हालत को और खराब कर सकती है. अगर पेट दर्द लगातार बना रहे, बहुत तेज हो, उल्टी, बुखार, दस्त या पेट में सूजन जैसी समस्या के साथ हो, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए. कई बार पेट दर्द गंभीर बीमारी का संकेत भी हो सकता है, जिसे सिर्फ दवा से ठीक नहीं किया जा सकता हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो भारत में बिना डॉक्टर की सलाह दवा लेने की आदत काफी आम है।

देश का कौन-सा शहर कहलाता है 'पान कैपिटल ऑफ इंडिया'? जवाब जानकर आपको नहीं होगा यकीन!

भारत के अलग-अलग राज्यों में पान की कई किस्में मिलती हैं, लेकिन एक शहर ऐसा है जिसने अपने खास स्वाद और अनोखी पहचान की वजह से 'पान कैपिटल ऑफ इंडिया' का खिताब हासिल किया है. यह शहर अपने मशहूर बनारसी पान के लिए दुनियाभर में जाना जाता है।

Paan Capital of India: भारत में पान केवल खाने की एक चीज़ ही नहीं है. बल्कि इसे देश की संस्कृति, परंपराओं और मेहमाननवाज़ी का एक अभिन्न अंग माना जाता है. जहां देश के अलग-अलग राज्यों में पान की कई किस्में मिलती हैं, वहीं एक ऐसा शहर भी है जिसने अपने खास स्वाद और अनोखी पहचान की वजह से 'भारत की पान राजधानी' का खिताब हासिल किया है. यह शहर कोई और नहीं, बल्कि वाराणसी (बनारस) है, जो अपने मशहूर 'बनारसी पान' के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है।

वाराणसी को 'पान की राजधानी' क्यों कहा जाता है?: उत्तर प्रदेश में स्थित वाराणसी जिसे बनारस या काशी के नाम से भी जाना जाता है. सदियों से अपनी पान की अनोखी परंपरा के लिए मशहूर रहा है. यहां मिलने वाला बनारसी पान न केवल पूरे देश में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी लोकप्रिय है. इसका श्रेय इसके खास स्वाद, खुशबू और इसे बनाने के अनोखे तरीके को जाता है. ठीक इसी वजह से, वाराणसी को प्यार से 'भारत की पान राजधानी' कहा जाता है।

बनारसी पान की क्या खासियत है?: बनारसी पान को आम पान से थोड़ा अलग माना जाता है. इसे मीठे पान के पत्तों के साथ कत्था, चूना, सुपारी, गुलकंद, सौंफ, इलायची और कई खास मसालों को मिलाकर तैयार किया जाता है. कई लोग इसे मीठे पान के रूप में खाना पसंद करते हैं, जबकि कुछ लोग इसके पारंपरिक स्वाद वाली किस्म को पसंद करते हैं. इसका स्वाद इतना अनोखा होता है कि जो लोग इसे खाते हैं, वे इस अनुभव को लंबे समय तक याद रखते हैं.बनारसी पान की क्या खासियत है?: बनारसी पान को आम पान से थोड़ा अलग माना जाता है. इसे मीठे पान के पत्तों के साथ कत्था, चूना, सुपारी, गुलकंद, सौंफ, इलायची और कई खास मसालों को मिलाकर तैयार किया जाता है. कई लोग इसे मीठे पान के रूप में खाना पसंद करते हैं, जबकि कुछ लोग इसके पारंपरिक स्वाद वाली किस्म को पसंद करते हैं. इसका स्वाद इतना अनोखा होता है कि जो लोग इसे खाते हैं, वे इस अनुभव को लंबे समय तक याद रखते हैं। बनारसी पान को मिला लट्ठ टैग: बनारसी पान की लोकप्रियता का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि इसे लट्ठ (भौगोलिक संकेत) टैग से सम्मानित किया गया है. इसका अर्थ है कि इस उत्पाद को उसकी अद्वितीय भौगोलिक पहचान और गुणवत्ता के लिए आधिकारिक मान्यता प्राप्त हो गई है। बॉलीवुड ने इसकी शान को और बढ़ाया: बनारसी पान की पहचान को बढ़ाने में बॉलीवुड ने भी एक अहम भूमिका निभाई. अमिताभ बच्चन के मशहूर गाने, 'खईके पान बनारस वाला' ने इसकी लोकप्रियता को पूरे देश में फैला दिया. ठीक इसी वजह से वाराणसी (बनारस) को भारत की 'पान राजधानी' कहा जाता है. अगर आप कभी बनारस घूमने जाएं, तो मशहूर बनारसी पान का स्वाद लेना न भूलें, क्योंकि यह सिर्फ़ एक स्वाद ही नहीं, बल्कि शहर की समृद्ध परंपरा का एक अहम हिस्सा है।

बच्ची से दरिंदगी के बाद हत्या फिर प्रेस कॉन्फ्रेंस में हंसती दिखीं आईपीएस अफसर, कौन हैं आर. वी. रम्या भारती?

कोयंबटूर में 10 साल की बच्ची के साथ हुई दरिंदगी और हत्या की जानकारी देने के लिए पुलिस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की, लेकिन चर्चा अपराध से ज्यादा उस वीडियो की होने लगी जिसमें सीनियर पुलिस अधिकारी हंसते हुए नजर आए.सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होते ही लोगों ने इसे पीड़ित परिवार के दर्द के प्रति असंवेदनशीलता बताया. इसी विवाद के केंद्र में आ गईं सीनियर IPS आर.वी. रम्या भारती.हर कोई जानना चाहता है कि आखिर वह कौन हैं और उनका वीडियो इतना चर्चा में क्यों आ गया?

तमिलनाडु के कोयंबटूर में 10 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म और हत्या की दर्दनाक घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया लेकिन इस मामले में सिर्फ अपराध ही चर्चा का विषय नहीं बना, बल्कि उसके बाद सामने आए कुछ वीडियो ने भी बड़ा विवाद खड़ा कर दिया. सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ, जिसमें प्रेस कॉन्फ्रेंस शुरू होने से पहले कुछ वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मुस्कुराते और बातचीत करते दिखाई दिए. इन्हीं अधिकारियों में एक नाम था IPS आर.वी.रम्या भारती का. वीडियो सामने आते ही लोगों ने सवाल उठाने शुरू कर दिए कि इतनी संवेदनशील घटना के बीच आखिर अधिकारी इस तरह कैसे हंसते नजर आ सकते हैं?अब सोशल मीडिया से लेकर राजनीतिक गलियारों तक चर्चा इस बात की हो रही है कि आखिर डॉक्टर आर. वी. रम्या भारती कौन हैं, उनका करियर कैसा रहा है और उनका वीडियो विवाद के केंद्र में क्यों आ गया?

तमिलनाडु के कोयंबटूर जिले के सुलूर इलाके में 10 साल की एक बच्ची 21 मई को अपने घर के बाहर खेलते समय अचानक लापता हो गई थी. परिवार ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद जांच शुरू हुई.पुलिस ने बच्ची की तलाश के लिए कई टीमें बनाई और तकनीकी सर्विलांस के जरिए जांच आगे बढ़ाई.जांच के दौरान पुलिस ने 250 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले. बाद में मुख्य आरोपी कार्तिक को गिरफ्तार किया गया. पुलिस के मुताबिक बच्ची के साथ दुष्कर्म के बाद उसकी हत्या की गई थी. इस घटना के सामने आने के बाद पूरे तमिलनाडु में आक्रोश फैल गया.मुख्यमंत्री ने मामले को बेहद अमानवीय बताते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिया. विपक्षी दलों ने भी सरकार और प्रशासन पर सवाल उठाए.

प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो क्यों बना विवाद?

घटना के बाद पुलिस अधिकारियों ने मीडिया को मामले की जानकारी देने के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस की.इसी दौरान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया.वीडियो में कोयंबटूर जोन की आईजी आर.वी.रम्या भारती, डीआईजी पी.समिनाथन और एसपी पवन कुमार रेड्डी प्रेस कॉन्फ्रेंस शुरू होने से पहले आपस में बातचीत करते और मुस्कुराते दिखाई दिए.बस यहीं से विवाद शुरू हो गया. सोशल मीडिया पर लोगों ने इसे पीड़ित परिवार के प्रति असंवेदनशील रवैया बताया. कई लोगों ने कहा कि इतनी दर्दनाक घटना के बाद अधिकारियों को ज्यादा गंभीर दिखाई देना चाहिए था हालांकि यह वीडियो प्रेस कॉन्फ्रेंस शुरू होने से पहले का बताया जा रहा है,लेकिन सोशल मीडिया पर इसे लेकर भारी नाराजगी देखने को मिली.

मंत्री की मुस्कान पर भी उठा विवाद

इस मामले में सिर्फ पुलिस अधिकारी ही नहीं,बल्कि तमिलनाडु सरकार की उद्योग मंत्री एस.कीर्तन भी विवादों में आ गईं. प्रेस से बातचीत के दौरान उनके मुस्कुराने का वीडियो भी वायरल हुआ.बीजेपी ने इसे लेकर सरकार को घेरा और कहा कि इतनी गंभीर घटना पर सत्ता पक्ष और प्रशासन का रवैया बेहद संवेदनहीन दिखाई दे रहा है हालांकि मंत्री ने सफाई देते हुए कहा कि उनकी मुस्कान सवाल खत्म होने के बाद सामान्य बातचीत के दौरान की थी और उसे गलत तरीके से पेश किया जा रहा है।

आज नौतपा का तीसरा दिन, ये 3 राशिवाले घर से निकलते समय सावधान! इन 4 राशियों की सेहत पर भी खतरा

आज को नौतपा का तीसरा दिन है. इस दिन सिंह समेत 3 राशिवालों को अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखना है, डिहाइड्रेशन, गुस्सा और तनाव से बचना है, नहीं तो सेहत खराब हो सकती है. वहीं मेष समेत 4 राशिवालों के स्वास्थ्य पर भी खतरा रहेगा. इस दिन लू से बचना जरूरी है।

नौतपा का प्रारंभ 25 मई सोमवार से हुआ है, आज दूसरा दिन है. नौतपा का तीसरा दिन 27 मई को है. इस समय देश के अधिकतर हिस्सों में सूरज आग उगल रहा है, तापमान इतना अधिक हो रहा है कि सुबह 9 बजे ही लग रहा है कि दोपहर है. ऐसे समय में बच्चों और बुजुर्गों को खासतौर पर अपनी सेहत का ख्याल रखना चाहिए. ऐसे समय में लू लगने का खतरा सबसे अधिक है. आप घर से निकले और थोड़ी सी लापरवाही की, तो आपकी सेहत खराब हो सकती है, शरीर में पानी की कमी से कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं. नौतपा के तीसरे दिन सिंह, कन्या और तुला वालों को विशेष सावधानी रखनी होगी, वहीं मेष, कर्क, वृश्चिक और कुंभ वालों की सेहत पर भी खतरा हो सकता है. इसमें 7 राशियों की सेहत के बारे में दिया है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि बाकी की 5 राशियां लापरवाही बरतें.

नौतपा के तीसरे दिन अलर्ट रहें ये 7 राशियां!

मेष: नौतपा के तीसरे दिन मेष राशिवालों को अपनी सेहत का ध्यान रखना चाहिए. आपको थोड़ी सी भी परेशानी महसूस हो तो तुरंत डॉक्टर के पास जाएं. इस समय में आपको मानसिक तनाव और गुस्से पर नियंत्रण रखना होगा. बाहर का बढ़ता तापमान और शरीर के अंदर गुस्सा-तनाव आपको परेशान कर सकता है।

कर्क: कर्क राशि वालों की जल राशि है. आप भी नौतपा में सेहत का ख्याल रखें. योग, ध्यान या अन्य माध्यमों से मन को शांत रखें. समय निकालकर आराम करें. शरीर में पानी की कमी न होने दें. यह दिन आपको अपनी एनर्जी को रिचार्ज करने का है. स्वयं को नकारात्मकता से दूर रखें।

सिंह: सिंह राशिवालों को नौतपा के तीसरे दिन अलर्ट रहना चाहिए. आपने खानपान पर ध्यान दें और उन फलों और सब्जियों का सेवन अधिक करें, जिसमें भरपूर मात्रा में पानी हो. आपको डिहाइड्रेशन की समस्या हो सकती है. योग, साधना, हल्का व्यायाम करें. अधिक व्यायाम करने से भी आपको थकान महसूस हो सकती है।

कन्या: नौतपा के तीसरे दिन कन्या राशिवालों को अपनी एनर्जी के स्तर को बनाए रखना एक चुनौती होगी. उन कामों को टाल सकते हैं, जिसमें ज्यादा एनर्जी या भागदौड़ की जरूरत है. इस दिन आप तनाव न लें और गुस्सा न करें. स्वयं को शांत रखें और खूब पानी पिएं. तनाव या गुस्सा हों, तो गहरी सांस लेकर स्वयं को कूल करें. घर से निकलते समय लू से बचाव के पूरे उपाय करें।

तुला: तुला वालों को नौतपा के तीसरे दिन अपने खानपान पर ध्यान रखना होगा, नहीं तो छोटी सी लापरवाही आपको बीमार कर सकती है. इस दिन आप संतुलित आहार लें. पानी, जूस, नारियल पानी आदि समय समय पर लेते रहें. शारीरिक के अलावा मानसिक रूप से भी स्वयं को मजबूत रखें. दोपहर के समय घर से न निकलें.

वृश्चिक: नौतपा के तीसरे दिन वृश्चिक वालों को मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा. आपको आराम करने की जरूरत है. इस दिन आप किसी बात को लेकर ज्यादा टेंशन न लें और उसके बारे में अधिक न सोचें. जो होगा, वो देखा जाएगा...इस मानसिकता से स्वयं को रिलैक्स होने दें।

किचन में भूलकर न रखें ये 5 सामान, वरना तपती हुई भट्ठी बन जाएगी आपकी रसोई!

गर्मियों में किचन वैसे ही घर का सबसे गर्म हिस्सा बन जाता है. गैस चूल्हा, ओवन और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की गर्मी से रसोई का तापमान तेजी से बढ़ जाता है। लेकिन कई बार हमारी छोटी-छोटी गलतियां भी किचन को तपती हुई भट्ठी जैसा बना देती हैं।

गर्मियों के मौसम में, रसोई अपने आप ही घर का सबसे गर्म हिस्सा बन जाती है. गैस स्टोव और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से निकलने वाली गर्मी के कारण रसोई का तापमान तेज़ी से बढ़ जाता है. लेकिन हमारी अपनी छोटी-छोटी गलतियां अक्सर रसोई को एक भट्टी जैसा गर्म बना सकती हैं. कुछ ऐसी चीज़ें हैं जिन्हें अगर रसोई में रखा जाए, तो वे गर्मी को और बढ़ा सकती हैं या दूसरी परेशानियां खड़ी कर सकती हैं. अगर आप अपनी रसोई को ठंडा और आरामदायक रखना चाहते हैं, तो किसी भी हाल में आप इन खास चीज़ों को रसोई के अंदर न रखें...

ज्यादा इलेक्ट्रॉनिक समान एक साथ

मिक्सर, टोस्टर, माइक्रोवेव और इलेक्ट्रिक केतली जैसे उपकरणों का इस्तेमाल केवल तभी करें जब ज़रूरी हो. इन्हें लगातार चालू रखने या एक साथ चलाने से गर्मी तेज़ी से बढ़ जाती है, जिससे रसोई भट्टी जैसी लगने लगती है।

बेकार या खाली प्लास्टिक कंटेनर

बहुत से लोग अपनी रसोई में ज़रूरत से ज़्यादा प्लास्टिक के डिब्बे जमा कर लेते हैं. गर्मियों में ये जगह घेरते हैं, और अगर इन्हें गैस स्टोव या किसी गर्म सतह के पास रखा जाए, तो इनसे खतरा भी पैदा हो सकता है. सिर्फ़ ज़रूरी डिब्बे ही अपने पास रखें।

भारी पर्दे या बिना वेंटिलेशन का सामान

अगर रसोई की खिड़कियों पर भारी पर्दे टांगे जाते हैं, या अगर वहां ऐसी चीज़ें रखी जाती हैं जो हवा के आने-जाने में रुकावट डालती हैं, तो गर्म हवा बाहर नहीं निकल पाती. इससे रसोई का तापमान और भी बढ़ जाता है।

गैस के पास ज्वलनशील चीजें

किसी गैस स्रोत के पास तेल वाली चीज़ें, कागज़, लकड़ी या आसानी से आग पकड़ने वाली चीज़ें रखना खतरनाक हो सकता है. इससे न केवल गर्मी बढ़ती है, बल्कि आग लगने का खतरा भी पैदा हो जाता है।

खराब या गर्मी छोड़ने वाले उपकरण

पुराने रेफ्रिजरेटर, एग्जॉस्ट फैन या खराब इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बहुत ज़्यादा गर्मी पैदा कर सकते हैं. ऐसे उपकरण न केवल रसोई का तापमान बढ़ाते हैं, बल्कि ज़्यादा बिजली भी खर्च करते हैं।

बिना चावल और सूजी के ऐसी सॉफ्ट इडली पहले नहीं खाई होगी, बच्चों से बड़ों तक सबको आएगी पसंद, जानिए बनाने का सीक्रेट

मूंग दाल इडली हेल्दी, प्रोटीन रिच और बेहद स्वादिष्ट नाश्ता है. बिना सूजी और चावल के बनने वाली ये इडली बहुत सॉफ्ट बनती है. इसे बनाना आसान है और बच्चे से लेकर बड़े तक हर किसी को इसका स्वाद खूब पसंद आता है।

आप रोज वही पोहा, पराठा या सूजी की इडली खाकर बोर हो चुके हैं और कुछ हेल्दी लेकिन स्वादिष्ट ट्राई करना चाहते हैं, तो मूंग दाल इडली आपके लिए शानदार ऑप्शन है. खास बात ये है कि इसमें ना सूजी लगती है और ना ही चावल, फिर भी इसकी टेक्सचर इतनी मुलायम बनती है कि एक बार खाने के बाद बार-बार बनाने का मन करेगा. आजकल लोग हेल्दी और प्रोटीन रिच खाने की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं और ऐसे में मूंग दाल इडली नाश्ते के लिए एकदम परफेक्ट रेसिपी बन जाती है।

इसे बनाना बेहद आसान है और ज्यादा तेल की भी जरूरत नहीं पड़ती. बच्चे हों या बड़े, हर किसी को इसका स्वाद पसंद आता है. वजन कम करने वाले लोग भी इसे बिना किसी टेंशन के खा सकते हैं. अगर आप भी सुबह का हेल्दी और पेट भरने वाला नाश्ता ढूंढ रहे हैं, तो ये रेसिपी जरूर नोट कर लें।

मूंग दाल इडली क्यों है खास?

मूंग दाल प्रोटीन, फाइबर और कई जरूरी पोषक चीजों से भरपूर होती है. यही वजह है कि इसे हेल्दी डाइट का अहम हिस्सा माना जाता है. इस इडली में सूजी और चावल नहीं डाला जाता, इसलिए ये हल्की होने के साथ-साथ जल्दी पच भी जाती है. जो लोग फिटनेस पर ध्यान देते हैं या वजन घटाने की कोशिश कर रहे हैं, उनके लिए ये रेसिपी काफी अच्छी मानी जाती है. सुबह के नाश्ते में इसे खाने से लंबे समय तक पेट भरा रहता है और बार-बार भूख भी नहीं लगती.

मूंग दाल इडली बनाने के लिए जरूरी चीजें

-1 कप धुली मूंग दाल
-1 छोटा टुकड़ा अदरक
-1-2 हरी मिर्च
-कुछ करी पत्ते
-2-3 चम्मच दही
-स्वादानुसार नमक
-थोड़ा हरा धनिया
-कद्दूकस की हुई गाजर
-आधा छोटा चम्मच बेकिंग सोडा या ईनो
-थोड़ा घी

बतौर निर्माता कान्स फिल्म फेस्टिवल पहुंचीं पूजा बत्रा, लिखा- अगली बार और बेहतर अंदाज में होगी वापसी

मुंबई। अभिनेत्री पूजा बत्रा की बतौर निर्माता आगामी फिल्म 'इकोज ऑफ अस' को प्रतिष्ठित 'कान्स फिल्म फेस्टिवल 2026' में प्रदर्शित किया गया। इस उपलब्धि पर अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर अपनी खुशी जाहिर की।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में कान्स रेड कार्पेट पर उनकी खूबसूरत और ग्लैमरस झलकियां देखने को मिली। तस्वीरें शेयर करने के साथ ही उन्होंने अपनी पूरी टीम का हौसला बढ़ाते हुए लिखा, 'कान्स फिल्म फेस्टिवल यानी 'के-ए-एन', क्योंकि हम कर सकते हैं। मैं वहां अपनी फिल्म 'इकॉज ऑफ अस' और उसकी स्टारकास्ट के साथ एक निर्माता के तौर पर शामिल हुई थी। इस सफर में कई शानदार यादें बनीं, कुछ बहुत ही बेहतरीन लोगों से मुलाकात हुई और मशहूर कान्स रेड कार्पेट पर मुझे अपने 15 सेकंड का वह खास और यादगार पल जीने का मौका मिला।'

अभिनेत्री ने आगे लिखा, 'बहुत कुछ सीखने को मिला। अब अगली बार और बेहतर अंदाज में वापसी करने का समय है।' पूजा की पोस्ट को काफी पसंद किया जा रहा है। उनके प्रशंसक इस उपलब्धि पर जमकर तारीफ कर रहे हैं।

'इकोज ऑफ अस' एक बहुचर्चित शॉर्ट फिल्म है, जो वैश्विक स्तर पर फिल्म समारोहों (फिल्म फेस्टिवल्स) में सराही गई है। इसमें यूलिया वंतूर (जिनका यह अभिनय डेब्यू है), सीनियर अभिनेता दीपक तिजोरी और स्पेनिश अभिनेत्री एलेसांद्रा व्हेलन मेरेडिज ने मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं। यह फिल्म प्रेम-विरह और मानवीय संबंधों पर आधारित है, जिसे उन्होंने अपने लॉस एंजिल्स स्थित प्रोडक्शन हाउस 'ग्लोबेलिंक' के बैनर तले प्रोड्यूस किया है। इसका निर्देशन जो राजन द्वारा किया गया है और इसे अभिनेत्री पूजा बत्रा ने एलायंस मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से प्रोड्यूस किया है। कान्स जैसे अंतरराष्ट्रीय मंच पर सराहना मिलने के बाद अब यह फिल्म बहुत जल्द सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।

20-मिनट की इस इमोशनल ड्रामा ने 80 से अधिक अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार जीतकर वैश्विक स्तर पर नाम कमाया है। इसमें दीपक तिजोरी ने बेस्ट एक्टर और यूलिया वंतूर ने बेस्ट एक्ट्रेस के कई पुरस्कार जीते हैं।

पंजाब को ड्रग-फ्री बनाने के लिए आगे आए यो यो हनी सिंह, तरुण चुग संग की खास बैठक

मुंबई। पंजाब लंबे समय से नशे की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। खास तौर पर 'चिट्टा' यानी हेरोइन ने प्रदेश के हजारों युवाओं की जिंदगी को प्रभावित किया है। अब इस मुद्दे को लेकर मशहूर पंजाबी रैपर और सिंगर यो यो हनी सिंह खुलकर सामने आए हैं। उन्होंने इस मामले पर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुग से चर्चा की। इस मुलाकात का वीडियो और तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं।

दरअसल, हनी सिंह खुद भी अपने जीवन में नशे की समस्या से गुजर चुके हैं। उन्होंने पहले भी कई बार खुलकर बताया है कि एक समय ऐसा था जब वह नशे के आदि हो चुके थे। इसी वजह से उन्हें लंबे समय तक संगीत की दुनिया से दूर रहना पड़ा। कई सालों के संघर्ष और इलाज के बाद उन्होंने दोबारा वापसी की।

तरुण चुग के कार्यालय द्वारा शेयर किए गए वीडियो में हनी सिंह कहते दिखाई दे रहे है, ''मैं आपसे पंजाब में जो हो रहा है, उसके बारे में बात करना चाहता हूं। खास तौर पर 'चिट्टा' के बारे में, जिसने युवाओं और परिवारों को बर्बाद कर दिया है। हम इस पर विचार कर रहे हैं कि पंजाब को इस नशे से कैसे बाहर निकाला जाए। इस दिशा में पहले से काम हो रहा है और इस मुद्दे पर चर्चा भी की जा चुकी है, लेकिन अब और ज्यादा जागरूकता और प्रयास की जरूरत है।''

इसके बाद वीडियो में तरुण चुग ने हनी सिंह की जमकर तारीफ की। उन्होंने हनी सिंह को 'पंजाब का बेटा' कहा। वीडियो में उन्होंने कहा, ''हनी सिंह ने दुनिया भर में अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने बॉलीवुड से हॉलीवुड तक का सफर तय किया है, उनकी जिंदगी युवाओं के लिए एक बड़ी प्रेरणा है। एक इंसान मेहनत से सफलता की ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है, लेकिन अगर वह गलत रास्ते पर चला जाए, तो जिंदगी पूरी तरह बदल जाती है।''

चुग ने कहा, ''हनी सिंह ने भी मुश्किल दौर देखा, लेकिन आठ साल तक संघर्ष करने के बाद उन्होंने दोबारा वापसी की और फिर से संगीत की दुनिया में नंबर वन बने।''

भाजपा नेता ने पंजाब की हालत पर चिंता जताते हुए कहा, ''आज राज्य नशे की गिरफ्त में है। पंजाब गुरुओं, पीरों और संतों की धरती है, लेकिन 'चिट्टा' की लहर युवाओं को सुनामी की तरह खत्म कर रही है। पांच नदियों की धरती पंजाब की पहचान दूध, दही और लस्सी से रही है, लेकिन अब ड्रग्स ने उसकी छवि को नुकसान पहुंचाया है। चुग ने हनी सिंह से खास अपील भी की। उन्होंने कहा, ''भगवान और गुरुओं का आशीर्वाद हनी सिंह की आवाज में है और वह अपने गानों और शब्दों के जरिए युवाओं को प्रेरित कर सकते हैं। उनको अपनी लोकप्रियता का इस्तेमाल पंजाब के बच्चों और युवाओं को नशे से बाहर निकालने के लिए करना चाहिए। तरुण चुग ने कहा कि अगर हनी सिंह खुद नशे की दुनिया से बाहर आ सकते हैं।

दिव्यांका त्रिपाठी के घर आए 'करण-अर्जुन', सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर कर दी जुड़वां बच्चों की खुशखबरी

मुंबई। टेलीविजन की मशहूर और लोकप्रिय अभिनेत्री दिव्यांका त्रिपाठी के घर पर एक साथ दोहरी खुशियों ने दस्तक दी है। अभिनेत्री ने दो जुड़वा बच्चों को जन्म दिया, जिसकी खबर आते ही उनके चाहनेवालों की बधाईयों का ताता लग गया।

मंगलवार को अभिनेत्री और उनके पति विवेक दहिया ने इंस्टाग्राम के जरिए इस खुशखबरी की जानकारी दी। दोनों ने एक प्यारी तस्वीर पोस्ट की, जिसमें दो छोटे-छोटे बच्चे हल्के नीले रंग के कपड़ों में नजर आ रहे हैं। पोस्ट में उन्होंने बताया कि उनके घर दो जुड़वां बच्चे हुए हैं। अभिनेत्री ने लिखा, 'इंतजार आखिरकार खत्म हो गया... 'लड़के' आ गए हैं और जिंदगी अब पहले से भी ज्यादा खूबसूरत लग रही है। विवेक ने लिखा, 'मेरे करण-अर्जुन आ गए। नए माता-पिता वाले खूबसूरत सफर की शुरुआत पर मुझे और दिव्या को आप सभी का प्यार और आशीर्वाद चाहिए।' इस पोस्ट के सामने आते ही सोशल मीडिया पर बधाइयों का तांता लग गया। दिव्यांका और विवेक के फैंस के साथ-साथ टेलीविजन इंडस्ट्री के तमाम बड़े कलाकारों ने भी इस जोड़े को माता-पिता बनने पर ढेर सारी शुभकामनाएं दीं। अभिनेत्री सिरेन मिर्जा, शालिनी कपूर, भोजपुरी अभिनेत्री मोना सिंह, सुरभि ज्योति, युविका चौधरी, गायक सुधीर यदुवंशी और कॉमेडियन-अभिनेत्री जेमी लीवर, हितेन तेजवानी और पंखुरी समेत कई कलाकारों ने कमेंट सेक्शन पर बधाई दी।

फीफा वर्ल्ड कप में शकीरा की धमाकेदार वापसी, अमीषा पटेल ने तारीफ में कसीदे गढ़े

मुंबई। शकीरा ने एक बार फिर फीफा वर्ल्ड कप में धमाकेदार वापसी की है। शकीरा के इसी अंदाज और जलवे को देखकर अमीषा पटेल खुद को उनकी तारीफ करने से रोक नहीं पाईं।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर शकीरा का स्टेडियम में डांस करते हुए एक वीडियो क्लिप पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने उनकी एनर्जी की जमकर सराहना की। वीडियो में शकीरा स्पोर्टी आउटफिट में सहज अंदाज में डांस करती दिख रही हैं।

इस क्लिप को शेयर करते हुए अमीषा ने लिखा, 'वाह शकीरा, 49 साल की उम्र में भी तुम कमाल हो। तुम्हारा डांस, ड्रेसिंग और तुम्हारा लुक- तुम 25 साल की उम्र से भी ज्यादा शानदार दिखती हो।'

बता दें कि शकीरा एक प्रसिद्ध कोलंबियाई गायिका, गीतकार और डांसर हैं, जिन्हें 'लैटिन संगीत की रानी' माना जाता है। वह अपनी शानदार आवाज और बेली डांस के लिए दुनियाभर में मशहूर हैं। उनके 'वाका वाका' और 'हिप्स डोंट लाइ' जैसे गानों ने उन्हें वैश्विक पहचान दिलाई।

उन्होंने 1990 के दशक में लैटिन संगीत की दुनिया में कदम रखा। वह चार अलग-अलग दशकों में नंबर-वन एल्बम देने वाली दुनिया की पहली महिला कलाकार हैं। उन्होंने मात्र 14 साल की उम्र में 'सोनी म्यूजिक कोलंबिया' के साथ अपना रिकॉर्डिंग करियर शुरू किया। उनका पहला बड़ा सफल एल्बम 'पाइज डेस्काल्जोस' था।

अभिनेत्री अमीषा पटेल की बात करें तो उन्होंने भारतीय फिल्मों में 2000 में ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कहो ना... प्यार है' से शुरुआत की थी। उनकी हिट फिल्मों में 'कहो ना... प्यार है' (2000), 'गदर: एक प्रेम कथा' (2001), 'हमराज' (2002) और 'भूल भुलैया' (2007) शामिल हैं। बाद के वर्षों में उन्होंने 'गदर 2' (2023) में भी अपनी भूमिका दोहराई, जो बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट रही।

अभिनेत्री एक गुजराती परिवार से आती हैं। उनके दादा बैरिस्टर रजनी पटेल एक प्रसिद्ध वकील और कांग्रेस पार्टी के नेता थे, जो पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के काफी करीबी माने जाते थे।

जैस्मीन सैंडलस लेकर आ रहीं 'द ड्रीम गर्ल इंडिया टूर', बोलीं- 'फैंस के साथ दिल से जुड़ना चाहती हूं'

मुंबई। पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री से लेकर बॉलीवुड तक अपनी अलग पहचान बना चुकीं जैस्मीन सैंडलस एक बार फिर चर्चा में हैं। दरअसल, अब वह अपने लाइव परफॉर्मेंस के जरिए देशभर के दर्शकों से सीधे जुड़ने जा रही हैं। सिंगर ने अपने नए 'द ड्रीम गर्ल इंडिया टूर' का ऐलान कर दिया है, जिसे लेकर फैंस काफी उत्साहित नजर आ रहे हैं।

जैस्मीन सैंडलस ने इस टूर को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, ''यह सिर्फ बड़े स्टेज या बड़ी जगहों पर परफॉर्म करने का मौका नहीं है, बल्कि यह मेरे और मेरे फैंस के बीच एक खास रिश्ता बनाने जैसा है। मेरा म्यूजिक का सफर हमेशा बिना किसी दिखावे के रहा है और मैं अपने दिल की बात गानों के जरिए लोगों तक पहुंचाती रही हूं। फैंस ने हर दौर में मेरा साथ दिया है, और यही वजह है कि मैं इस टूर को सिर्फ एक कॉन्सर्ट नहीं, बल्कि एक भावनात्मक अनुभव बनाना चाहती हूं।''

सिंगर ने आगे कहा कि 'द ड्रीम गर्ल इंडिया टूर' के जरिए मैं ऐसा माहौल तैयार करना चाहती हूं, जहां हजारों लोगों की भीड़ होने के बावजूद हर व्यक्ति खुद को मुझसे जुड़ा हुआ महसूस करे। इस बार मैं अपना जोशीला अंदाज लेकर स्टेज पर आने वाली हूं। मेरी उम्मीद है कि भारत के लोग भी उतने ही जोश और प्यार के साथ मेरा स्वागत करेंगे। यह टूर दर्शकों के लिए संगीत को महसूस करने का अनुभव होगा।''

इस टूर का नाम 'द ड्रीम गर्ल' भी खास मायने रखता है।

यह नाम जैस्मीन की जिंदगी और उनके संघर्ष भरे सफर को दर्शाता है। एक समय था जब वह सिर्फ गीत लिखती थीं और धीरे-धीरे अपनी मेहनत और टैलेंट के दम पर आज इंटरनेशनल स्तर पर पहचान बना चुकी हैं। यह टूर उनके इसी सफर को सेलिब्रेट करने का एक तरीका है।

जानकारी के मुताबिक, यह मल्टी-सिटी टूर जुलाई और अगस्त के दौरान आयोजित किया जाएगा। इस दौरान जैस्मीन दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, बेंगलुरु और चंडीगढ़ जैसे बड़े शहरों में लाइव परफॉर्म करेंगी।

माना जा रहा है कि आने वाले दिनों में कुछ और शहरों के नाम भी इस लिस्ट में जोड़े जा सकते हैं। देशभर के फैंस अब जैस्मीन के लाइव शो का इंतजार कर रहे हैं।

चंकी पांडे पहुंचे अमेरिकी गृह युद्ध के ऐतिहासिक मैदान पर, तस्वीरें शेयर कर फैंस को दी खास सलाह

मुंबई। अभिनेता चंकी पांडे इन दिनों अमेरिका की यात्रा पर हैं। मंगलवार को उन्होंने अपनी इस खास और ऐतिहासिक ट्रिप की झलकियां प्रशंसकों के साथ शेयर की।

चंकी पांडे अमेरिका के प्रसिद्ध 'फर्स्ट बैटल ऑफ बुल रन' मैदान को देखने पहुंचे। अभिनेता ने इस ऐतिहासिक जगह की कुछ शानदार तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट कीं, जिनमें वे वादियों और ऐतिहासिक स्मारकों का आनंद लेते नजर आ रहे हैं। उन्होंने लिखा, 'अमेरिकी गृह युद्ध की पहली लड़ाई 'फर्स्ट बैटल ऑफ बुल रन' यहां लड़ी गई थी।

इसी के साथ ही चंकी ने अमेरिका में रह रहे या वहां घूमने जाने वाले लोगों को एक बेहतरीन सलाह देते हुए लिखा, 'अगर आप डीएमवी (वॉशिंगटन डीसी, मैरीलैंड और वर्जीनिया) इलाके में हैं, तो यह जगह जरूर घूमने जाएं। साथ ही नेशनल हार्बर भी देखने लायक जगह है। अमेरिकी गृह युद्ध की पहली बड़ी लड़ाई (फर्स्ट बैटल ऑफ बुल रन) वर्जीनिया राज्य के मनसास शहर के पास लड़ी गई थी। यह स्थान वाशिंगटन डी.सी. से लगभग 30 मील (48 किलोमीटर) दक्षिण-पश्चिम में स्थित था। इस युद्ध में कॉन्फेडरेट (दक्षिणी) सेना विजयी हुई थी, जिससे दोनों पक्षों को यह एहसास हुआ था कि यह युद्ध लंबा और बेहद खूनी होगा।

चंकी पांडे जल्द ही डेविड धवन की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है।

क्वाड की राय, 'आतंकवाद से निपटने के लिए निर्णायक और निरंतर अंतरराष्ट्रीय प्रयास जरूरी'

नई दिल्ली। क्वाड देशों ने आंतकवाद के हर रूप और तरीके की निंदा की। मंगलवार को भारत की राष्ट्रीय राजधानी में संपन्न हुई बैठक में अंतरराष्ट्रीय बिरादरी से भी निर्णायक और निरंतर प्रयास करने की अपील की गई।

मंगलवार को नई दिल्ली में क्वाड के विदेश मंत्रियों की बैठक में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि क्वाड दक्षिण-पूर्व एशिया और आस-पास के इलाकों में ऑनलाइन स्कैम सेंटर के बढ़ने को लेकर चिंतित है। ये एक देश तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि दूसरे देशों तक भी इनका प्रसार हो गया है। इन अपराधों में मानव तस्करी, ड्रग्स तस्करी, सेक्सुअल एक्सटॉर्शन, गैर-कानूनी फाइनेंसिंग और साइबर क्राइम के मामले भी शामिल हैं।

संयुक्त बयान में इन अपराधों का सामना करने के लिए सम्मिलित प्रयास और नियमों में सहयोग पर जोर दिया गया। इसका मकसद साझेदार देशों की क्षमता को

बढ़ाने का है ताकि वे ऑनलाइन ठगी (स्कैम) सेंटरों और उनसे जुड़े अंतरराष्ट्रीय संगठित अपराधों से बेहतर तरीके से निपट सकें और उन्हें रोक सकें।

क्वाड विदेश मंत्रियों की बैठक में भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने कहा, 'वे विशेष रूप से सीमा पार आतंकवाद को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त करते हैं। भारत में 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम और ऑस्ट्रेलिया के बोंडी बीच में 14 दिसंबर 2025 को हुए आतंकी हमलों की भी निंदा की। हम अंतरराष्ट्रीय नियमों के अनुसार आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक प्रयासों को और निरंतर और निर्णायक बनाने का आह्वान करते हैं।' क्वाड देशों ने कहा कि आतंकवाद से लड़ने के लिए अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत सख्त और निरंतर कार्रवाई जरूरी है, जिसमें वैश्विक स्तर पर प्रतिबंधित आतंकियों, उनके संगठनों, समर्थकों और फंडिंग नेटवर्क के खिलाफ कदम शामिल हों। उन्होंने यह भी कहा कि वे अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय साझेदारों के साथ मिलकर आतंकवाद से निपटने की क्षमता को मजबूत करेंगे, खासकर उन खतरों के खिलाफ जो नए तकनीकी साधनों के जरिए फैल रहे हैं।

इसके साथ ही क्वाड देशों ने दक्षिण-पूर्व एशिया में ऑनलाइन ठगी केंद्रों के बढ़ते खतरे पर भी चिंता जताई। ये नेटवर्क मानव तस्करी, ड्रग्स, यौन शोषण, अवैध वित्तीय गतिविधियों और साइबर अपराध जैसे कई अंतरराष्ट्रीय अपराधों से जुड़े हुए हैं।

क्वाड ने कहा कि वे कानून प्रवर्तन और नियामक सहयोग को मजबूत करेंगे ताकि इन अपराधों और ऑनलाइन स्कैम नेटवर्क को रोका जा सके।

लेबनान पर इजरायली हमले जारी, आईडीएफ ने नबातीह में घर खाली करने की दी चेतावनी

बेरूत। दक्षिणी लेबनान पर इजरायली हमले जारी हैं। इस बीच इजरायली सेना ने एक्स पर हिब्रू भाषा में बयान जारी कर नबातीह के लोगों को तुरंत अपने घर खाली कराने का आदेश जारी किया गया है। इजरायली मिलिट्री के एक प्रवक्ता ने एक्स पर अरबी में बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि इजरायली मिलिट्री ने दक्षिणी लेबनान के शहर नबातीह के लोगों को तुरंत अपने घर खाली करने और ज़हरानी नदी के उत्तर में जाने का आदेश दिया है।

इसमें कहा गया, 'जो कोई भी हिज्बुल्लाह के गुर्गों, ठिकानों या मिलिट्री के सामान के पास रहता है, वह अपनी जान जोखिम में डाल रहा है।' इस बीच आईडीएफ ने एक्स पोस्ट में दावा किया कि उसने सोमवार रात भर लेबनान में 100 से ज्यादा ठिकानों पर हमले किए, जिसमें बेका वैली और दक्षिणी लेबनान के अलग-अलग हिस्से

शामिल हैं। इसमें कहा गया कि हमलों में हिज्बुल्लाह के हथियार डिपो, ऑब्जर्वेशन पोस्ट और कमांड सेंटर को निशाना बनाया गया। आईडीएफ ने मशघरा क्षेत्र में कई हमले करने की बात भी स्वीकार की। लेबनान की नेशनल न्यूज एजेंसी ने यहां 12 लोगों के मारे जाने की खबर दी।

एक दिन पहले यानी 25 मई को लेबनान ने 'रेजिस्टेंस एंड लिबरेशन डे' का जश्न मनाया। ये दिवस वर्ष 2000 में दक्षिणी लेबनान पर 22 साल के इजरायली कब्जे को समाप्त करने की याद में मनाया जाता है। इस दिन राष्ट्रपति जोसेफ औन ने कहा कि लेबनान की सबसे बड़ी मांग इजरायली सेना की पूर्ण वापसी है। उनके मुताबिक सरकार बातचीत के जरिए इस लक्ष्य को हासिल करने की कोशिश में जुटी है। रिष्ट्रपति के अनुसार, यह बातचीत किसी समझौते या आत्मसमर्पण के लिए नहीं हो रही, बल्कि लेबनान की जमीन, संप्रभुता और सुरक्षा के अधिकार को स्थापित और मजबूत करने के लिए हो रही है।

संक्षिप्त खबर

स्पेन में हंतावायरस का नया पॉजिटिव केस, क्वारंटाइन स्पेनिश यात्रियों में एक और संक्रमित

मैड्रिड। स्पेन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने 14 स्पेनिश नागरिकों में हंतावायरस संक्रमण का एक नया पॉजिटिव मामला सामने आने की पुष्टि की है। ये नागरिक एमवी होंडियस क्रूज जहाज के यात्रियों में शामिल थे, जो अप्रैल में अटलांटिक महासागर पार करते समय इस बीमारी के प्रकोप से प्रभावित हुआ था। `जहाज पर सवार 14 स्पेनिश नागरिकों को 10 मई को टेनेरिफ द्वीप से बेहद सख्त निगरानी वाले ऑपरेशन के तहत निकाला गया था और तब से वे मैड्रिड के गोमेज उल्ला सेंट्रल डिफेंस हॉस्पिटल में एहतियाती क्वारंटाइन में हैं। मंत्रालय के अनुसार, यह नया पॉजिटिव मामला पहले से लागू आइसोलेशन और कंट्रोल सिस्टम के तहत किए गए रूटीन पीसीआर टेस्ट के दौरान सामने आया। मंत्रालय ने बताया कि मरीज में फिलहाल कोई लक्षण नहीं दिख रहे हैं। उसे अस्पताल की हाई-लेवल आइसोलेशन यूनिट (यूएटीएएन) में शिफ्ट कर दिया गया है, जहां वह विशेष मेडिकल निगरानी और सख्त बायोसेफ्टी प्रोटोकॉल के तहत है।

दक्षिणी ईरान में मिसाइल ठिकानों और सुरंग बिछाने वाली नौकाओं पर अमेरिकी सेना का हमला

वाशिंगटन। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने बताया कि अमेरिकी सेना ने सोमवार को दक्षिणी ईरान में मिसाइल लॉन्च साइट्स और बारूदी सुरंगें बिछाने वाली नौकाओं पर हमला किया।

सिन्हुआ न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक, सेंट्रल कमांड के प्रवक्ता टिम हॉकिन्स ने बयान में कहा, 'अमेरिकी सैनिकों की सुरक्षा के लिए दक्षिणी ईरान में आत्मरक्षा के तहत कार्रवाई की गई। ईरानी बलों से खतरा था, इसलिए यह कदम उठाया गया।' उन्होंने बताया कि निशानों में मिसाइल लॉन्च साइट्स और वे ईरानी नौकाएं शामिल थीं जो समुद्र में बारूदी सुरंगें लगाने की कोशिश कर रही थीं। उन्होंने आगे कहा, 'सीजफायर के दौरान भी अमेरिकी सेंट्रल कमांड अपने सैनिकों की सुरक्षा कर रहा है और संयम बरत रहा है।' इन हमलों से पहले से ही कमजोर चल रहे युद्धविराम पर खतरा बढ़ गया है। यह सीजफायर आठ अप्रैल से लागू हुआ था। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध खत्म करने के लिए समझौते की कोशिशें चल रही हैं। इस युद्ध की वजह से वैश्विक अर्थव्यवस्था पर असर पड़ा है और तेल और ऊर्जा सप्लाई में भारी रुकावट आई है। ईरान ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के जरिए होने वाली खाड़ी की समुद्री आवाजाही पर अपना नियंत्रण बनाए रखा है, जबकि अमेरिकी नौसेना ईरानी बंदरगाहों की नाकेबंदी कर रही है।

भारत दौरा संपन्न कर अमेरिका के विदेश मंत्री रूबियो आर्मेनिया रवाना

नई दिल्ली। चार दिवसीय भारत दौरा संपन्न कर अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो आर्मेनिया के लिए रवाना हो गए। मंगलवार को क्वाड बैठक में हिस्सा लेने के बाद उन्होंने आर्मेनिया का रुख किया।

उनकी यात्रा से पहले राजधानी येरेवन में मौजूद अमेरिकी दूतावास ने बयान जारी कर बताया कि रूबियो 26 मई को कूटनीति और द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा के लिए अलग-अलग बैठकें करेंगे।

दौरे के दौरान रूबियो की मुलाकात अपने आर्मेनियाई समकक्ष अरारात मीरजोयान से होगी। दोनों नेताओं के बीच बातचीत के बाद संयुक्त प्रेस बयान जारी किए जाने की भी उम्मीद है। दूतावास के अनुसार, कार्यक्रम में दोनों देशों के बीच

कुछ द्विपक्षीय दस्तावेजों पर हस्ताक्षर भी शामिल हैं।

भारत की उनकी यात्रा 23 मई को कोलकाता से शुरू हुई थी। इसके बाद वो नई दिल्ली पहुंचे, यहां पर एस. जयशंकर के साथ द्विपक्षीय बैठक की, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अहम मुलाकात की, फिर पत्नी जेनेट डी. रूबियो के साथ ताजमहल का दीदार करने आगरा पहुंचे।

रूबियो दंपति जयपुर भी गया, जहां पारंपरिक अंदाज में उनका स्वागत किया गया। आमेर के किले को भी वो देखने गए। मंगलवार सुबह ही दिल्ली क्वाड बैठक में भाग लेने के लिए राष्ट्रीय राजधानी पहुंचे थे। उन्होंने इस बैठक को बहुउपयोगी और सफल बताया।

बैठक में रूबियो ने कहा कि क्वाड अब सिर्फ समस्याओं पर चर्चा करने वाला मंच नहीं रह गया है, बल्कि यह साझेदारी अब ठोस कार्रवाई की दिशा की ओर अग्रसर है। उन्होंने मेजबानी के लिए भारत और विदेश मंत्री एस. जयशंकर का धन्यवाद किया। साथ ही कहा कि भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया अब अपनी-अपनी क्षमताओं का इस्तेमाल करते हुए कई अहम वैश्विक मुद्दों पर मिलकर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले तीन दिनों में मैं सिर्फ मंत्री जयशंकर और भारतीय सरकार का धन्यवाद करना चाहता हूं, जिन्होंने हमारी मेजबानी की।

अमेरिकी सैन्य ठिकानों की ढाल नहीं बनेंगे अब खाड़ी देश : मोजतबा खामेनेई

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने मंगलवार को एक संदेश जारी किया। इसमें उन्होंने हज की अहमियत के साथ ही ईरान विरोधी ताकतों को सचेत रहने की चेतावनी दी है।

मंगलवार सुबह जारी किए गए उनके संदेश में ईरान और अन्य मुस्लिम देशों के संघर्ष का भी जिक्र है। बाद में खामेनेई के कार्यालय ने इसे एक्स पर पोस्ट किया। जिसमें कहा गया, 'समय का पहिया पीछे नहीं घूमता। खाड़ी देशों की ताकतें अब अमेरिकी सैन्य ठिकानों के लिए ढाल नहीं बनेंगी और अमेरिका को अब इस क्षेत्र में साजिशें रचने और ठिकाने बनाने के लिए कोई सुरक्षित जगह नहीं मिलेगी।' सुप्रीम लीडर ने मुस्लिम जगत से अपील की कि वे हज को अमेरिका और इजरायल के खिलाफ वैश्विक विरोध का मौका बनाएं। इसके साथ ही सर्वोच्च नेता ने सभी इस्लामी देशों से एकजुट होकर 'नई इस्लामिक सभ्यता' बनाने का आह्वान

किया है। उन्होंने ईरानी जायरीनों से कहा कि वे 'थोपे गए तीसरे युद्ध' की जीत की कहानी अन्य मुस्लिम भाई-बहनों को सुनाएं। साथ ही फिलिस्तीन और अल-अक्सा मस्जिद की मुक्ति साथ ही अमेरिका के खिलाफ अंतिम जीत के लिए प्रार्थना करें।' शांति का संदेश देते हुए उन्होंने 'सुप्रीम पावर' का नाम जपते रहने की सलाह दी। उनके मुताबिक उनका नाम इंसानों को शैतान और उसके सहायकों की बेड़ियों से मुक्त होने, ईश्वरीय कर्तव्यों को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास करने और स्वार्थ तथा सांसारिक इच्छाओं से ऊपर उठकर दुनियावी और शाश्वत सुख प्राप्त करने का मार्ग दिखाता है।

अहमदिया धार्मिक स्थल का अपमान, मानवाधिकार संगठन ने जताया विरोध

लंदन। पाकिस्तान में अल्पसंख्यक समुदाय को एक बार फिर निशाना बनाया गया है। अहमदिया समुदाय के धार्मिक स्थल का कथित अपमान करने के बाद प्रशासन की शय पर अहमदिया शख्स के साथ मारपीट की गई। एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन ने इसकी कड़ी निंदा की है। संगठन ने चेतावनी दी है कि दबाव में आकर अहमदिया धार्मिक स्थलों को निशाना बनाना देश में बढ़ती असहिष्णुता को दर्शाता है।

यूके स्थित इंटरनेशनल ह्यूमन राइट्स कमिटी (आईएचआरसी) ने कहा कि यह घटना पाकिस्तान में एक बड़े पैटर्न का हिस्सा है, जहां कट्टरपंथी समूहों और स्थानीय दबाव के कारण अहमदिया समुदाय के धार्मिक स्थलों को बार-बार निशाना बनाया जाता

है। संगठन ने चिंता जताते हुए कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि पाकिस्तानी अधिकारी अल्पसंख्यक समुदाय की सुरक्षा करने के बजाय भीड़ के दबाव में काम कर रहे हैं।

आईएचआरसी के अनुसार, 'किसी धार्मिक स्थल को नष्ट करना या उसमें बदलाव करना धार्मिक स्वतंत्रता का गंभीर उल्लंघन है और इससे अहमदिया समुदाय में डर और असुरक्षा का माहौल बनता है, जो पहले से ही भेदभाव का सामना कर रहा है।'

रिपोर्ट में कहा गया कि 14 मई को करुंडी क्षेत्र में विरोध प्रदर्शन हुआ, जिसमें प्रदर्शनकारियों ने सड़क जाम कर दी और जमालपुर स्थित अहमदिया धार्मिक स्थल के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। उन्होंने वहां मीनारों को गिराने और प्रार्थना स्थल को बंद करने की मांग की।

भारत-इजरायल साझेदारी साझा मूल्यों पर आधारित है : इजरायली राजदूत

यरुशलम/नई दिल्ली। भारत-इजरायल के बीच खास और अनोखे संबंध पर जोर देते हुए, भारत में इजरायल के राजदूत रियूवेन अजार ने मंगलवार को कहा कि दोनों देशों के बीच साझेदारी छह मुख्य मूल्यों पर आधारित है। इनमें सभ्यतागत लचीलापन, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई, लोकतांत्रिक नियम, इनोवेशन, धार्मिक सहनशीलता और सबको साथ लेकर चलने वाला विकास शामिल हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा किए गए एक वीडियो मैसेज में, अजार ने कहा, 'इजरायल और भारत के बीच का संबंध बहुत खास और अनोखा है। जब मैंने इसके बारे में सोचा, तो मैं इस नतीजे पर पहुंचा कि हमारे इतने शानदार संबंध का कारण छह मुख्य मूल्य हैं।' उन्होंने कहा, पहला है सभ्यता की मजबूती और राष्ट्रीय

पुनरुत्थान। उन्होंने आगे कहा, 'सदियों से, हमारी सभ्यताओं पर विदेशी ताकतों ने हमला किया, हमारी पहचान को निशाना बनाया गया और पूरे इतिहास में, हमारी पहचान छीनने की कोशिश की गई। लेकिन एक हजार साल से भी ज्यादा समय तक हमें जिस मुश्किल से गुजरना पड़ा, उसके बावजूद हम बच गए; हमारी पहचान बच गई और यही बात हम सब में एक जैसी है। हम सभी आधुनिक देशों में हैं, जो अपनी पहचान, व्यक्तिगत और राष्ट्रीय, दोनों को फिर से जिंदा कर रहे हैं।' अजार ने कहा कि दोनों देश दुनिया भर में कट्टरपंथ की बढ़ती लहर का सामना कर रहे हैं, खासकर कट्टरपंथी इस्लाम का। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग का दूसरा आधार आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई है। हम दुनिया भर में कट्टरपंथ की लहर का सामना कर रहे हैं, खासकर कट्टरपंथी इस्लाम से आ रही है, जो हमारे देश और हमारे देश के अस्तित्व के लिए खतरा है। और हमने उस खतरे से निपटने के लिए जरूरी तरीके बनाने के लिए दशकों से साथ मिलकर काम किया है।

भारत को दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र बताते हुए, अजार ने जोर दिया कि तीसरा फैक्टर साझा लोकतांत्रिक मूल्य हैं। उन्होंने कहा कि बोलने की आजादी और उद्यमिता की आजादी दोनों सिस्टम में मौजूद एक आजाद भावना को दिखाती है और संबंध को और मजबूत करती है।

ईरान ने संवर्धित यूरेनियम को देश से बाहर भेजने पर कोई सहमति नहीं दी : रिपोर्ट

तेहरान। ईरान ने साफ किया है कि उसने अपने संवर्धित यूरेनियम को देश से बाहर भेजने पर कोई सहमति नहीं दी है। ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम ने उन खबरों को गलत बताया है, जिनमें दावा किया गया था कि ईरान अपने उच्च स्तर के संवर्धित यूरेनियम को दूसरे देश में भेजने के लिए तैयार है।

दरअसल, सऊदी अरब के चैनल अल हदाथ ने एक रिपोर्ट में कहा था कि तेहरान और वाशिंगटन के बीच संभावित समझौते को लेकर बातचीत चल रही है और ईरान यूरेनियम बाहर भेजने के लिए तैयार हो सकता है। लेकिन तस्नीम एजेंसी ने अपनी जांच के बाद कहा कि यह दावा सही नहीं है।

एजेंसी के अनुसार, अमेरिका

और ईरान के बीच जिस समझौता ज्ञापन यानी एमओयू पर चर्चा हो रही है, उसमें कहीं भी यह नहीं लिखा है कि ईरान अपने परमाणु पदार्थों को देश से बाहर भेजेगा। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि ईरान ने परमाणु गतिविधियों को लेकर कोई नया वादा नहीं किया है।

तस्नीम के अनुसार, सऊदी मीडिया की ऐसी खबरें अमेरिका की 'मनोवैज्ञानिक रणनीति' का हिस्सा हो सकती हैं, जिनका मकसद बातचीत के माहौल को प्रभावित करना है।

फिलीपींस के सक्रिय ज्वालामुखी से टकराया उल्कापिंड, कैमरे में कैद हुई अद्भुत घटना

मनीला। फिलीपींस के आकाश में सोमवार रात अद्भुत दृश्य दिखा। आसमान से अंधेरे को चीरता उल्कापिंड सक्रिय मायोन ज्वालामुखी से टकराता दिखा। कैमरे ने इस घटना को कैद कर लिया।

फिलीपीन इंस्टीट्यूट ऑफ वोल्केनोलॉजी एंड सीस्मोलॉजी (फिवोल्क्स) यानी ज्वालामुखी विज्ञान संस्थान के अनुसार, सोमवार शाम (25 मई) को मायोन ज्वालामुखी की ढलानों के ऊपर से एक उल्का पिंड (मेटियोर) गुजरते हुए रिकॉर्ड किया गया।

फिवोल्क्स ने बताया कि उसके लिग्नॉन हिल आईपी कैमरे ने (रात लगभग 10:33 बजे) ज्वालामुखी की उत्तरी ढलानों के ऊपर इस घटना को कैद किया। इसमें ज्वालामुखी

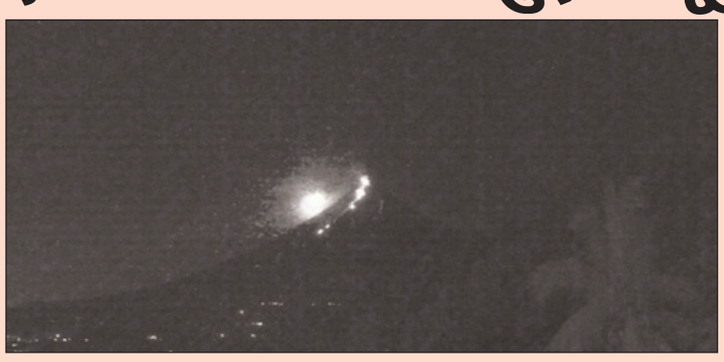

के पीछे से एक दुर्लभ हरे रंग का उल्कापिंड तेजी से गुजरता हुआ देखा जा सकता है; इससे आकाश में गजब का नजारा दिखा।

पहले से ही सक्रिय ज्वालामुखी से पिछले 140 दिनों से लगातार लावा निकल रहा था। रात में ज्वालामुखी से कुछ छोटे-छोटे विस्फोट भी हुए, जिनसे गर्म राख, गैस और पत्थर तेजी से नीचे की तरफ बहने लगे।

फिवोल्क्स ने बताया कि शाम करीब 7:20 और 7:26 बजे राख और गर्म मलबे के तेज बहाव देखे गए, जबकि 7:25 बजे हल्का विस्फोट हुआ, जिसमें चमकदार लावा ऊपर उछला। फिलहाल ज्वालामुखी पर अलर्ट लेवल 3 लागू है। इसका मतलब है कि ज्वालामुखी में हलचल बढ़ी हुई है और कभी भी खतरनाक विस्फोट हो सकता है। इसलिए लोगों को ज्वालामुखी के आसपास 6 किलोमीटर के खतरे वाले क्षेत्र में जाने से मना किया गया है। मई की शुरुआत में ही फिलीपींस में, मायोन ज्वालामुखी फट गया था जिसके बाद राजधानी मनीला के दक्षिणी क्षेत्र से हजारों लोगों को निकाला गया। तब भी ज्वालामुखी विज्ञान संस्थान ने अलर्ट स्तर-3 जारी किया था। अल्बे प्रांत के कई कस्बों में बड़ी मात्रा में राख गिरने से यातायात भी बाधित हो गया था।

नारकोटिक्स सेल ने ड्रग्स बनाने वाली फैक्ट्री का किया पर्दाफाश, 50 करोड़ की ड्रग्स बरामद

मुंबई। मुंबई नारकोटिक्स सेल ने ड्रग्स बनाने वाली एक फैक्ट्री के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। इस दौरान करीब 50 करोड़ की ड्रग्स बरामद की गई। अधिकारियों के मुताबिक, ड्रग्स बनाने की प्रक्रिया में जुड़े सभी लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

मुंबई नारकोटिक्स सेल को सूचना मिली थी कि शहर में अवैध रूप से ड्रग्स की फैक्ट्री संचालित की जा रही है, जिसे देखते हुए फौरन संबंधित सेल की ओर से एक टीम का गठन किया गया। इसके बाद इस फैक्ट्री का खुलासा हुआ, जहां पर बड़े पैमाने पर ड्रग्स बनाने का कार्य चल रहा था। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने में जुटी हुई है और यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इसके पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस का स्पष्ट कहना है कि किसी भी आरोपी को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। `अधिकारियों ने कार्रवाई के दौरान मौके से भारी मात्रा में ड्रग्स बरामद की और उन सामग्रियों को भी जब्त किया है, जो अमूमन ड्रग्स बनान में इस्तेमाल की जाती हैं। पुलिस मौके से भारी मात्रा में बरामद ड्रग्स की मात्रा का पता लगाने की कोशिश कर रही है, ताकि पूरी तस्वीर साफ हो सके। अधिकारियों के लिए ड्रग्स की उचित मात्रा का पता लगाना जरूरी हो जाता है, क्योंकि बिना इसके किसी भी ठोस नतीजे पर पहुंचना मुश्किल है। मौके से कारतूस भी बरामद किए गए। इसके बाद से पुलिस का शक और गहरा गया है। पुलिस को इस बात की आशंका है कि कहीं ये आरोपी किसी संगठित अपराध में शामिल तो नहीं थे। खैर, पुलिस अब इस पूरे मामले की विभिन्न पहलुओं से पूरी जांच पड़ताल कर रही है। इसके बाद ही पूरी तस्वीर साफ हो पाएगी।

ताऊ के साथ चल रहा था संपत्ति का विवाद, नहीं मिला समाधान, तो टंकी पर चढ़ा युवक

बदायूं। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के वजीरगंज थाना क्षेत्र में 16 वर्षीय एक युवक पारिवारिक कलह से इस कदर नाराज हो गया कि वो पानी की टंकी पर चढ़ गया।

यह टंकी जल जीवन मिशन की ओर से लगाई थी। इसकी सूचना प्रशासन को दी गई। जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंची प्रशासन की टीम ने युवक को फौरन टंकी से उतारा और उससे यह जानने की कोशिश की कि आखिर उसने ऐसा कदम क्यों उठाया?

युवक के मुताबिक, उसका अपने ताऊ के साथ पिछले लंबे समय से संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था। यह विवाद इस कदर गहरा चुका था कि वो मानसिक तनाव में रहने पर मजबूर हो चुका था। कई बार उसके कहने पर भी परिवार के लोग इस विवाद को समाप्त करने पर राजी नहीं हो रहे थे। अंत में उसने तंग आकर अपने इलाके में लगी जल जीवन मिशन की टंकी पर चढ़ने का फैसला किया, ताकि वो ऐसा करके अपने आक्रोश को जाहिर कर सके।

मौके पर जैसे ही प्रशासन की टीम पहुंची, तो युवक को इस गगनचुंबी टंकी पर खड़े देख हैरान रह गई। प्रशासन पूरी सूझबूझ का सहारा लेकर युवक को उस टंकी से उतारा और उसे यह समझाने की कोशिश की कि उसके द्वारा उठाया गया यह कदम किसी भी सूरत में ठीक नहीं है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक, युवक को टंकी से उतारने के बाद प्रशासन से जुड़े लोगों ने राहत की सांस ली, क्योंकि वहां मौजूद लोगों को इस बात का डर लग रहा था कि कहीं युवक आवेश में आकर कोई गलत कदम नहीं उठा ले। जैसे ही युवक को टंकी से उतारा गया, तो प्रशासन से जुड़े लोग राहत की सांस लेते हुए नजर आए। साथ ही, उसे समझाने की भी कोशिश की कि इस तरह का कदम किसी भी समस्या के समाधान नहीं हो सकता है। वहीं, ग्रामीणों ने भी युवक को समझाया कि इस तरह का कदम उठाने से बचे।

संक्षिप्त खबर

आजमगढ़ हत्याकांड : प्रॉपर्टी विवाद में युवक की हत्या का खुलासा, मृतक के दो साथी गिरफ्तार

आजमगढ़। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले के मुबारकपुर थाना क्षेत्र में प्रॉपर्टी डीलिंग और पैसों के लेनदेन को लेकर हुई युवक की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया। इस मामले में पुलिस ने मृतक के दो साथियों को ही गिरफ्तार किया है। आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल 315 बोर का तमंचा और दो जिंदा कारतूस भी बरामद किए गए हैं। पुलिस का दावा है कि यह हत्या पूरी तरह पूर्व नियोजित थी और आरोपियों ने घटना को दूसरा रूप देकर अन्य लोगों को फंसाने की साजिश भी रची थी। पुलिस के मुताबिक, जहानागंज थाना क्षेत्र के कोढ़वा गांव निवासी सुनील कुमार ने 21 मई को मुबारकपुर थाने में तहरीर देकर बताया था कि उसका भाई सुशील कुमार 20 मई की रात अपने साथी उमाशंकर उर्फ पिन्टू यादव के साथ चार पहिया वाहन से एक निमंत्रण कार्यक्रम में गया था। देर रात सूचना मिली कि रानीपुर गांव जाने वाले मार्ग पर हनुमान मंदिर के पास पंकज सिंह उर्फ सोनू सिंह, अवनीश यादव उर्फ बबलू यादव और एक अज्ञात व्यक्ति ने सुशील कुमार की गोली मारकर हत्या कर दी है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने हत्या और एससी/एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान पुलिस ने सीडीआर, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य, पोस्टमार्टम रिपोर्ट और घटनास्थल के सीन रीक्रिएशन का सहारा लिया।

आंध्र प्रदेश के अनंतपुर में बस पलटने से बड़ा हादसा, 30 यात्री घायल

अमरावती। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में मंगलवार को एक निजी ट्रैवल बस पलट गई, जिसमें करीब 30 यात्री घायल हो गए। यह हादसा गुंटी मंडल के वेन्नेडोड्डी के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर हुआ।हैदराबाद से अनंतपुर जा रही यह बस उस समय अनियंत्रित होकर पलट गई, जब बस ड्राइवर ने सामने से आ रहे लॉरी से टक्कर बचाने की कोशिश की। यात्रियों के अनुसार, बस तीन बार पलटी और फिर खेतों में जाकर रुकी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। घायलों को अनंतपुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से 10 की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।`इसी बीच मंगलवार को हैदराबाद के महात्मा गांधी बस स्टेशन पर एक बड़ा हादसा टल गया, जब एक बस में अचानक आग लग गई। यह बस तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम के गडवाल डिपो की थी, जो प्लेटफॉर्म पर खड़ी थी। आग लगने से बस में बैठे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई।

अलर्ट यात्रियों और कर्मचारियों ने तुरंत बस से बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। एक सतर्क बस कंडक्टर और अन्य लोगों ने पानी डालकर आग बुझाने की कोशिश की। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम के अधिकारी आग लगने के कारणों की जांच कर रहे हैं। एक अन्य हादसे में तेलंगाना के निजामाबाद जिले में कई वाहनों की टक्कर में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जबकि कुछ अन्य भी घायल हुए।

महाराष्ट्र में पेट्रोल-डीजल की रिकॉर्ड बिक्री, सरकार ने कहा- किल्लत नहीं, अफवाहों से बढ़ी खरीद

मुंबई। महाराष्ट्र में 23 मई को पेट्रोल और डीजल की बिक्री में अचानक तेज उछाल दर्ज किया गया। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, राज्य में पेट्रोल की बिक्री सामान्य दिनों की तुलना में 23 प्रतिशत और डीजल की बिक्री 52 प्रतिशत तक बढ़ गई। कई जिलों में डीजल की मांग दोगुनी से भी अधिक रही, जिससे प्रशासन सतर्क हो गया है।

आंकड़ों के मुताबिक जालना में डीजल की बिक्री 154 प्रतिशत तक बढ़ी, जबकि नांदेड़ में 114 प्रतिशत और वाशिम में 105 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। अकोला, अमरावती, उस्मानाबाद, नासिक और परभणी सहित कई जिलों में भी ईंधन की बिक्री में बढ़ोतरी देखी गई।

राज्य सरकार का कहना है कि ईंधन की कोई वास्तविक कमी नहीं है और यह बढ़ी हुई खरीद मुख्य रूप से अफवाहों और घबराहट के कारण की गई है। अधिकारियों के अनुसार कुछ जगहों पर लोगों ने अनावश्यक रूप से ईंधन का स्टॉक जमा किया, जिससे बिक्री में अचानक उछाल आया। इस स्थिति को देखते हुए गृह विभाग और नागरिक आपूर्ति विभाग ने संयुक्त रूप से निगरानी और कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए हैं। सरकार ने स्पष्ट किया है कि अनावश्यक भंडारण, कालाबाजारी या कृत्रिम कमी पैदा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन और तेल कंपनियों को भी स्थिति पर लगातार नजर रखने और आपूर्ति व्यवस्था को सामान्य बनाए रखने के निर्देश जारी किए गए हैं। देश के कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कमी की चर्चा हो रही हैं, हालांकि महाराष्ट्र सरकार का कहना है कि जमाखोरी की जा रही है, इसके खिलाफ कार्रवाई होगी।

इस बीच देश की राजधानी दिल्ली में गैस वितरक कंपनी इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड ने मंगलवार को सीएनजी की कीमतों में 2 रुपए प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह पिछले दो हफ्तों में चौथी बार कीमतों में किया गया इजाफा है। नई वृद्धि के बाद दिल्ली में सीएनजी की कीमत बढ़कर 83.09 रुपए प्रति किलो हो गई है, जो पहले 81.09 रुपए प्रति किलो थी।

प्रेमिका का शादी से इनकार, नाराज प्रेमी ने खुदकुशी की कोशिश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद से एक हैरान करने वाली घटना सामने आई है, जहां एक प्रेमिका के शादी से इनकार करने पर प्रेमी ने उसके घर पहुंचकर खुद पर पट्रोल डाला और जान देने की कोशिश की। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। यह पूरा मामला बंगला गांव के नागफनी थाना क्षेत्र का है। दरअसल, प्रेमी और प्रेमिका के बीच मोबाइल पर बातचीत के दौरान शादी करने को लेकर विवाद हुआ था, जिससे नाराज होकर युवक पहले युवती के घर पहुंचा और फिर वहां खुद पर पेट्रोल छिड़ककर खुदकुशी करने की कोशिश की। युवक की पहचान विशाल के रूप में हुई है।

वहीं, प्रेमी विशाल के खुद पर पेट्रोल छिड़कने पर मची चीख-पुकार के बीच मौके पर पहुंची पुलिस ने विशाल को पकड़ा और आनन-फानन में उसे लेकर इलाज के लिए जिला अस्पताल पहुंची। मामले को लेकर युवक की मां कंचन ने कहा कि लड़की मेरे बेटे से रात-दिन बात करती रहती थी और जब वह इससे शादी करने से इनकार करती थी, तब यह ऐसी-ऐसी हरकतें करता था। कभी यह फांसी लगाने की बात कहता तो कभी खुद को चोट पहुंचाता था। कभी छत से कूदता, तो कभी मोबाइल तोड़ देता था और शरीर पर तेल तक छिड़क लेता था। आज की घटना को लेकर उन्होंने कहा कि बेटा अच्छा-खासा घर से बाहर निकला था, रास्ते में फोन पर इसकी लड़की से बात हुई होगी, जिसके बाद इसने अपने शरीर पर पेट्रोल छिड़का होगा। उन्होंने बताया कि तब मैं इसके पास नहीं थी।

पीएम मोदी राष्ट्र के लिए जीते हैं, उनका हर कार्य देशहित को समर्पित : शिवराज चौहान

नई दिल्ली। नई दिल्ली, पूसा में पुस्तक 'अपनापन' के लोकापर्ण समारोह में केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी राष्ट्र के लिए जीते हैं और उनका हर कार्य देशहित को समर्पित है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पीएम पद पर 12 साल पूरे होने के अवसर पर पुस?तक 'अपनापन' का लोकापर्ण किया गया। केंद्रीय मंत्री शिवराज ने कहा कि मैंने पीएम मोदी के विचारों में विकास को आम लोगों तक पहुंचाने और देशभक्ति की भावना जगाने की बात देखी थी।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि पहली ही बैठक में मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उन विचारों को देखा, जिनमें विकास को आम लोगों तक पहुंचाने, लोगों को आपस में जोड़ने और उनमें देशभक्ति की भावना जगाने की बात थी। उन्होंने कहा कि तिरंगा न केवल श्रीनगर के लाल चौक पर फहराया जाएगा, बल्कि पूरे देश के लोगों विशेषकर युवाओं के दिलों में भी बसा रहेगा। एक मुख?य यात्रा होगी, जो पूरे देश की जनता में देशभक्ति का भाव भरती हुई श्रीनगर की तरफ बढ़ती हुई आएगी। देशभर में नारे लगते रहे कि कश्मीर हमारा माथा है और दिल्ली दिल की रानी है,खबरदार देश के दुश्मनों....। उन्होंने कहा, 'मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पूरी तरह से राष्ट्र के लिए जीते हुए देखा है। उनका हर कार्य देश की प्रगति और विकास को समर्पित रहा है। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 12 साल के कार्यकाल को लेकर भाजपा प्रवक्ता सैयद जफर इस्लाम ने जमकर सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल ने भारत की ग्लोबल पहचान को मजबूत किया है, उन्होंने डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया और उज्ज्वला जैसी योजनाओं के साथ-साथ सर्जिकल स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर को भारत की बढ़ती स्ट्रेटेजिक और डेवलपमेंटल ताकत के उदाहरण बताया।

अखिलेश ने राहुल के सुर में मिलाया सुर, बोले- यूपी की सत्ता में आए तो केंद्र सरकार गिर जाएगी

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान का समर्थन करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि राहुल गांधी ने बिल्कुल सही कहा है। राहुल गांधी ने हाल ही में दावा किया था कि एक साल के अंदर केंद्र में मोदी सरकार गिर जाएगी। उनके इस बयान को लेकर एनडीए नेताओं ने तीखी आलोचना की थी। लखनऊ में जब अखिलेश यादव से राहुल गांधी के बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई तो उन्होंने कहा, 'राहुल गांधी ने जो कहा है, बिल्कुल ठीक कहा है। अगर यूपी में हमारी सरकार बनी तो दिल्ली में सरकार गिर जाएगी।'

वहीं, अखिलेश यादव ने प्रदेश की कानून व्यवस्था और महिलाओं से संबंधित अपराध का जिक्र करते हुए कहा कि 2020 में हाथरस में लड़की के साथ जो अत्याचार हुआ था, वह काफी हद तक वैसा ही है जैसा हम 2026 में देख रहे हैं। डेटा से पता चलता है और आंकड़ों से भी यह साफ है कि राज्य सरकार सब कुछ छिपाना चाहती है और अपने संसाधनों की ताकत का इस्तेमाल करके वह सच जनता तक नहीं पहुंचने देना चाहती। यह पहली बार नहीं है जब फर्जी एनकाउंटरों पर सवाल उठाए गए हैं। कल हमने जो देखा, साथ ही परिवार के सदस्यों की बातों और आ रही रिपोर्टों से यही संकेत मिलता है कि सरकार द्वारा फर्जी एनकाउंटर करवाने की एक लगातार साजिश चल रही है। उन्होंने कहा कि आज हम एक बेहद खतरनाक और संवेदनशील मुद्दा उठा रहे हैं, जो हमारे देश की संस्कृति, संविधान, विधायिका और स्वस्थ सामाजिक सोच के लिए एक चुनौती बन गया है। यह मुद्दा 'फर्जी मुठभेड़ों' का है। फर्जी मुठभेड़ें हमारी लोकतांत्रिक व्यवस्था के खिलाफ एक बड़ी साजिश हैं, जो संविधान में निहित कानून के शासन और सामाजिक न्याय को पूरी तरह से नकारती हैं।

उन्होंने कहा कि ये सरकार भेदभाव, अन्याय कर रही है, बुलडोजर का सहारा ले रही है और हर काम में गुनहगार सरकार है। अगर कहीं भी महिलाएं, बेटियां असुरक्षित हैं तो वह भाजपा शासित प्रदेशों में हैं।

आंधी-तूफान ने मचाया कोहराम, दो की मौत, हजारों का नुकसान

सीतापुर। उत्तर प्रदेश के सीतापुर में सोमवार की देर रात चली आंधी ने जानमाल को काफी नुकसान पहुंचाया। अब आलम यह है कि मृतकों के परिवार में मातम का माहौल है। कल तक हंसते-खेलने वाले चेहरों की रौनक गायब हो चुकी है। किसी को कुछ समझ नहीं आ रहा है कि क्या किया जाए।

जानकारी के मुताबिक, सबसे दर्दनाक मंजर अगर कहीं पर देखने को मिला, तो वो था जनपद का पिसावां थाना क्षेत्र। जहां पर एक ही परिवार के पांच लोगों के ऊपर निर्माणाधीन इमारत गिर गई। इनमें से चार लोग बुरी तरह घायल हो गए और एक महिला की मौत हो गई। वहीं, सदरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम मजरा लच्छीपुर में आंधी-तूफान के कहर ने एक हंसते-खेलते परिवार की पूरी जिंदगी तबाह कर दी। यहां पर एक दीवार भरभराकर गिर गई। दीवार गिरने से मलबे के नीचे एक शख्स की मौत हो गई, जिसकी पहचान भार्गव (65) के रूप में हुई है। उधर, एक अन्य महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। घायल महिला की पहचान सुमन के रूप में हुई है। उसके परिजन उसे फौरन अस्पताल ले गए, जहां उसका उपचार चल रहा है। डॉक्टरों की टीम उसे बचाने की पूरी कोशिश कर रही है।

फर्जी सरकारी वेबसाइट रैकेट का भांडाफोड़, एमसीए डिग्रीधारी आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की साइबर क्राइम सेल, सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट ने एक बड़े फर्जी सरकारी वेबसाइट रैकेट का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने ऐसे गिरोह का खुलासा किया है, जो नकली सरकारी पोर्टल बनाकर देशभर के लोगों से ठगी कर रहा था। इस मामले में एक एमसीए डिग्रीधारी आरोपी को उत्तर प्रदेश के इटावा से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने 'परिवहन डॉट ऑनलाइन' नामक एक फर्जी वेबसाइट तैयार की थी, जिसे इस तरह डिजाइन किया गया था कि वह असली सरकारी ट्रांसपोर्ट सेवा पोर्टल जैसी दिखे। इस वेबसाइट के जरिए लोगों को वाहन नंबर प्लेट बुकिंग और अन्य सरकारी सेवाओं के नाम पर ठगा जा रहा था।

एक शिकायतकर्ता ने बताया कि उसने गूगल पर वाहन नंबर प्लेट बुकिंग सर्च किया था, जिसके बाद वह इस फर्जी वेबसाइट पर पहुंच गया। उसे वेबसाइट असली लगी और उसने 1,099 रुपए का ऑनलाइन भुगतान कर दिया। इसके बाद उससे लगातार अलग-अलग बहानों से और पैसे मांगे गए, जिससे उसे शक हुआ और उसने एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद साइबर पुलिस स्टेशन, सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने डिजिटल फॉरेंसिक, बैंक ट्रांजैक्शन ट्रेल, डोमेन डिटेल्स और आईपी लॉग्स की जांच की। इससे पता चला कि यह वेबसाइट जानबूझकर सरकारी पोर्टल की तरह डिजाइन की गई थी ताकि लोगों का भरोसा जीतकर उनसे पैसे ठगे जा सकें।

तकनीकी जांच में आरोपी का मोबाइल नंबर और अन्य डिजिटल लिंक सामने आए, जिसके आधार पर उसकी पहचान इटावा निवासी अंशुल यादव के रूप में हुई।

पुलिस ने बताया कि आरोपी अंशुल यादव एमसीए डिग्रीधारी है और उसे वेबसाइट डिजाइनिंग, डोमेन होस्टिंग, बैकएंड मैनेजमेंट और पेमेंट गेटवे इंटीग्रेशन की तकनीकी जानकारी थी। इसी विशेषज्ञता का उपयोग कर वह फर्जी वेबसाइटें बनाता और साइबर ठगों को उपलब्ध कराता था।

जांच में यह भी सामने आया कि इस रैकेट से जुड़े कई बैंक अकाउंट्स और फर्जी वेबसाइट्स के जरिए देशभर में लोगों से ठगी की गई है। ठगी की रकम को म्यूल बैंक खातों के जरिए अलग-अलग खातों में ट्रांसफर किया जाता था।

पुलिस ने आरोपी के पास से 2 लैपटॉप, 2 मोबाइल फोन, फर्जी वेबसाइट के सोर्स फाइल्स, लॉगिन डिटेल्स, पासवर्ड और डोमेन से जुड़े दस्तावेज बरामद किए हैं।

स्पेसवॉक पर निकले एस्ट्रोनॉट्स रस्सी से क्यों बंधे दिखते हैं? माइक्रोग्रैविटी का अनोखा खतरा

नई दिल्ली। स्पेसवॉक के दौरान एस्ट्रोनॉट्स को स्पेस स्टेशन से एक मजबूत रस्सी (टेथर) से बंधे रहना क्यों जरूरी होता है? यह सवाल अक्सर कई लोगों के मन में होता है। क्या यह सिर्फ सुरक्षा के लिए है या अंतरिक्ष की विशेष परिस्थितियों के कारण? दरअसल, अंतरिक्ष में माइक्रोग्रैविटी (शून्य गुरुत्वाकर्षण जैसी स्थिति) के कारण चलना-फिरना और गति नियंत्रित करना पृथ्वी से बिल्कुल अलग है। यही वजह है कि एस्ट्रोनॉट्स बिना रस्सी के स्पेसवॉक पर नहीं निकलते।

पृथ्वी पर हम जमीन को पैरों से धकेलकर आगे बढ़ते हैं, लेकिन अंतरिक्ष में स्थिति पूरी तरह अलग है। वहां गुरुत्वाकर्षण खत्म नहीं होता, बल्कि स्पेसक्राफ्ट और उसमें मौजूद हर चीज पृथ्वी के चारों ओर एक साथ गिर रही होती है। इसी वजह से एस्ट्रोनॉट्स को भारहीनता का अनुभव होता है। वहां 'ऊपर' और 'नीचे' का कोई अहसास नहीं रहता। अंतरिक्ष में हिलने-डुलने के लिए आपको किसी सतह को धकेलना या खींचना पड़ता है। अगर आपके पास कोई सतह नहीं है जिससे बल या टॉर्क (घुमाव) पैदा कर सकें, तो आप अपनी गति पर नियंत्रण खो बैठते हैं। एक बार अगर आप घूमने लगे तो बिना किसी सहारे के रुकना बहुत मुश्किल हो जाता है।

न्यूटन के गति के नियम वहां पूर्ण रूप से लागू होते हैं। एस्ट्रोनॉट्स बताते हैं कि अगर स्पेसवॉक के दौरान हाथ या पैर से धक्का लग जाए और कोई सहारा न हो, तो सिर्फ 2 फीट की दूरी तय करना भी असंभव हो सकता है। आप एक जगह से दूसरी जगह नहीं पहुंच पाएंगे और अनियंत्रित रूप से घूमते रह सकते हैं। यही कारण है कि स्पेसवॉक के दौरान एस्ट्रोनॉट्स हमेशा स्पेस स्टेशन से एक मजबूत सुरक्षा रस्सी से बंधे रहते हैं।

सुरक्षा के मद्देनजर उनके पास अतिरिक्त रस्सियां भी होती हैं। अगर मुख्य रस्सी किसी कारण से छूट भी जाए तो बैकअप रस्सी उन्हें बचाती है। यह टेथर सिर्फ उन्हें खो जाने से नहीं बचाती, बल्कि गति नियंत्रित करने में भी मदद करती है। अंतरिक्ष एजेंसियां इस बात पर बहुत जोर देती हैं कि स्पेसवॉक बेहद जोखिम भरा कार्य है। छोटी सी लापरवाही एस्ट्रोनॉट को अनियंत्रित स्थिति में डाल सकती है। इसलिए रस्सी से बंधकर रहना स्पेसवॉक का सबसे महत्वपूर्ण सुरक्षा नियम है। यह व्यवस्था एस्ट्रोनॉट्स को न सिर्फ सुरक्षित रखती है, बल्कि उन्हें आत्मविश्वास के साथ स्पेस स्टेशन के बाहर जटिल मरम्मत और प्रयोग करने की सुविधा भी देती है।

निवेशकों का विश्वास बढ़ाने के लिए इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन ने लॉन्च किया इन्वेस्टर पोर्टल

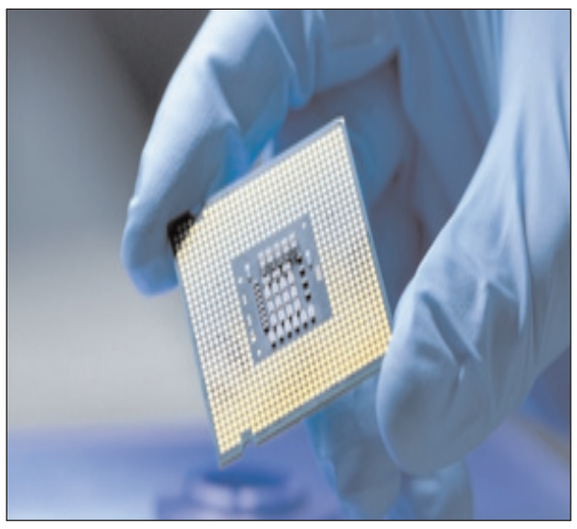

नई दिल्ली। सेमीकॉन इंडिया प्रोग्राम के तहत 12 फैब और पैकेजिंग प्रोजेक्ट्स और 24 सेमीकंडक्टर्स प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है और अब इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) ने इन्वेस्टर पोर्टल को लॉन्च किया है। इसका उद्देश्य निवेशकों के विश्वास को बढ़ाना और चिंताओं को दूर करना है। यह जानकारी मंगलवार को सरकार द्वारा जारी बयान में दी गई।

इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय ने कहा कि आईएसएम का इन्वेस्टर पोर्टल भारत में सेमीकंडक्टर निवेश पर विचार कर रहे निवेशकों के लिए सरकारी स्कीम, नीतियों, नियामक जरूरतों और सेमीकॉन इंडिया के तहत मंजूरी किए गए प्रोजेक्ट्स की जानकारी देगा।

मंत्रालय ने कहा कि संबंधित पक्षकारों को सुव्यवस्थित समन्वय और चिंताओं के समयबद्ध समाधान के लिए एक सुरक्षित, भूमिका-आधारित, एकल-खिड़की डिजिटल इंटरफेस मिलेगा।

इसके जरिए सरकार की कोशिश व्यापार में आसानी को बढ़ाना है।

यह पोर्टल निवेशकों को अपनी शिकायतें या चिंताएं दर्ज करने में सक्षम बनाएगा, जिनका समाधान इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के अधिकारियों द्वारा संबंधित मंत्रालयों, विभागों, संगठनों, राज्य सरकारों, अनुमोदित परियोजना कंपनियों और अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय व्यापार निकायों/संघों के नोडल अधिकारियों के सहयोग से किया जाएगा।

आईएसएम के सीईओ अमितेश कुमार सिन्हा ने कहा कि विदेशी निवेशकों को मार्गदर्शन और सुविधा प्रदान करना काफी आवश्यक है।

उन्होंने सभी संबंधित पक्षकारों के प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे देश में सेमीकंडक्टर विनिर्माण और डिजाइन पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए निवेशकों की चिंताओं को दूर करने में अपनी-अपनी भूमिका को सक्रिय रूप से निभाएं।

संबंधित पक्षकारों को सुव्यवस्थित समन्वय और समयबद्ध तरीके से चिंताओं के समाधान के लिए एक सुरक्षित, भूमिका-आधारित, एकल-खिड़की डिजिटल इंटरफेस मिलेगा।

लॉन्च कार्यक्रम में पोर्टल के ढांचे, कार्यप्रणाली, ऑनबोर्डिंग प्रक्रिया, समन्वय तंत्र और भाग लेने वाले मंत्रालयों, विभागों, संगठनों, राज्य सरकारों, अनुमोदित परियोजना कंपनियों, अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय व्यापार निकायों या संघों के नोडल अधिकारियों की भूमिका और जिम्मेदारियों का विवरण भी दिया गया।

सरकार विभिन्न रणनीतिक पहलों और नीतिगत हस्तक्षेपों के माध्यम से देश में एक मजबूत, विश्वसनीय और टिकाऊ सेमीकंडक्टर पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए ठोस प्रयास कर रही है।

फेफड़ों और पाचन तंत्र को मजबूत बनाने के लिए करें उत्तानमंडूकासन

नई दिल्ली । योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने का माध्यम नहीं बल्कि मन और आत्मा को संतुलित करने की एक प्राचीन कला भी है। योग के इन्हीं आसनों में से एक उत्तानमंडूकासन है, जो शरीर में लचीलापन बढ़ाने के साथ मानसिक शांति भी प्रदान करता है।

संस्कृत के दो शब्दों, 'उत्तान' (खिंचा हुआ) और 'मंडूक' (मेंढक), से मिलकर बने इस आसन की अंतिम मुद्रा में शरीर एक मेंढक के समान दिखाई देता है। इस आसन के नियमित अभ्यास से रीढ़ की हड्डी को मजबूती और लचीलापन रहता है, जिससे पीठ और कमर दर्द होता है। कंधों और गर्दन की मांसपेशियां खिंचती हैं, जिससे जकड़न कम होती है और सर्वाइकल स्पोंडिलोसिस जैसी समस्याओं में राहत मिलती है।

भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने भी इसके अभ्यास को लेकर अपनी राय रखी है। उनके अनुसार, उत्तानमंडूकासन (उठने वाले मेंढक की मुद्रा) एक महत्वपूर्ण

योगासन है। यह आसन पीठ, कंधे और फेफड़ों के स्वास्थ्य के लिए विशेष रूप से लाभकारी है। साथ ही, यह पाचन तंत्र पर भी गहरा प्रभाव डालता है। पेट के अंगों पर हल्का दबाव पड़ने से पाचन क्रिया सक्रिय होती है, जिससे गैस, अपच जैसी समस्याओं में लाभ मिल सकता है। आज की अनियमित लाइफस्टाइल में जहां लोग घंटों एक ही मुद्रा में रहते हैं, वहां यह आसन मांसपेशियों को ठीक करने, रक्त संचार बढ़ाने और तनाव को कम करने में मदद करता है। योग एक्सपर्ट के अनुसार, इस आसन के अभ्यास के लिए सबसे पहले वज्रासन में बैठें। इसके बाद दोनों हाथों को कोहनियों से मोड़कर पीठ के पीछे ले जाएं।

रीढ़ को सीधा रखें, आगे देखें और सामान्य तरीके से सांस लेते रहें। इस स्थिति में 20 से 30 सेकंड तक रहें, फिर धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में वापस आएं। शुरुआत में यह 2 से 3 बार करना चाहिए, फिर धीरे-धीरे समय बढ़ाएं।

स्पेन में हंतावायरस का नया पॉजिटिव केस, क्वारंटाइन स्पेनिश यात्रियों में एक और संक्रमित

मैड्रिड। स्पेन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने 14 स्पेनिश नागरिकों में हंतावायरस संक्रमण का एक नया पॉजिटिव मामला सामने आने की पुष्टि की है। ये नागरिक एमवी होंडियस क्रूज जहाज के यात्रियों में शामिल थे, जो अप्रैल में अटलांटिक महासागर पार करते समय इस बीमारी के प्रकोप से प्रभावित हुआ था।

जहाज पर सवार 14 स्पेनिश नागरिकों को 10 मई को टेनेरिफ द्वीप से बेहद सख्त निगरानी वाले ऑपरेशन के तहत निकाला गया था और तब से वे मैड्रिड के गोमेज उल्ला सेंट्रल डिफेंस हॉस्पिटल में एहतियाती क्वारंटाइन में हैं।

मंत्रालय के अनुसार, यह नया पॉजिटिव मामला पहले से लागू आइसोलेशन और कंट्रोल सिस्टम के तहत किए गए रूटीन पीसीआर टेस्ट के दौरान सामने आया।

मंत्रालय ने बताया कि मरीज में फिलहाल कोई लक्षण नहीं दिख रहे हैं। उसे अस्पताल की हाई-लेवल आइसोलेशन यूनिट (यूएटीएएन) में शिफ्ट कर दिया गया है, जहां वह विशेष मेडिकल निगरानी और सख्त बायोसेफ्टी प्रोटोकॉल के तहत है।

मंत्रालय ने आगे कहा कि इस नए मामले का पता चलने से आम लोगों के लिए जोखिम का स्तर नहीं बदलता है और न ही इससे फिलहाल लागू महामारी-संबंधी प्रतिक्रिया उपायों में कोई बदलाव किया गया है।

सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, मैड्रिड पहुंचने के बाद पॉजिटिव पाए जाने वाले यह दूसरे स्पेनिश नागरिक हैं। वहीं, पहले मरीज के बारे में बताया गया है कि लक्षण दिखने के बाद उनकी सेहत में अच्छा सुधार हो रहा है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, हंतावायरस जूनोटिक वायरस होते हैं, जो स्वाभाविक रूप से कृन्तकों (रोडेंट्स) को संक्रमित करते हैं और कभी-कभी इंसानों में भी फैल जाते हैं। इंसानों में संक्रमण गंभीर बीमारी का कारण बन सकता है और कई मामलों में यह जानलेवा भी साबित होता है। हालांकि, बीमारी के लक्षण और प्रभाव वायरस के प्रकार तथा भौगोलिक क्षेत्र के अनुसार अलग-अलग होते हैं।

अमेरिका में देखा गया है कि संक्रमण से हंतावायरस कार्डियोपल्मोनरी सिंड्रोम (एचसीपीएस) हो सकता है। यह एक गंभीर स्थिति है, जो तेजी से बढ़ती है और फेफड़ों व दिल को प्रभावित करती है। वहीं, यूरोप और एशिया में हंतावायरस से हेमोरेजिक फीवर विद रीनल सिंड्रोम (एचएफआरएस) होने के मामले सामने आए हैं, जो मुख्य रूप से किडनी और रक्त वाहिकाओं को प्रभावित करता है। हालांकि, हंतावायरस से होने वाली बीमारियों का कोई विशिष्ट इलाज मौजूद नहीं है।

डैंड्रफ और खुजली से राहत दिलाने में छाछ मददगार, बालों की कई समस्याओं से दिलाती है छुटकारा

नई दिल्ली। आजकल बहुत से लोग बालों के झड़ने, रूखेपन, डैंड्रफ, खुजली और ऑयली स्कैल्प जैसी समस्याओं से परेशान हैं। इन समस्याओं के लिए लोग महंगे शैंपू और ट्रीटमेंट पर काफी पैसा खर्च करते हैं, लेकिन बालों की देखभाल के लिए छाछ को एक आसान और असरदार विकल्प माना जाता है। छाछ में मौजूद पोषक तत्व स्कैल्प को साफ रखने और बालों की कई समस्याओं को कम करने में मदद कर सकते हैं।

विशेषज्ञों के मुताबिक, छाछ में लैक्टिक एसिड, प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन बी और अच्छे बैक्टीरिया पाए जाते हैं। लैक्टिक एसिड एक प्राकृतिक क्लींजर की तरह काम करता है। यह स्कैल्प पर जमी गंदगी, अतिरिक्त तेल और मृत कोशिकाओं को हटाने में मदद करता है। जब स्कैल्प साफ रहती है, तो बालों की जड़ों तक ऑक्सीजन और पोषण बेहतर तरीके से पहुंच पाता है। इससे स्कैल्प ज्यादा साफ होती है।

डैंड्रफ और खुजली की समस्या में भी छाछ काफी मददगार मानी जाती है। कई बार स्कैल्प पर फंगल संक्रमण या गंदगी जमा होने की वजह से खुजली और सफेद परत बनने लगती है। छाछ में मौजूद प्राकृतिक एसिड और प्रोबायोटिक तत्व स्कैल्प का संतुलन बनाए रखने में मदद करते हैं। इससे फंगल संक्रमण कम होता है और खुजली से राहत मिलती है। विशेषज्ञ कहते हैं कि अगर सप्ताह में एक या दो बार छाछ का इस्तेमाल किया जाए, तो धीरे-धीरे डैंड्रफ की समस्या कम होने लगती है। सूखे और बेजान बालों के लिए भी छाछ को फायदेमंद माना जाता है। इसमें मौजूद प्रोटीन और फैट बालों को प्राकृतिक नमी देने में मदद करते हैं। यही वजह है कि छाछ बालों पर एक प्राकृतिक कंडीशनर की तरह काम करती है। जब बालों में नमी बनी रहती है तो वे ज्यादा मुलायम और चमकदार बनते हैं। खासकर गर्मियों में धूप और पसीने की वजह से बाल जल्दी रूखे हो जाते हैं। ऐसे में छाछ स्कैल्प को ठंडक पहुंचाने का भी काम करती है। बालों में छाछ लगाने का तरीका भी बेहद आसान है। सबसे पहले ताजी छाछ लें। इसके बाद इसे हाथों या कॉटन की मदद से स्कैल्प और बालों की लंबाई पर अच्छे से लगाएं।

लू और डिहाइड्रेशन से बचाएगा इमली पना, स्वाद के साथ सेहत भी रखे दुरुस्त

नई दिल्ली। देशभर में बढ़ती गर्मी और हीटवेव के बीच लोग शरीर को ठंडक पहुंचाने वाले पारंपरिक पेयों की ओर रुख कर रहे हैं। राजस्थान का मशहूर इमली पना भी ऐसा ही एक देसी ड्रिंक है, जो स्वाद के साथ-साथ सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद माना जाता है।

खट्टी इमली, गुड़, पुदीना और मसालों से तैयार यह पेय शरीर को तुरंत ठंडक देता है और लू से बचाने में मदद करता है। राजस्थान में वर्षों से गर्मियों के मौसम में इमली का पना बनाया जाता रहा है। आयुर्वेद में भी इसे शरीर का तापमान संतुलित रखने वाला पेय माना जाता है। इसमें इस्तेमाल होने वाले प्राकृतिक तत्व शरीर में पानी की कमी नहीं होने देते और पाचन तंत्र को भी बेहतर बनाए रखते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, इमली में मौजूद पोषक तत्व शरीर को ठंडक पहुंचाने में मदद करते हैं। वहीं, काला नमक और भुना जीरा पाचन को दुरुस्त रखते हैं। पुदीना शरीर को ताजगी देता है और गुड़ ऊर्जा बढ़ाने का काम करता है। यही वजह है कि भीषण गर्मी में यह पारंपरिक ड्रिंक लोगों की पहली पसंद बनता जा रहा है।

इमली का पना बनाना भी बेहद आसान है। इसे तैयार करने के लिए दो बड़े चम्मच इमली को गर्म पानी में कुछ देर भिगोया जाता है ताकि वह नरम हो जाए। इसके बाद इमली को मसलकर उसका रस निकाल लिया जाता है। फिर इसमें गुड़ या मिश्री, काला नमक, भुना जीरा पाउडर और थोड़ा काली मिर्च पाउडर मिलाया जाता है। स्वाद बढ़ाने के लिए इसमें ठंडा पानी और बर्फ डाली जाती है। ऊपर से ताजी पुदीने की पत्तियां डालकर इसे परोसा जाता है।

गर्मियों में लगातार पसीना निकलने से शरीर में पानी और जरूरी मिनरल्स की कमी होने लगती है।

चेहरा पीला पड़ने से सीने में दर्द तक, हृदय के लिए खतरनाक ये संकेत, समय पर पहचान से बचेगी जान

नई दिल्ली। हार्ट अटैक (दिल का दौरा) एक ऐसा शब्द है, जिसे सुनकर ही लोग डर जाते हैं। हार्ट अटैक कई बार बिना किसी चेतावनी के आता है, लेकिन इसके कुछ आम लक्षण समय रहते पहचान लिए जाएं तो मरीज की जान बचाई जा सकती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) हार्ट अटैक के प्रति लोगों को आगाह करते हुए लक्षणों के बारे में जानकारी भी देता है।

एक्सपर्ट्स के अनुसार, अटैक के लक्षण हर व्यक्ति में अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन कुछ संकेत ऐसे हैं जिन्हें कभी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। हार्ट अटैक के प्रमुख लक्षण में सीने में दर्द, जकड़न, दबाव या बेचैनी महसूस होना। यह दर्द बांहों, बाएं कंधे, कोहनी, जबड़े, गर्दन या पीठ तक फैल सकता है। इसके साथ ही सांस लेने में तकलीफ या अचानक सांस फूलना। मतली, उल्टी या पेट में असहजता लगना जैसे लक्षण भी होते हैं। इसके अलावा, चक्कर आना या हल्का महसूस होना, बिना किसी मेहनत के अचानक ठंड के साथ पसीना आना और चेहरे के साथ धीरे-धीरे पूरा शरीर पीला पड़ जाना। ये लक्षण महिलाओं और बुजुर्गों में कभी-कभी कम स्पष्ट होते हैं, इसलिए सतर्क रहना जरूरी है। अगर इनमें से कोई भी लक्षण 5 मिनट से ज्यादा समय तक रहे तो तुरंत डॉक्टर को सूचित करें या इमरजेंसी नंबर पर कॉल करें। हार्ट अटैक से बचाव संभव है, अगर दिनचर्या में कुछ जरूरी बदलाव लाएं। सबसे महत्वपूर्ण है स्वस्थ जीवनशैली अपनाना। रोजाना कम से कम 30 मिनट व्यायाम करें। तेज चलना, साइकिलिंग, तैराकी या योगासन बहुत फायदेमंद होते हैं।

आईपीएल 2026: रजत पाटीदार की कप्तानी पारी, जीटी को 92 रन से रौंदकर फाइनल में आरसीबी

धर्मशाला। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बन गई है। आरसीबी ने मंगलवार को क्वालीफायर-1 में गुजरात टाइटंस (जीटी) के विरुद्ध 92 रन से दमदार जीत दर्ज की।

इस हार के बावजूद जीटी के पास फाइनल का टिकट हासिल करने के लिए एक और मौका होगा। यह टीम 29 मई को क्वालीफायर-2 में एलिमिनेटर मैच की विजेता टीम के खिलाफ उतरेगी। इस मुकाबले को जीतने वाली टीम फाइनल का अंतिम टिकट हासिल करेगी।

हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी आरसीबी ने निर्धारित ओवरों में 5 विकेट खोकर 254 रन बनाए। इस टीम को 21 के स्कोर पर वेंकटेश अय्यर (19) के रूप में पहला झटका लगा। इसके बाद देवदत्त पड्डिकल ने विराट कोहली के साथ दूसरे विकेट के लिए 38 गेंदों में 72 रन जोड़कर टीम को 93 के स्कोर तक पहुंचाया।

9वें ओवर की दूसरी गेंद पर कोहली को जेसन होल्डर ने बोल्ड किया। कोहली 25 गेंदों में 6 बाउंड्री के साथ 43 रन बनाकर आउट हुए। इसी ओवर की चौथी गेंद पर पड्डिकल (30 रन) भी आउट हुए।

इस टीम ने 94 के स्कोर तक अपने 3 विकेट गंवा दिए थे। यहां से कप्तान रजत पाटीदार ने क्रुणाल पांड्या के साथ चौथे विकेट के लिए 45 गेंदों में 95 रन जोड़कर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

क्रुणाल पांड्या 28 गेंदों में 2 छक्कों और 5 चौकों के साथ 43 रन बनाकर आउट हुए, जिसके बाद कप्तान पाटीदार ने टिम डेविड के साथ 25 रन और जितेश शर्मा के साथ 12 गेंदों में 40 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 254 के स्कोर तक पहुंचा दिया। विपक्षी खेमे से कगिसो रबाडा और जेसन होल्डर ने 2-2 विकेट निकाले, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने 1 विकेट हासिल किया।

इसके जवाब में गुजरात टाइटंस 19.3 ओवरों में 162 रन पर सिमट गई। इस टीम को 17 के स्कोर पर साईं सुदर्शन (14) के रूप में पहला झटका लगा, जिसके बाद निरंतर अंतराल पर टीम के विकेट गिरते रहे।

गुजरात टाइटंस ने 51 के स्कोर पर जोस बटलर (29), निशांत संधू (5) और जेसन होल्डर (0) के विकेट गंवाए।

नॉर्वे चेसः प्रग्गनानंदा और गुकेश ने आर्मागेडन में दर्ज की जीत, दिव्या ने वर्ल्ड चैंपियन को हराया

ओस्लो। नॉर्वे चेस 2026 की शुरुआत ओस्लो में काफी रोमांचक अंदाज में हुई। भारतीय खिलाड़ी आर प्रग्गनानंदा और वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश दोनों ने अपने-अपने पहले क्लासिकल मैच ड्रॉ खेले। इसके बाद हुए आर्मागेडन टाई-ब्रेक में दोनों खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया और जीत हासिल करके अपने अभियान की बेहतरीन शुरुआत की। वहीं, दिव्या ने वर्ल्ड चैंपियन वेनजुन को शिकस्त दी।

प्रग्गनानंदा ने आक्रामक प्रदर्शन के साथ टाईब्रेकर में वेस्ली सो को हराया, तो गुकेश ने क्लासिकल मुकाबले में मुश्किल एंडगेम से बचने के बाद विंसेंट कीमर के खिलाफ शानदार वापसी की। हालांकि, शुरुआती राउंड का सबसे बड़ा उलटफेर तब हुआ जब अलीरेजा फिरौजा ने क्लासिकल चेस में वर्ल्ड नंबर 1 मैग्नस कार्लसन को चौंका दिया, जिससे नॉर्वे के सुपरस्टार को घरेलू मैदान पर एक दुर्लभ हार का सामना करना पड़ा।

प्रग्गनानंदा और वेस्ली सो ने एक संतुलित क्लासिकल गेम खेला जो एक तनावपूर्ण मुकाबले के बाद ड्रॉ पर समाप्त हुआ। इसके बाद आर्मागेडन टाई-ब्रेक में प्रग्गनानंदा ने तेज और आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने खेल की गति बढ़ाई और लगातार दबाव बनाते हुए बेहतर चालें खेलीं, जिससे उन्हें बोनस प्वाइंट्स हासिल करने में मदद मिली और उन्होंने निर्णायक गेम अपने नाम कर लिया।

एक और बेहद रोमांचक मुकाबले में गुकेश का सामना जर्मनी के विंसेंट कीमर से हुआ। मैच के एंडगेम में ऐसा लग रहा था कि कीमर जीत के करीब हैं।

जीटी बनाम आरआरः दमदार प्रदर्शन से एलिमिनेटर मुकाबले का रुख तय करेंगे ये 5 खिलाड़ी

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) की भिड़ंत सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के साथ होगी। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला बुधवार को मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। आइए आपको उन पांच खिलाड़ियों के नाम बताते हैं, जो अपने दमदार प्रदर्शन से इस मैच का नतीजा तय कर सकते हैं।

वैभव सूर्यवंशी: एलिमिनेटर मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स की तकदीर 15 वर्षीय बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी के प्रदर्शन पर काफी हद तक निर्भर करेगी। वैभव इस सीजन दिखा चुके हैं कि वह अकेले दम पर किसी भी मैच का रुख पलट सकते हैं। वैभव का अगर बल्ला एलिमिनेटर मुकाबला में चला, तो सनराइजर्स हैदराबाद की दिक्कतें बढ़ सकती हैं। आईपीएल 2026 में वैभव ने 14 मुकाबलों में 232 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 583 रन बनाए हैं।

यशस्वी जायसवाल: वैभव सूर्यवंशी के साथ-साथ यशस्वी जायसवाल के प्रदर्शन पर भी एलिमिनेटर मुकाबले में हर किसी की निगाहें होंगी। यशस्वी आईपीएल 2026 में शानदार लय में दिखाई दिए हैं। इस सीजन वह 14 मुकाबलों में 159 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 397 रन बना चुके हैं। यशस्वी ने वैभव के साथ मिलकर आरआर की जीत की नींव रखी है और एलिमिनेटर मुकाबले में भी उनसे ऐसे ही प्रदर्शन की उम्मीद होगी।

ईशान किशन: आईपीएल 2026 के एलिमिनेटर मुकाबले में ईशान किशन सनराइजर्स हैदराबाद के लिए सबसे बड़े ट्रंप कार्ड साबित हो सकते हैं। ईशान के लिए यह सीजन अब तक कमाल का गुजरा है। वह 14 मुकाबलों में 178 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 569 रन बना चुके हैं। ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करने के साथ-साथ मुश्किल पिचों और हालातों में भी ईशान ने एसआरएच की नैया को पार लगाया है।

अभिषेक शर्मा: सनराइजर्स हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा एलिमिनेटर मुकाबले में अपनी आतिशी बल्लेबाजी से फैंस का दिल जीत सकते हैं।

अभिषेक इस सीजन में खेले 14 मुकाबलों में 206 के स्ट्राइक रेट से 563 रन बना चुके हैं। उन्होंने इस सीजन में अब तक एक शतक और 4 अर्धशतक लगाए हैं। अभिषेक अगर अपनी फॉर्म को एलिमिनेटर मैच में बरकरार रखने में सफल रहे, तो राजस्थान रॉयल्स की टीम मुश्किल में पड़ सकती है।

हेनरिक क्लासेन: एसआरएच के लिए आईपीएल 2026 में निरंतरता के साथ रन बनाने वाले बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन रहे हैं। क्लासेन इस सीजन 14 मुकाबलों में 159 के स्ट्राइक रेट से 606 रन बना चुके हैं।

विकेटकीपर-बल्लेबाज ने छह अर्धशतक लगाए हैं। आमतौर पर अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए मशहूर क्लासेन इस साल लड़खड़ाती हुई पारी को संभालते हुए भी नजर आए हैं। यही वजह है कि वह एलिमिनेटर मैच में तुरुप का इक्का बन सकते हैं।

फीफा वर्ल्ड कप 2026: इंटर मियामी ने दिया लियोनेल मेसी की फिटनेस पर बड़ा अपडेट

मियामी । इंटर मियामी सीएफ ने लियोनेल मेसी के चोटिल होने को लेकर लगाई जा रहीं अटकलों को खारिज किया है। क्लब ने बताया है कि मेसी के बाएं हैमस्ट्रिंग की मांसपेशियों में थकान है और इसी कारण उनको फिलाडेल्फिया यूनियन के खिलाफ खेले गए मुकाबले में सब्स्टीट्यूट किया गया था।

फिलाडेल्फिया यूनियन के खिलाफ रविवार को एमएलएस मैच के दौरान फ्री किक लेने के बाद मेसी दिक्कत में दिखाई दिए थे और मैदान छोड़कर चले गए थे। चिंता की बात यह थी कि सब्स्टीट्यूट होने के बाद मेसी बेंच पर नहीं बैठे, बल्कि मेडिकल स्टाफ के सदस्यों के साथ सीधे लॉकर रूम चले गए। फीफा वर्ल्ड कप 2026 से पहले मेसी को इस तरह से मैदान से बाहर जाते देख उनके चोटिल होने की आशंका जताई जाने लगी थी।

एमएलएस ने मंगलवार को एक अपडेट जारी किया और बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि खिलाड़ी के बाएं हैमस्ट्रिंग में मांसपेशियों की थकान और ज्यादा दबाव (ओवरलोड) की समस्या है। इंटर मियामी ने एक बयान में कहा, 'इस सोमवार को और मेडिकल टेस्ट के बाद शुरुआती लक्षण में उनके बाएं हैमस्ट्रिंग में मांसपेशियों की थकान के साथ ओवरलोड का पता चला है। शारीरिक गतिविधि में उनकी वापसी का समय उनकी क्लिनिकल और कार्यात्मक प्रगति पर निर्भर करेगा।'

फीफा वर्ल्ड कप 2026 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, मैक्सिको और कनाडा में खेला जाना है।

अर्जेंटीना डिफेंडिंग चैंपियन है और वह इस बार अपने खिताब का बचाव करने उतरेगी। अर्जेंटीना की ग्रुप जे में अल्जीरिया, ऑस्ट्रिया और जॉर्डन से भिड़ंत होगी। हालांकि, मेसी ने आधिकारिक तौर पर यह ऐलान नहीं किया है कि वह अपने रिकॉर्ड छठे वर्ल्ड कप में हिस्सा लेंगे, लेकिन उम्मीद है कि वह इस गर्मी में इंटर मियामी टीम के साथी रोड्रिगो डी पॉल के साथ लियोनेल स्कालोनी की टीम की कप्तानी करेंगे।

आईसीसी विमेंस रैंकिंगः 38 पायदान की छलांग लगाकर 'नंबर-2' गेंदबाज बनीं लिंसी स्मिथ

दुबई। इंग्लैंड की स्पिनर लिंसी स्मिथ नवीनतम आईसीसी विमेंस टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में 38 पायदान की छलांग लगाकर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। लिंसी ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज में 6 विकेट अपने नाम किए थे। उनके इस प्रदर्शन ने इंग्लैंड को 2-1 से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन के लिए लिंसी को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया था। बाएं हाथ की स्पिनर लिंसी ने टी20 रैंकिंग में अपनी साथी स्पिनर सोफी एक्लेस्टोन को पछाड़ दिया है, जो अब रैंकिंग में तीसरे स्थान पर खिसक गई।

टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में शीर्ष 7 में से 4 खिलाड़ी इंग्लैंड से हैं। इंग्लैंड की तेज गेंदबाज लॉरेन बेल ने शुरुआती दो मुकाबलों में 3 विकेट हासिल किए थे, लेकिन अंतिम मुकाबले में नहीं खेल सकीं। वह फिलहाल चौथे स्थान पर बनी हुई हैं, जबकि कार्यवाहक कप्तान चार्ली डीन ने सीरीज में पांच विकेट लेकर सातवें स्थान पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है।

गेंदबाजी रैंकिंग में स्पिनर्स का दबदबा कायम है। टॉप-10 में 8 स्पिनर शामिल हैं। बेल और ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर एनाबेल सदरलैंड ही इस समूह में शामिल एकमात्र तेज गेंदबाज हैं। न्यूजीलैंड की तरफ से, बाएं हाथ की तेज गेंदबाज ब्री इलिंग ने सीरीज में चार विकेट लेकर 12 स्थान की छलांग लगाते हुए 45वें स्थान हासिल कर लिया है। वहीं, स्पिनर नेंसी पटेल 34 स्थान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 71वें स्थान पर पहुंच गईं।

बल्लेबाजी रैंकिंग पर नजर डालें, तो न्यूजीलैंड की पूर्व कप्तान सोफी डिवाइन 2 साल में पहली बार टॉप-10 में वापसी करने में सफल रहीं। उन्होंने इस सीरीज में कुल 132 रन बनाए, जिसमें शुरुआती 2 मुकाबलों में 45 और 87 रनों की पारियां शामिल हैं।

शीर्ष क्रम की बल्लेबाजों की रैंकिंग में बहुत अधिक फेरबदल देखने को नहीं मिला है। इसकी एक वजह इंग्लैंड की जोड़ी नताली साइवर-ब्रंट और डैनी व्याट-हॉज की अनुपस्थिति रहीं, जबकि न्यूजीलैंड की स्टार खिलाड़ी अमेलिया केर और सूजी बेट्स ने इस सीरीज में बतौर बल्लेबाज खासा प्रभावित नहीं किया।

बल्लेबाजी रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया का दबदबा कायम है। जॉर्जिया वोल और बेथ मूनी शीर्ष दो स्थानों पर काबिज हैं। ताहलिया मैकग्रा छठे स्थान पर बनी हुई हैं, जबकि फोएबे लिचफील्ड संयुक्त रूप से 13वें स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड की बैटर मैडी ग्रीन इस सीरीज में 93 रन बनाकर आठ पायदान ऊपर चढ़कर 39वें स्थान पर पहुंच गईं। इंग्लैंड की मैया बाउचर 6 पायदान की छलांग लगता हुए 34वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

हार के साथ मोनफिल्स की फ्रेंच ओपन से विदाई, आखिरी मुकाबले में गैस्टन ने दी मात

पेरिस । गेल मोनफिल्स को फ्रेंच ओपन के पहले ही राउंड में फ्रांस के खिलाड़ी ह्यूगो गैस्टन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। 2008 में सेमीफाइनल तक का सफर तय करने वाले मोनफिल्स का यह फ्रेंच ओपन में आखिरी मुकाबला रहा।

39 साल के पूर्व टॉप-10 खिलाड़ी अपने पसंदीदा कोर्ट फिलिप-चैटियर पर गैस्टन के खिलाफ मैच जीतने के बहुत करीब थे। उन्होंने पहला और दूसरा सेट आसानी से 6-2, 6-3 से जीत लिया था। हालांकि, इसके बाद गैस्टन ने शानदार वापसी की और अगले दो सेट 3-6, 2-6 से अपने नाम कर लिए। आखिरी सेट में गैस्टन पूरी तरह हावी रहे और 6-0 से जीत हासिल कर ली।

एटीपी विन/लॉस इंडेक्स के मुताबिक, मोनफिल्स ने अपना रोलैंड गैरोस (फ्रेंच ओपन) करियर 40-18 के रिकॉर्ड के साथ खत्म किया। फ्रेंच ओपन में उनका सबसे शानदार प्रदर्शन साल 2008 में देखने को मिला, जहां उन्होंने सेमीफाइनल तक का सफर तय किया। मोनफिल्स को सेमीफाइनल में रोजर फेडरर के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। वह टूर्नामेंट में तीन बार क्वार्टर फाइनल तक भी पहुंचे। रिचर्ड गैस्केट, सेबेस्टियन ग्रोसजीन, पॉल-हेनरी मैथ्यू और यानिक नोआ जैसे दिग्गज खिलाड़ियों की मौजूदगी में, 2008 के सेमीफाइनलिस्ट शुरुआत के दो सेट में बिल्कुल फीके नजर आए।

गुरिंदरवीर की सफलता का श्रेय लेने पर विजेंदर सिंह ने पंजाब सरकार की आलोचना की

नई दिल्ली। विजेंदर सिंह ने धावक गुरिंदरवीर सिंह की रिकॉर्ड-तोड़ सफलता के बाद उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए पंजाब सरकार की आलोचना की। विजेंदर ने कहा कि एथलीटों को उनके संघर्ष के दौरान पहचान और समर्थन की जरूरत होती है, न की पदक जीतने के बाद।

गुरिंदरवीर के हालिया इंटरव्यू का जिक्र करते हुए विजेंद्र ने कहा, 'धावक ने खुद माना था कि सरकारी नौकरी मिलने के बावजूद उन्हें न तो राष्ट्रीय स्तर के स्टेडियम में जाने का मौका मिला और न ही सरकार से सही समर्थन मिला।'

विजेंदर सिंह ने एक्स पर लिखा, 'पंजाब सरकार अब गुरिंदरवीर सिंह का श्रेय लेने के लिए आगे आई है, लेकिन अगर आप उनका इंटरव्यू सुनें, तो वह साफ कहते हैं कि उन्हें न तो राष्ट्रीय स्तर का स्टेडियम मिला और न ही सरकार से सही समर्थन मिला। उन्होंने उन्हें सरकारी नौकरी दी, लेकिन फिर अभ्यास और तैयारी के लिए सही माहौल दिए बिना ड्यूटी पर भेज दिया। गुरिंदरवीर ने जैसे ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा, हर कोई श्रेय लेने के लिए दौड़ पड़ा। एथलीट को जीतने के बाद सपोर्ट की जरूरत नहीं होती - उन्हें अपने संघर्ष के दौरान सपोर्ट की जरूरत होती है।'

25 साल के गुरिंदरवीर ने शनिवार को रांची में नेशनल सीनियर एथलेटिक्स फेडरेशन कॉम्पिटिशन 2026 के दौरान रिकॉर्ड बुक में नाम दर्ज कराया। रिलायंस का प्रतिनिधित्व करते हुए पंजाब के धावक ने पुरुषों की 100 मीटर रेस में 10.09 सेकंड का समय निकालकर अपना क्राउन वापस जीता। उन्होंने सबसे पहले ओपनिंग सेमीफाइनल हीट में 10.17 सेकंड का समय लेकर अनिमेष कुजूर के 10.18 सेकंड के पिछले नेशनल रिकॉर्ड को तोड़ा। सिंह के नया नेशनल रिकॉर्ड बनाने के बाद, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने 24 मई को एक्स पर पोस्ट किया, 'रांची में फेडरेशन कप में 100-मीटर फ्रीस्टाइल रेस में गोल्ड मेडल जीतने के लिए हमारे होनहार एथलीट गुरिंदरवीर सिंह को दिल से बधाई। हमारे बहादुर बेटे ने सिर्फ 10.09 सेकंड में रेस पूरी करके नया नेशनल रिकॉर्ड बनाया है। गुरिंदरवीर 100-मीटर रेस में 10.10 सेकंड से कम समय में रेस पूरी करने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए हैं।

मेग लैनिंग ने विक्टोरिया का कॉन्ट्रैक्ट छोड़ा, फुल-टाइम फ्रीलांस क्रिकेटर के रूप में सक्रिय रहेंगी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग ने 2026-27 के घरेलू सीजन के लिए विक्टोरिया के साथ स्टेट कॉन्ट्रैक्ट साइन न करने का फैसला किया है। इसके साथ ही वह अब एक फुल-टाइम फ्रीलांस क्रिकेटर बनने जा रही हैं। यह उनके इंटरनेशनल करियर के बाद का एक और अहम कदम है।

लैनिंग का यह कदम महिला क्रिकेट के तेजी से बदलते माहौल को दिखाता है, जहां टॉप खिलाड़ी दुनिया भर की लीग में फ्रेंचाइजी के मौकों को ज्यादा अहमियत दे रही हैं। 2023 में इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायर होने के बाद से, 34 साल की लैनिंग महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा मांग वाली खिलाड़ियों में से एक बनी हुई हैं। उन्होंने भारत और इंग्लैंड में टूर्नामेंट खेले हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया के घरेलू क्रिकेट में उनकी भागीदारी धीरे-धीरे कम होती गई है।

हालांकि इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायर होने के बाद भी वह विक्टोरिया की टीम में बनी रहीं, लेकिन पिछले घरेलू सीजन में उनकी भूमिका काफी सीमित थी। उन्होंने महिला नेशनल क्रिकेट लीग सीजन में सिर्फ चार मैच खेले और महिला बिग बैश लीग के ब्रेक के बाद वापस नहीं लौटीं। इसके बजाय, उन्होंने अपना ध्यान विदेशों में फ्रेंचाइजी से जुड़ी जिम्मेदारियों पर लगाया। लैनिंग अभी महिला प्रीमियर लीग में यूपी वॉरियर्स की कप्तानी कर रही हैं और इंग्लैंड की 'द हंड्रेड' लीग में मैनचेस्टर ओरिजिनल्स की कप्तान हैं। इस साल की शुरुआत में, उन्होंने टी20 ब्लास्ट के लिए लंकाशायर के साथ भी कॉन्ट्रैक्ट साइन किया, जिससे ग्लोबल टी20 सर्किट के प्रति उनकी प्रतिबद्धता और मजबूत हुई है।

विमेंस बिग बैश लीग में उनका भविष्य अभी भी खुला है, क्योंकि मेलबर्न स्टार्स के साथ एक शानदार सीजन बिताने के बावजूद, फिलहाल उनके पास उस फ्रेंचाइजी का कोई कॉन्ट्रैक्ट नहीं है। पिछले साल, लैनिंग इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली दूसरी खिलाड़ी रहीं। उन्होंने 53.22 की औसत और 136 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से कुल 479 रन बनाए थे।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415